Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश

बिंदियारानी का कमाल, ब्रॉन्ज किया अपने नामभालफेंक में नीरज से टक्कर लेने को...

केंद्र से 335 करोड़ रुपये की सौगात, कृषि विकास योजना की दूसरी किस्त पाने वाला...

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • बुधवार • 29 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 237 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,32,150	₹ 2,40,000

आज का इतिहास

2012 : लंबी बिजली कटौती ने दिल्ली के लोगों को प्रभावित किया है। दिल्ली, भारत में 300 मिलियन से अधिक लोग बिना बिजली के रह गए हैं। पावर ग्रिड की विफलता के कारण शहर को बहुत नुकसान हुआ है।

2012 : इतिहास में सबसे अधिक बिजली की निकासी 22 भारतीय लोगों में हुई, जो 620 मिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित करते हैं, या दुनिया के लगभग 9% लोग हैं।

न्यूज बाइट्स

जेल से बाहर आए तेज प्रताप यादव

पटना (नि.सं.)। नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर आयोजित बिहार बंद के दौरान हुई हिंसा और झड़प के मामले में न्यायिक हिरासत में भेजे गए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव को मंगलवार को जमानत मिल गई। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंगलवार शाम उन्हें बेऊर केंद्रीय कारा से रिहा कर दिया गया। बिहार बंद के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने तेज प्रताप यादव को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था। सुनवाई के बाद न्यायालय ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। इस बीच सोमवार देर रात बिहार सरकार ने आंदोलन के दौरान गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों की रिहाई के संबंध में आदेश जारी किया था।

मुंगेर दौरे पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की बड़ी घोषणाएं

बिहार के सभी स्कूलों में शनिवार को आधे दिन की होगी पढ़ाई : सीएम

बीएड कॉलेजों को चरणबद्ध तरीके से बनाया जाएगा डिग्री कॉलेज, असरगंज में 14 करोड़ रुपयों से बनेगा नया भवन, रोजगार और उद्योगों को भी मिलेगा बढ़ावा, 10 मॉडल स्कूलों का शुभारंभ

निज संवाददाता | मुंगेर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुंगेर जिले के तारापुर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर शिक्षा, रोजगार और आधारभूत संरचना से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने असरगंज में राजकीय डिग्री महाविद्यालय में पठन-पाठन की शुरुआत करते हुए कहा कि बिहार के सभी स्कूलों में अब शनिवार को आधे दिन की ही पढ़ाई होगी। साथ ही राज्य के सभी बीएड कॉलेजों को चरणबद्ध तरीके से डिग्री कॉलेज के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि असरगंज में लंबे समय से डिग्री कॉलेज की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इस कमी को दूर करने के लिए 14 करोड़ रुपये की लागत से कॉलेज का स्थायी भवन बनाया जाएगा। इसके अलावा कॉलेज परिसर के पास खेल मैदान विकसित करने के लिए जिला प्रशासन को भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 211 डिग्री कॉलेज संचालित

हो रहे थे और असरगंज कॉलेज के शुरू होने के साथ इनकी संख्या बढ़कर 212 हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दे रही है। तारापुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बेरोजगार युवक-युवती की पहचान कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने हेतु भूमि भी चिह्नित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि असरगंज के अमैया, बैजलपुर और कर गांव के आसपास प्रस्तावित इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी जारी है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र के विकास और रोजगार को नई गति मिलेगी। सम्राट चौधरी ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में मॉडल विद्यालयों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। मंगलवार को 10 नए मॉडल विद्यालयों का उद्घाटन किया गया, जिसके बाद इनकी संख्या बढ़कर 561 हो गई है। इन विद्यालयों में लाइव क्लास, डिजिटल लर्निंग और नीट-जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की विशेष व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने किसान वैदिक उच्च विद्यालय, लौना से रिमोट के माध्यम से 10 मॉडल विद्यालयों का उद्घाटन किया, छात्रों से संवाद किया और विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

211 नए डिग्री कॉलेजों में जल्द होगी असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति

पटना (नि.सं.)। बिहार के नवस्थापित 211 राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में जल्द ही 2,532 संविदा आधारित सहायक प्राध्यापकों (असिस्टेंट प्रोफेसर) की नियुक्ति की जाएगी। बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीयूएससी) ने उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर छह विषयों के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी कर ली है। आयोग एक अगस्त तक चयनित अभ्यर्थियों का परिणाम घोषित करेगा, जबकि 10 अगस्त तक उन्हें आवंटित कॉलेजों में योगदान कराने की तैयारी की जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार, नियुक्ति प्रक्रिया हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र विषयों के लिए संचालित की जा रही है। इन विषयों में लिखित परीक्षा के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार पूरा हो चुका है और अब अंतिम परिणाम जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सरकार के अनुसार, नवस्थापित 211 सरकारी डिग्री कॉलेजों में 60 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने नामांकन लिया है।

बिहार सरकार ने नीट प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने का दिया आदेश

- 26 जुलाई शाम 6 बजे तक दर्ज सभी मुकदमे होंगे रद्द, पुलिस वेरिफिकेशन और सरकारी नौकरी की चिंता से छात्रों को राहत

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने नीट-यूजी परीक्षा को लेकर हुए छात्र आंदोलन में शामिल विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए 26 जुलाई 2026 की शाम 6 बजे तक राज्यभर में दर्ज सभी एफआईआर, आपराधिक मुकदमे और अन्य कानूनी कार्रवाई वापस लेने का आदेश दिया है। इसके साथ ही संबंधित मामलों में गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए छात्रों को भी रिहा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। महाधिवक्ता कार्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि निर्धारित समय-सीमा तक दर्ज सभी मामलों को वापस लेने के लिए तत्काल कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाए।

इस संबंध में राज्य के सभी जिलाधिकारियों (डीएम) और लोक अभियोजकों (पब्लिक प्रॉसिक्यूटर) को आवश्यक कार्रवाई कर न्यायालय में मुकदमे वापस लेने की प्रक्रिया पूरी करने तथा इसकी अनुपालन रिपोर्ट सरकार को भेजने का निर्देश दिया गया है। सरकार के इस फैसले से आंदोलन में शामिल हजारों छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी। एफआईआर वापस होने के बाद छात्रों को भविष्य में पुलिस सत्यापन (पुलिस वेरिफिकेशन), सरकारी नौकरी, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में संभावित कानूनी बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। आदेश के दायरे में पटना, औरंगाबाद, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, किशनगंज, लखीसराय, भागलपुर, पश्चिम चंपारण, पूर्णिया, वैशाली, नालंदा, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, जहानाबाद, कटिहार, दरभंगा, गोपालगंज, सहरसा और मुंगेर सहित राज्य के कई जिलों में दर्ज मामले शामिल हैं। संबंधित जिलों में मुकदमे वापस लेने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि 26 जुलाई 2026 की शाम 6 बजे से पहले छात्र आंदोलन में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ भविष्य में प्रतिशोधात्मक या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए बनेंगी तीन स्पेशल कोर्ट

निज संवाददाता | पटना

बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए तीन फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट का गठन किया जाएगा। पटना हाईकोर्ट ने द पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मींस) एक्ट, 2024 के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई के लिए पटना, लखीसराय और पूर्णिया में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश स्तर की विशेष अदालतें स्थापित करने का निर्णय लिया है।

हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार, इन विशेष अदालतों में चार्जशीट दाखिल होने के बाद मामलों की रोजाना सुनवाई होगी और ट्रायल शुरू होने के 90 दिनों के भीतर फैसला सुनाया जाएगा। इसका उद्देश्य पेपर लीक और परीक्षा में धांधली से जुड़े मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना है। हाईकोर्ट ने तीनों विशेष अदालतों के लिए पीठासीन अधिकारियों के नाम भी तय कर दिए हैं। पटना में गौरव सिंह, लखीसराय में सीमा भारतीय और पूर्णिया में ठाकुर अमन कुमार इन अदालतों की जिम्मेदारी संभालेंगे। न्यायालय ने राज्य सरकार से इन अदालतों को शीघ्र अधिसूचित कर संबंधित न्यायिक अधिकारियों की पदस्थापना करने का अनुरोध किया है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी), नीट-यूजी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली के कई मामले सामने आए थे। लंबी जांच और न्यायिक प्रक्रिया में देरी के कारण अभ्यर्थियों में व्यापक असंतोष था। नई विशेष अदालतों के गठन से ऐसे मामलों में तेजी से सुनवाई होने और दोषियों को समयबद्ध सजा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। सरकार और न्यायपालिका का मानना है कि रोजाना सुनवाई और 90 दिनों में फैसला आने की व्यवस्था से पेपर लीक में शामिल संगठित गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। इससे परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता मजबूत होगी तथा युवाओं का भरोसा बहाल करने में मदद मिलेगी।

टीआरई-3 शिक्षकों को भी मिलेगा तबादले का मौका

- 51 हजार से अधिक टीआरई-3 शिक्षकों सहित 94 हजार से ज्यादा शिक्षकों को राहत, ई-शिक्षा कोष पोर्टल बुधवार से खुलेगा

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने शिक्षक स्थानांतरण नियमावली-2026 में बड़ा बदलाव करते हुए प्रोबेशन अवधि में कार्यरत शिक्षकों को भी तबादले के लिए आवेदन करने की अनुमति दे दी है। शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर पोर्टल शुरू होने से 48 घंटे पहले अपने पूर्व निर्णय में संशोधन करते हुए यह फैसला लिया है, जिससे राज्य के 94 हजार से अधिक शिक्षकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के तहत टीआरई-3 के 51,389 सहायक शिक्षक, 36,947 प्रधान शिक्षक और 5,971 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक (हेडमास्टर) भी ई-शिक्षा कोष पोर्टल के माध्यम से स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकेंगे।

दरअसल, 21 जुलाई 2026 को जारी शिक्षक स्थानांतरण नियमावली में स्पष्ट किया गया था कि प्रोबेशन अवधि में कार्यरत शिक्षकों को सामान्य स्थानांतरण का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही जिन शिक्षकों का पहले समायोजन या पारस्परिक स्थानांतरण हो चुका था, उन्हें भी सामान्य ट्रांसफर के लिए पात्र नहीं माना गया था। हालांकि शिक्षकों की मांग और व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए शिक्षा विभाग ने अपने निर्णय में संशोधन किया है। अब प्रोबेशन अवधि वाले शिक्षक भी ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे और अपनी पसंद के विद्यालय का विकल्प चुन सकेंगे। इस फैसले का सबसे अधिक लाभ टीआरई-3 के तहत नियुक्त 51,389 सहायक शिक्षकों को मिलेगा। इन शिक्षकों की नियुक्ति मार्च 2025 में हुई थी और मई 2025 तक उन्होंने योगदान दिया था। दो वर्ष की प्रोबेशन अवधि पूरी नहीं होने के कारण वे पहले स्थानांतरण के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे थे। अब पहली बार उन्हें अपने गृह जिले या निकटवर्ती क्षेत्र के विद्यालय में तबादले का अवसर मिलेगा। शिक्षा विभाग के अनुसार, संशोधित व्यवस्था से ऐसे हजारों शिक्षकों को राहत मिलेगी जो वर्तमान में अपने घर से 300 से 450 किलोमीटर दूर पदस्थापित हैं और लंबे समय से अपने गृह क्षेत्र के आसपास स्थानांतरण की मांग कर रहे थे। ई-शिक्षा कोष पोर्टल बुधवार से आवेदन के लिए खोल दिया जाएगा, जिसके माध्यम से पात्र शिक्षक ऑनलाइन स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकेंगे।

विपक्ष के हंगामे के बीच एमएसएमई संशोधन विधेयक पेश

- प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर विपक्ष का विरोध जारी, शोर-शराबे के बीच बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित हुई कार्यवाही

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को भी राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही। प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा कथित बल प्रयोग के मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों ने जमकर नारेबाजी की, जिसके चलते सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी। इसी बीच केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 सदन में पेश किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने छात्रों के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। लगातार हंगामे के कारण पहले राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित की गई। दोबारा बैठक शुरू होने पर भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी। शोर-शराबे के बीच मंत्री जीतन राम मांझी ने विधेयक पेश करने की अनुमति मांगी और सदन के पटल पर इसे प्रस्तुत कर दिया। हालांकि, हंगामा जारी रहने के कारण कोई विधायी चर्चा नहीं हो सकी और राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा प्रस्तुत राष्ट्र-गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पर भी चर्चा नहीं हो सकी। विपक्ष के विरोध के चलते सदन में विधायी कार्य प्रभावित रहा।

श्रावणी मेला का हुआ भव्य शुभारंभ

भागलपुर (नि.सं.)। जिले के ऐतिहासिक सुल्तानगंज स्थित विश्वप्रसिद्ध बाबा अजगैवीनाथ धाम से 'श्रावणी मेला 2026' का भव्य और आध्यात्मिक शुभारंभ हो गया है। बिहार के मुख्यमंत्री ने फीता काटकर और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ मेले का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण और बड़ी सौगातों की घोषणा की। इस अवसर पर श्रावणी मेला मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण किया गया, जिसके माध्यम से अब दुनियाभर के शिवभक्त घर बैठे बाबा अजगैवीनाथ के लाइव दर्शन कर सकेंगे। श्रद्धालुओं को अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से भागलपुर जिला प्रशासन और भागलपुर ट्रिपल आईटी के संयुक्त प्रयास से इस विशेष मोबाइल ऐप को विकसित किया गया है।

सत्ता में आए तो आंदोलनकारियों को देंगे नौकरी और पेंशन : तेजस्वी यादव

- नीट-यूजी आंदोलन में घायल छात्रों और युवाओं को जेपी सेनानियों की तर्ज पर लाभ देने का वादा, भाजपा सरकार पर लगाया दमन का आरोप

निज संवाददाता | पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने घोषणा की है कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है तो नीट-यूजी पेपर लीक के विरोध में हुए आंदोलन के दौरान घायल छात्रों और युवाओं को जेपी आंदोलन के सेनानियों की तर्ज पर सरकारी नौकरी और पेंशन दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन में शामिल युवाओं के त्याग और संघर्ष का सम्मान किया जाएगा। मंगलवार को पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, भ्रष्टाचार पर रोक और युवाओं को रोजगार दिलाने की मांग को लेकर आंदोलन करने वाले छात्रों के साथ उनकी पार्टी हमेशा खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि जो छात्र और युवा आंदोलन के दौरान घायल हुए या जेल गए, उन्हें उनकी सरकार बनने पर विशेष सम्मान और सुविधाएं दी जाएंगी।

तेजस्वी यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को दमनकारी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर अत्याचार किया गया और उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि राजद की सरकार बनने पर परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष, सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जाएगा, ताकि भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और उनके हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कौआकोल का विक्रम एक बार फिर जीता गोल्ड मेडल, 200 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय चैंपियन बना

कौआकोल। कौआकोल प्रखंड के देवनगढ़ पंचायत अंतर्गत भोरमबाग गांव निवासी एवं पंचायत समिति सदस्य दिलीप रविदास के पुत्र विक्रम कुमार ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। बनारस में आयोजित एथलेटिक्स नेशनल चैंपियनशिप की 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में विक्रम कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस शानदार उपलब्धि से न केवल कौआकोल प्रखंड बल्कि पूरे बिहार में खुशी की लहर है। विक्रम के पिता दिलीप रविदास ने बताया कि इससे पहले भी विक्रम मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत चुका है। लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर उसने अपनी प्रतिभा और मेहनत का शानदार प्रदर्शन किया है। वर्तमान में विक्रम कुमार टीएस कॉलेज, हिसुआ (नवादा) से बीए पार्ट-2 की पढ़ाई कर रहा है। बचपन से ही उसकी खेलों में गहरी रुचि रही है और वह पटना में नियमित रूप से प्रशिक्षण लेकर अपनी प्रतिभा को निखारता रहा है। विक्रम की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों,जनप्रतिनिधियों एवं खेल प्रेमियों ने उसे बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लगातार राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर विक्रम कुमार युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन गया है।

बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, कई घंटे बाधित रहा आवागमन

कौआकोल–पकरीबरावां मुख्य पथ को जोगाचक मोड़ के पास किया जाम,नया ट्रांसफार्मर पहुंचने के बाद समाप्त हुआ जाम

कौआकोल। कौआकोल प्रखंड के हाई स्कूल रोड वार्ड संख्या-03 में लगभग एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति ठप रहने और खराब ट्रांसफार्मर के कारण परेशान ग्रामीणों का आक्रोश मंगलवार को फूट पड़ा। सैकड़ों ग्रामीणों ने जोगाचक मोड़ के समीप कौआकोल–पकरीबरावां मुख्य पथ को जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और कई घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि खराब ट्रांसफार्मर के कारण कई दिनों से पूरे मोहल्ले की बिजली आपूर्ति ठप थी। बार-बार शिकायत करने के बावजूद विभाग द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ती गई। बिजली नहीं रहने से पेयजल संकट, बच्चों की पढ़ाई तथा दैनिक कार्यों पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा था। सड़क जाम की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की। अधिकारियों ने तत्काल नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कुछ देर बाद नया ट्रांसफार्मर मौके पर पहुंचने पर ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ और उन्होंने सड़क जाम समाप्त कर दिया। इसके बाद मुख्य मार्ग पर वाहनों का परिचालन सामान्य हो सका। ग्रामीणों ने कहा कि यदि भविष्य में बिजली आपूर्ति में लापरवाही बरती गई तो वे पुनः आंदोलन करने को विवश होंगे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक आयोजित, लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के दिए निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की अद्यतन स्थिति, सत्यापन कार्य की प्रगति, सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना एवं योजनांतर्गत आ रही समस्याओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता (विद्युत), नवादा एवं रजौली को निर्देश दिया कि योजना के अंतर्गत प्राप्त सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र उपभोक्ताओं को समय पर योजना का लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने योजना के क्रियान्वयन के दौरान आ रही विभिन्न व्यावहारिक कठिनाइयों एवं चुनौतियों से जिला पदाधिकारी को अवगत कराया। जिला पदाधिकारी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंताओं को निर्देशित किया कि बैंक ऋण (लोन) से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित बैंकों के पदाधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उन्होंने कार्यान्वयन एजेंसियों को यह भी निर्देश दिया कि जिन लाभुकों के आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं, उनके घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना में तेजी लाई जाए तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं।

इसके साथ ही बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक लाभुकों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से कई आवश्यक निर्देश दिए।उन्होंने समाहरणालय परिसर के समीप प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का एक कियोस्क स्थापित करने का निर्देश दिया, ताकि आम नागरिकों को योजना की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य आवश्यक सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए ई-रिक्शा के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त कार्यपालक अभियंता द्वारा जानकारी दी गयी कि नवादा नगर परिषद क्षेत्र में लगभग 4,000 ऐसे विद्युत उपभोक्ता हैं जिनकी मासिक बिजली खपत 300 यूनिट से अधिक है।

जिला पदाधिकारी ने ऐसे उपभोक्ताओं से सीधे संपर्क स्थापित कर उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ने के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाने तथा उन्हें योजना के लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में जागरूक करने का निर्देश दिया। बैठक में कार्यपालक अभियंता (विद्युत), नवादा एवं रजौली, संबंधित विभागीय पदाधिकारी तथा योजना से जुड़ी विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पकरीबरावां में आठ वर्षीय छात्रा की हत्या आक्रोशितों ने नवादा-जमुई पथ किया जाम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। पकरीबरावां थाना क्षेत्र के डोला गांव के लखनपुरा टोला में आठ वर्षीय छात्रा की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। छात्रा सोमवार की शाम करीब आठ बजे घर से पड़ोस की दुकान पर कलम खरीदने निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। देर रात परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। मंगलवार सुबह कृषक महाविद्यालय के समीप बधार से छात्रा का अर्धनग्न शव बरामद हुआ। घटनास्थल से उसका चप्पल, कलम और अन्य सामान भी मिला। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतका उत्क्रमित मध्य विद्यालय, डोला की तीसरी कक्षा की छात्रा थी। उसकी मौत की खबर फैलते ही गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी व कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं।

घटना के विरोध में ग्रामीणों ने वारिसलीगंज मोड़ पर नवादा-जमुई मुख्य मार्ग को लगभग तीन घंटे तक जाम रखा। सूचना पर एसडीपीओ सुजय विद्यार्थी, पकरीबरावां थानाध्यक्ष रंजन चौधरी, वारिसलीगंज थानाध्यक्ष पंकज सैनी सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने 24 घंटे के भीतर मामले के उद्भेदन का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया, जिसके बाद यातायात बहाल हुआ।

ग्रामीणों ने घटनास्थल के समीप अवैध शराब बिक्री का आरोप लगाते हुए इसे अपराध का कारण बताया और कार्रवाई की मांग की। एसडीपीओ सुजय विद्यार्थी ने बताया कि मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच की जा रही है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

एसपी अभिनव धीमान ने किया कौआकोल थाना का निरीक्षण, पुलिस अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। नवादा के पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने मंगलवार को कौआकोल थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना के विभिन्न अभिलेखों,लंबित कांडों,मालखाना,हाजत,थाना परिसर तथा पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक कर लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अनुसंधानकर्ता समयबद्ध तरीके से मामलों की जांच पूरी कर आरोप पत्र समर्पित करें,ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। एसपी ने क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के धंधेबाजों,अपराधियों तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर पुलिस की पैनी नजर रहनी चाहिए और किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में नियमित एवं सघन गश्ती बढ़ाने,संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी रखने तथा अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने का निर्देश दिया। साथ ही आम लोगों के साथ बेहतर व्यवहार बनाए रखने और उनकी शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने पर भी बल दिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी निष्ठा,ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। मौके पर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर सब-प्लेटफॉर्म निर्माण में बड़ा खेल! पुराने ईंटों से हो रही सॉलिंग, बिना रोलर चलाए डाली जा रही पीसीसी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

वारिसलीगंज (नवादा)। किउल–गया रेलखंड के वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन सब-प्लेटफॉर्म के कार्य में भारी अनियमितता और सरकारी राशि के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। निर्माण स्थल पर घटिया सामग्री के खुलेआम उपयोग से कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मौके की तस्वीरें स्वयं इस बात की गवाही दे रही हैं कि निर्माण कार्य रेलवे के निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है।

निर्माण स्थल पर ईंट सॉलिंग के लिए नई ईंटों के बजाय बड़ी मात्रा में पुराने, टूटे-फूटे और जर्जर ईंटों के टुकड़ों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कई स्थानों पर नई और पुरानी ईंटों को मिलाकर सॉलिंग बिछा दी गई है। इसके बाद पीसीसी ढलाई की तैयारी भी की जा रही है, जबकि निर्माण मानकों के अनुसार ऐसा कार्य स्वीकार्य नहीं माना जाता।इतना ही नहीं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि पीसीसी ढलाई से पहले साइट की समुचित क्लियरेंस नहीं की गई। मिट्टी भराई के बाद न तो रोलर चलाकर भूमि का समतलीकरण एवं कंपैक्शन किया गया और न ही अन्य आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया अपनाई गई। ऐसे में भविष्य में प्लेटफॉर्म के धंसने या क्षतिग्रस्त होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

निर्माण में प्रयुक्त सीमेंट की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि कम गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग कर लाखों रुपये की सरकारी राशि की बंदरबांट की जा रही है। मामले की जानकारी लेने के लिए जब साइट पर मौजूद कनीय अभियंता से संपर्क किया गया तो उन्होंने किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। स्टेशन प्रबंधक भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता और तकनीकी पहलुओं पर कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं दिखे। वहीं दानापुर रेल मंडल के एडीआरएम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों ने पूरे निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने, प्राक्कलन (एस्टीमेट) के अनुरूप कार्य की जांच करने तथा उपयोग की जा रही सामग्री का गुणवत्ता परीक्षण कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो करोड़ों रुपये की रेलवे परियोजना की गुणवत्ता प्रभावित होगी और इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ेगा। निर्माण स्थल की तस्वीरें कई सवाल खड़े कर रही हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि रेलवे प्रशासन इन आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या पूरे निर्माण कार्य की स्वतंत्र जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करता है या नहीं।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला अधिवक्ता संघ की हुई बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा आशुतोष कुमार झा के मार्गदर्शन में अरविन्द कुमार, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के प्रकोष्ठ में आज दिनांक 28.07.2026 को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नवादा न्यायमंडल के सभी न्यायालयों में लंबित सुलहनीय एवं माप-तौल संबंधी लंबित वादों के अधिक से अधिक सुलह के आधार पर निष्पादन करने के संबंध में चर्चा की गई तथा उनके द्वारा उपस्थित अध्यक्ष एवं महासचिव, जिला अधिवक्ता संघ, नवादा से सहयोग करने का आग्रह किया गया।

इस मौके पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा अरविन्द कुमार के अतिरिक्त अध्यक्ष एवं महासचिव, जिला अधिवक्ता संघ, नवादा तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, स्थायी लोक अदालत, नवादा के सहायक सुशील कुमार उपस्थित हुए।

(2) मध्यस्थता के संबंध में हुई बैठकः राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा श्री आशुतोष कुमार झा के मार्गदर्शन में अरविन्द कुमार, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के प्रकोष्ठ में आज दिनांक 28.07.2026 को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नवादा न्यायमंडल में लंबित वादों के मध्यस्थता के माध्यम से निष्पादन के संबंध में चर्चा की गई तथा उनके द्वारा उपस्थित मध्यस्थगण से मध्यस्थता में सहयोग करने का आग्रह किया गया।

इस मौके पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा अरविन्द कुमार के अतिरिक्त सभी मध्यस्थगण बिपिन कुमार सिंह, विजय कृष्ण, भारत भूषण सिन्हा, मनोज कुमार, दिनेश प्रसाद, रविशंकर, निशा गुप्ता, रजा उस्मानी, डॉ. संजय कुमार मिश्रा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, स्थायी लोक अदालत, नवादा के सहायक सुशील कुमार उपस्थित हुए।

बाल श्रम उन्मूलन हेतु विशेष धावादल का संचालन, एक बाल श्रमिक को नियोजन से कराया गया विमुक्त

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार के निर्देश के आलोक में आज दिनांक 28 जुलाई को नवादा जिला अंतर्गत नवादा प्रखंड में बाल श्रम उन्मूलन हेतु विशेष धावादल का संचालन किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न दुकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य संस्थानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में एक बाल श्रमिक की पहचान कर उसे नियोजन से विमुक्त कराया गया। साथ ही संबंधित नियोजक के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित) के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई। अभियान के दौरान दुकानदारों, प्रतिष्ठानों के संचालकों एवं आमजनों को जागरूक करते हुए बताया गया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी दुकान, प्रतिष्ठान, होटल, ढाबा, कल-कारखाने अथवा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में नियोजित करना पूर्णतः प्रतिबंधित एवं दंडनीय अपराध है। वहीं 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों के नियोजन को अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप विनियमित किया गया है तथा उन्हें जोखिमपूर्ण (Hazardous) कार्यों में नियोजित करना प्रतिबंधित है। श्रम अधीक्षक, नवादा ने कहा कि जिले में बाल श्रम उन्मूलन के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाते रहेंगे। उन्होंने सभी नियोजकों से अपील की कि वे बाल श्रम संबंधी कानूनों का पूर्णतः पालन करें।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर अनुमंडल सभागार में एसडीएम और एसडीपीओ के नेतृत्व में हुई बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को रजौली अनुमंडल सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) स्वतंत्र कुमार सुमन एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) गुलशन कुमार ने की। इस दौरान एलआरडीसी कौशर इमाम, निबंधन पदाधिकारी हीरालाल पाल, कार्यपालक दंडाधिकारी अशोक कुमार जिज्ञासु एवं बीडीओ संजीव झा भी मौजूद रहे।

अनुमंडल सभागार में बैठक करते एसडीएम,एसडीपीओ व अन्य

बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, ध्वजारोहण, परेड तथा अन्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों एवं इंटर विद्यालयों में निर्धारित समय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए तथा कार्यक्रम पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हों।

बैठक के दौरान विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि छात्र-छात्राएं समय पर विद्यालय एवं परेड मैदान में पहुंचें, ताकि परेड और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम निर्धारित समय पर शुरू किए जा सकें। परेड में शामिल होने वाले दलों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव का पर्व है। इसके आयोजन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, ताकि समारोह शांतिपूर्ण, भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

बैठक के अंत में सभी अधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। वहीं आगामी 8 अगस्त को पुनः समीक्षा बैठक की जाएगी। बैठक में जदयू नेता दीपक कुमार मुन्ना, पूर्व मुखिया विनय सिंह, पूर्व प्रधानाध्यापक बाल कृष्ण प्रसाद यादव, पूर्व प्रधानाध्यापक अनिल कुमार, वार्डेन रेखा कुमारी, जदयू नेता संजय कुमार वर्मा पूर्व उप मुखिया शंकर सिंह, पशु चिकित्सक रिशु कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष संजीव रंजन, मो.शफीर उद्दीन, रविंद्र कुमार उर्फ पप्पू,विवेक कुमार निराला एवं शंकर सिंह समेत प्रखंड एवं अनुमंडल स्तर के सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रजौली में 3 करोड़ का गांजा जब्त, गुप्त तहखाने से निकले 280 किलो नशे की खेप

हजारीबाग से पटना जा रही थी तस्करी, पंजाब के 2 तस्कर गिरफ्तार, मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कार्रवाई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित चितरकोली समेकित जांच चौकी पर उत्पाद विभाग ने बड़ी सफलता हासिल की है। उत्पाद बलों ने एक मिनी कंटेनर ट्रक में बने गुप्त तहखाने से 280 किलो गांजा बरामद कर करीब 3 करोड़ रुपए की नशे की खेप को पटना पहुंचने से पहले ही धर दबोचा। इस मामले में पंजाब के 2 तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद अधीक्षक गणेश चंद्रा के निर्देशन और इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में टीम मंगलवार सुबह से ही झारखंड की ओर से आने वाले हर छोटे-बड़े वाहन की सघन जांच कर रही थी। इसी दौरान पंजाब नंबर PB10FF8269 मिनी कंटेनर ट्रक को रोककर जांच की गई।

जब्त गांजा व ट्रक के साथ गिरफ्तार तस्कर के साथ उत्पाद बल एवं मजिस्ट्रेट

गुप्त तहखाने से बरामद हुआ गांजा :- जांच में कंटेनर के पिछले हिस्से में बने गुप्त तहखाने से 27 पैकेट बरामद हुए। प्रत्येक पैकेट में करीब 10.5 किलो गांजा रखा था। कुल 279.87 किलो गांजा जब्त किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 3 करोड़ रुपए से अधिक आंकी जा रही है। मौके पर मजिस्ट्रेट के रूप में अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी मौजूद रहे। उत्पाद बल के एएसआई विश्वजीत कुमार सिंह, एएसआई पंकज कुमार सहित गृहरक्षक जवानों की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

पटना के जीरो माइल ले जानी थी खेप :- गिरफ्तार तस्करों की पहचान पंजाब के लुधियाना, मोतीनगर थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव निवासी राजेंद्र कुमार पिता दयाराम और अरविंद कुमार पिता गुरु प्रसाद के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि गांजे की खेप झारखंड के हजारीबाग से लोड की गई थी और इसे पटना के जीरो माइल में दूसरे तस्कर को डिलीवरी देनी थी। लोकेशन मिलने के बाद माल की डिलीवरी होनी थी, लेकिन रास्ते में ही रजौली उत्पाद बलों ने उन्हें दबोच लिया। उत्पाद अधीक्षक गणेश चंद्रा ने बताया कि जब्त गांजा और कंटेनर ट्रक के साथ गिरफ्तार दोनों तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। तस्करों से पूछताछ कर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

शराबबंदी के बाद बढ़ा नशे का कारोबार :- बिहार में शराबबंदी के बाद सुखा नशा यानी गांजा, अफीम और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी तेजी से बढ़ी है। इसी को देखते हुए चितरकोली जांच चौकी पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। इस बड़ी बरामदगी के बाद इलाके में गांजा माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। उत्पाद विभाग ने स्पष्ट किया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में नशे की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी इसी सख्ती से जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

गयाजी में बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत, गिट्टी लदे हाईवा ने टक्कर के बाद 700 मीटर तक घसीटा

गयाजी। गयाजी में गिट्टी लदे हाईवा ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा कि वो बाराचट्टी का रहने वाला है। हादसे के बाद हाईवा ड्राइवर और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हाईवा ने बाइक को करीब 700 मीटर दूर तक घसीटा। जिसके निशान सड़क पर देखे जा सकते हैं। घटना डोभी थाना क्षेत्र के करमौनी बाजार के पास की है। हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर हाईवा लेकर भागने लगा। घटना की खबर मिलते ही आसपास के लोग अलर्ट हो गए। भाग रहे हाईवा का पीछा किया गया। मगध यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र के जिंदपुर गांव के पास ग्रामीणों ने हाईवा को घेरकर रोक लिया। ग्रामीणों के सहयोग से हाईवा को पकड़ लिया गया। पकड़े गए हाईवा चालक की पहचान अमरेश कुमार के रूप में हुई है। वह गयाजी जिले के इंग्लिश गांव का रहने वाला है। हाईवा में चालक का एक सहयोगी भी मौजूद था। उसका नाम नेपाली बताया जा रहा है, जो जहानाबाद का रहने वाला है। सूचना मिलते ही मगध यूनिवर्सिटी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों को अरेस्ट कर लिया। गाड़ी रांची से गया की ओर जा रही थी।

मगध यूनिवर्सिटी में विशेष शिकायत शिविर, 14 अगस्त तक निपटाए जाएंगे 334 मामले

गयाजी। मगध यूनिवर्सिटी के शिक्षकों और कर्मियों की बरसों पुरानी वेतन और पेंशन संबंधी समस्याओं को सुलझाने के लिए प्रशासन हरकत में आ गया है। बिहार लोकभवन के कड़े निर्देशों के बाद यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय विशेष शिकायत निवारण शिविर की शुरुआत की गई है। बोधगया स्थित यूनिवर्सिटी कैंपस के मनूलाल केंद्रीय पुस्तकालय में इस शिविर का संचालन किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर दिलीप कुमार केसरी की ओर से किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के वित्त पदाधिकारी इंद्र कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। लोकभवन की इस सीधी पहल का उद्देश्य कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंडिंग फाइलों का समयबद्ध और तेजी से समाधान निकालना है। शिविर के पहले दिन ही अपनी समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में कार्यरत और सेवानिवृत्त शिक्षक और कर्मचारी पहुंचे। दिनभर में कुल 334 मामले दर्ज किए गए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्राप्त सभी आवेदनों को कार्रवाई के लिए अलग-अलग श्रेणियों में बांट दिया है। पहले दिन आए मामलों में सबसे अधिक संख्या बकाया वेतन अंतर से जुड़ी रही। कुल 223 आवेदन बकाया वेतन अंतर के प्राप्त हुए। इनमें से 126 मामले शिक्षक वर्ग से हैं, जबकि 97 मामले शिक्षकेतर कर्मचारियों के हैं। इसके अलावा पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ से संबंधित कुल 117 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें 33 सामान्य पेंशन मामले, चौथे फेज के 14 मामले और एसबी सिंह समिति से जुड़े पेंशनधारियों के 70 मामले शामिल हैं। दरअसल, बिहार लोकभवन ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को पूर्व में कड़े निर्देश दिए थे। आदेश में कहा गया है कि कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मियों के वेतन व पेंशन संबंधी मामलों को 20 जुलाई तक मिशन मोड में निपटाया जाए। इसके बावजूद कई कर्मियों की फाइलें पेंडिंग रह गईं। इसी को देखते हुए राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कड़ा संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर ही 27 और 28 जुलाई को विश्वविद्यालय मुख्यालयों में विशेष शिविर आयोजित करने का फैसला किया गया। यह विशेष शिकायत निवारण शिविर मंगलवार को भी जारी रहेगा। जो कर्मचारी या पेंशनभोगी पहले दिन आवेदन जमा नहीं कर पाए हैं, वे आज भी अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। मगध विश्वविद्यालय प्रशासन ने साफ किया है कि प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों में भेजकर उनका वर्गीकरण किया जा रहा है। लोकभवन के स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन 14 अगस्त तक प्राप्त सभी 334 मामलों का अंतिम और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करेगा। इस पहल से वर्षों से दफ्तरों के चक्कर काट रहे सेवानिवृत्त कर्मियों में उम्मीद की नई किरण जगी है।

गया में सिर्फ 2 नालों की सफाई, बाकी नालों में गाद-कचरा भरा, जलजमाव का खतरा

गयाजी। गया में मानसून की बारिश के बीच नगर निगम की नाला सफाई व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। वार्ड संख्या-10 के पार्षद गोपाल कुमार ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर सफाई अभियान में लापरवाही का आरोप लगाया है। पार्षद के अनुसार, वार्ड के सात से आठ प्रमुख नालों में से केवल दो की ही सफाई की गई है। बाकी नाले अभी भी गाद, कचरा और झाड़ियों से भरे हुए हैं। इससे लगातार बारिश होने पर पूरे वार्ड में जलजमाव की आशंका है। गोपाल कुमार ने बताया कि नगर निगम की सूची में केवल दो नालों की सफाई दिखाकर कार्य पूरा होने का दावा किया गया है। हालांकि, उनका कहना है कि अधिकांश नालों की सफाई अभी तक शुरू भी नहीं हुई है। पानी का बहाव पूरी तरह बाधित हो गया कई नालों में महीनों से गाद जमा है, जिससे पानी का बहाव पूरी तरह बाधित हो गया है। इस स्थिति में बारिश का पानी सड़कों और गलियों में फैल सकता है। पार्षद ने नगर आयुक्त को लिखे पत्र में चेतावनी दी है कि यदि लंबित नालों की तत्काल सफाई नहीं की गई, तो वार्ड के कई मोहल्लों में गंभीर जलभराव हो सकता है। उन्होंने कहा कि जलजमाव से लोगों को घरों से निकलने में परेशानी होगी, सड़कें प्रभावित होंगी और गंदा पानी घरों तक पहुंच सकता है। इसके अतिरिक्त, जलभराव से मच्छरों का प्रकोप और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाएगा। पार्षद ने जोर दिया कि बरसात शुरू होने से पहले सभी नालों की सफाई पूरी हो जानी चाहिए थी, ताकि बारिश का पानी सुचारु रूप से निकल सके। नालों की स्थिति जस की तस बनी रहती है वार्ड पार्षद ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि वार्ड संख्या-10 के सभी नालों की युद्धस्तर पर सफाई कराई जाए और इसकी निगरानी भी की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। वार्ड पार्षद के इस आरोप के बाद नगर निगम के सफाई अभियान की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश से पहले नाला सफाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन कई इलाकों में नालों की स्थिति जस की तस बनी रहती है। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश होते ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नगर आयुक्त बोले- कल मैं स्वयं करूंगा निरीक्षण इस पूरे मामले पर नगर आयुक्त डॉ. गगन ने कहा कि उन्हें इस शिकायत की फिलहाल जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि पार्षद द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बुधवार की सुबह वह स्वयं वार्ड संख्या-10 का स्थलीय निरीक्षण करेंगे और नालों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेंगे। यदि निरीक्षण में पार्षद के आरोप सही पाए गए और सफाई कार्य में लापरवाही सामने आई तो संबंधित अधिकारियों और कार्य एजेंसी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी लंबित नालों की सफाई तत्काल कराने का निर्देश भी दिया जाएगा।

गया में पंचायत विकास संवाद: हर पंचायत चुनेगी 1 प्राथमिक योजना, 3 दिन में रिपोर्ट, जमीनी स्तर पर होगी निगरानी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गया में पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को गति देने और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी निगरानी के लिए जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने 'पंचायत विकास संवाद कार्यक्रम' आयोजित किया। सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई इस बैठक में जिले के सभी मुखिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। चयनित योजनाओं का स्थलीय अनुश्रवण किया जाएगा जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायतों के समग्र विकास के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी मुखियाओं को निर्देश दिया कि वे अपनी-अपनी पंचायत में सर्वोच्च प्राथमिकता वाली एक-एक जनकल्याणकारी योजना का चयन कर उसका समेकित प्रतिवेदन जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं।

डीएम ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक अधिकारियों के क्षेत्र भ्रमण के दौरान इन्हीं चयनित योजनाओं का स्थलीय अनुश्रवण किया जाएगा। इसका उद्देश्य योजनाओं की वास्तविक प्रगति का आकलन करना और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना है। स्थानीय मुद्दे शामिल करने के निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने मुखियाओं से अपनी पंचायतों की प्रमुख समस्याओं को सूचीबद्ध कर संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपने को कहा। इन समस्याओं में सड़क, पेयजल, नाली, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सिंचाई, आवास

और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित अन्य स्थानीय मुद्दे शामिल करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान किया जा सके।

जिला स्तर पर समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मुखियाओं से प्राप्त सभी योजनाओं और प्रस्तावों को समेकित कर तीन दिनों के भीतर जिला पंचायत राज कार्यालय, गया को उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि समय पर रिपोर्ट मिलने के बाद जिला स्तर पर समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान, डीएम ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को भी अपने-अपने विभाग से संबंधित लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जोर दिया कि आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं होगी। वास्तविक जरूरतों के अनुरूप योजनाएं तैयार होंगी पंचायत विकास संवाद कार्यक्रम के माध्यम से जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि अब विकास योजनाओं की निगरानी केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर उनकी गुणवत्ता और प्रगति का नियमित मूल्यांकन किया जाएगा।

प्रशासन की इस पहल से पंचायतों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप योजनाएं तैयार होंगी और विकास कार्यों में पारदर्शिता तथा जवाबदेही भी बढ़ेगी। जिला प्रशासन की इस नई पहल को पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के त्वरित समाधान का रास्ता भी मजबूत होगा।

गुरु रविदास की जयंती पर भाजपा का देशव्यापी अभियान, 29 जुलाई से समरसता संकल्प की शुरुआत

दीप महोत्सव-समरसता यात्रा भी निकलेगी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। मंगलवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष विजय कुमार मांझी ने यह जानकारी दी। इस मौके पर उन्होंने समरसता संकल्प अभियान की औपचारिक घोषणा की। यह देशव्यापी अभियान 29 जुलाई से शुरू होकर 20 फरवरी 2027 तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में समरसता, समानता, राष्ट्रीय एकता और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।

संत रविदास जी ने समानता और मानवता की राह दिखाई प्रेस वार्ता के दौरान विजय कुमार मांझी ने संत रविदास जी के विचारों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास किसी एक वर्ग या समाज के नहीं, बल्कि पूरी मानवता के पथप्रदर्शक थे। उनका 'बेगमपुरा' का सिद्धांत एक ऐसे समाज की कल्पना करता है जहां किसी प्रकार का भेदभाव, दुख या अन्याय न हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि फ्रांसीसी क्रांति और अब्राहम लिंकन से भी सदियों पहले संत रविदास जी ने समानता और मानवता की राह दिखाई थी। उनका यही दर्शन आज भाजपा के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र का आधार है। सभी मंदिरों में समरसता दीप महोत्सव मनाया जाएगा अभियान के तहत देशभर में कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा की शाम देश के सभी मंदिरों में समरसता दीप महोत्सव मनाया जाएगा। इसके साथ ही 'कलश वंदन अभियान' भी चलेगा।

इसके तहत संत रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) की पवित्र मिट्टी से भरे कलशों को देश के हर राज्य, जिले, मंडल और गांव तक पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा, 5 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच एक विशाल श्री गुरु रविदास महाराज समरसता यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा डेरा सचखंड बल्लां (जालंधर) से शुरू होकर वाराणसी स्थित सीर गोवर्धनपुर तक जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य देश के कोने-कोने में सामाजिक एकता और समरसता का संदेश फैलाना है। जिलाध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि यह अभियान सिर्फ एक पार्टी का कार्यक्रम न रह कर एक व्यापक जन-आंदोलन बनेगा। प्रेस वार्ता में अभियान के संयोजक विनोद सिंह, जिला महामंत्री अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष प्रमोद चौधरी, सुधांशु मिश्रा, नीमा देवी, देवानंद पासवान और मीडिया प्रभारी रणजीत कुमार सिंह समेत कई पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रावणी मेले का जायजा लेने पहुंची डीएम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। आगामी श्रावणी मेला-2026 के सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मंगलवार को नालंदा की जिलाधिकारी उदिता सिंह ने राजगीर के कुंड क्षेत्र और व्यावहारगिरि पर्वत का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। मेले में आने वाले शिवभक्तों को कोई परेशानी न हो, इसका ग्राउंड जीरो पर जायजा लेने के लिए डीएम स्वयं 533 सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ पर पहुंचीं और प्रशासनिक अधिकारियों को कई सख्त व अहम निर्देश दिए।

सुरक्षा, मेडिकल और प्रकाश व्यवस्था पर जोर: निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्पष्ट किया कि मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने पूरे मार्ग में समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। भीड़ प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेले में पब्लिक एड्रेस सिस्टम, कंट्रोल रूम, पर्याप्त मेडिकल टीम और आवश्यकता पड़ने पर 'आपदा मित्रों' की तैनाती की जाएगी।

अतिक्रमण हटेगा, बनेगी पार्किंग: जरासंध अखाड़ा क्षेत्र और वहां से दिखने वाले विहंगम दृश्य का अवलोकन करते हुए डीएम ने कड़े निर्देश दिए कि मंदिर परिसर के आसपास से अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि का उपयोग श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास में किया जाएगा, ताकि बाहर से आने वाले पर्यटकों को एक बेहतर अनुभव मिल सके।

सिद्धनाथ मंदिर में की पूजा, जल संरक्षण पर बड़ा फैसला: पहाड़ की चढ़ाई के दौरान डीएम उदिता सिंह ने ऐतिहासिक सिद्धनाथ मंदिर का दर्शन किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना महाभारत काल में मगध सम्राट जरासंध ने कराई थी। इसके बाद डीएम ने व्यावहारगिरि पर्वत स्थित बेलवेदार वर्षा जल संचयन क्षेत्र का निरीक्षण किया। जल संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए उन्होंने वन विभाग को जलाशय को लगभग 6 फीट और गहरा करने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही, डीएफओ के साथ चर्चा करते हुए डीएम ने वेणुवन मॉडल की तर्ज पर निजी और सरकारी बोरवेलों को 'ग्राउंड वाटर रिचार्ज एक्विफर' के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा है, ताकि इलाके के भू-जल स्तर में वृद्धि हो सके।

पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं: निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने विपुलगिरि, स्वर्णगिरि, रत्नागिरि पर्वत श्रृंखलाओं और बिम्बिसार ट्रैकिंग ट्रैक के ऐतिहासिक व पर्यटन महत्व की जानकारी ली। इसके अलावा, पहाड़ से राजगीर स्टेडियम, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और स्पोर्ट्स अकादमी जैसे विकसित हो रहे स्थलों का भी जायजा लिया तथा वहां की वनस्पतियों व वन्य जीवों (के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर नालंदा के पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, राजगीर एसडीओ, जिला नियोजन पदाधिकारी, वन विभाग के अधिकारी सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने श्रावणी मेले के सफल आयोजन को लेकर प्रशासन को अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

गया को रेलवे डिवीजन बनाने को लेकर प्रदर्शन, 5 शहरों के लिए सीधी ट्रेन

पुराना किराया बहाल और रिंग बस सेवा की उठी मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गया रेलवे जंक्शन परिसर में कांग्रेस पार्टी के बैनर तले एक धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य गया जंक्शन को अलग रेलवे डिवीजन बनाना था। इसके अलावा वर्षों से लंबित कई अन्य मांगों को भी प्रमुखता से उठाया गया। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता गया जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रजनीश कुमार झुंना ने की। धरने में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया।

रेलवे डिवीजन का दर्जा मिलना जरूरी धरना प्रदर्शन के दौरान बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू ने कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि गया एक अति प्राचीन और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शहर है। विश्व पर्यटन मानचित्र पर इसका विशेष स्थान है। यह पूर्व-मध्य रेलवे का एक प्रमुख स्टेशन है और इसे वर्ल्ड क्लास जंक्शन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसलिए इसे रेलवे डिवीजन का दर्जा मिलना जरूरी है। सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने की भी मांग नेताओं ने गया से कई प्रमुख शहरों के

लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने की भी मांग की। इनमें मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद और पुरी जैसे शहर शामिल हैं। इसके साथ ही कोरोना काल से पहले वरिष्ठ नागरिकों, पत्रकारों और खिलाड़ियों को रेलवे टिकट में मिलने वाली छूट को फिर से शुरू करने की मांग की गई। धरने में गया टाउनशिप क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया गया। गया जिले की कई प्रमुख सड़कों पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज बनाने की मांग भी रखी गई। नेताओं ने ऑटो और टोटो चालकों से 25 रुपए ठेकेदारी वसूलने का भी विरोध किया। गया जंक्शन की खाली जमीन पर मॉल और व्यावसायिक केंद्र विकसित करने का सुझाव दिया गया।

पुराना पैसेंजर किराया लागू किया जाना चाहिए कांग्रेस नेताओं ने पैसेंजर ट्रेनों के किराए पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल से पैसेंजर ट्रेनों के नाम में 'स्पेशल' जोड़कर एक्सप्रेस का किराया लिया जा रहा है। इस व्यवस्था को तुरंत समाप्त कर पुराना पैसेंजर किराया लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा गया से पटना के लिए रात 8 से 9 बजे के बीच एक नई पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग की गई। साथ ही गया जंक्शन से बोधगया, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय और आईआईएम के लिए 24 घंटे रिंग बस सेवा शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया। दक्षिण बिहार के लोगों में गहरा आक्रोश व निराशा नेताओं ने कहा कि इन मांगों के पूरा न होने से मध्य और दक्षिण बिहार के लोगों में गहरा आक्रोश व निराशा है। प्रदर्शन के तहत कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने गया जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक से मुलाकात की। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा और कार्रवाई की मांग की।

10000 साल पुराने मंदिर में प्रशांत किशोर के लिए विजय-यज्ञ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार का शोर थमने और वोटिंग से 2 दिन पहले प्रशांत किशोर के लिए गयाजी के मंगलागौरी मंदिर में विशेष 'विजय यज्ञ' पूजा की गई। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत और बिहार में बदलाव की कामना के लिए मंगलवार को विशेष हवन, यज्ञ और पूजा-अर्चना की गई। 'विजय यज्ञ' कराने वाले मंदिर के पुजारी गिरि बाबा ने बताया कि मां मंगलागौरी शक्तिपीठ में इस विशेष पूजा से प्रशांत किशोर के विजय की कामना की गई। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में इस प्रकार का विजय यज्ञ किसी व्यक्ति या समाज के कल्याण, बाधाओं की शांति, मनोकामना सिद्धि और कार्य में सफलता की प्रार्थना के लिए किया जाता है।

पूजा में प्रशांत किशोर के लिए बैठे गयाजी जन सुराज के चीफ रवि रंजन ने मां मंगलागौरी से उनकी भारी मतों से जीत और बिहार में नई राजनीतिक शुरुआत की प्रार्थना की। हवन-पूजन के बाद मीडिया से बात करते हुए रवि रंजन ने कहा कि प्रशांत किशोर अपने व्यक्तिगत राजनीतिक भविष्य के लिए नहीं, बल्कि बिहार में व्यवस्था परिवर्तन और जनता के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली, लगातार हो रहे पेपर लीक, भ्रष्टाचार, शोषण और कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों पर प्रशांत किशोर सबसे मजबूती से आवाज उठा रहे हैं। इसलिए जनता इस बार बदलाव के पक्ष में खड़ी दिखाई दे रही है।

'बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत तय': जिलाध्यक्ष रवि रंजन ने दावा किया कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत तय है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने मां मंगलागौरी के दरबार में हवन और यज्ञ कर यह प्रार्थना की है कि प्रशांत किशोर केवल चुनाव न जीतें, बल्कि भारी बहुमत से विजय हासिल करें, ताकि बिहार की राजनीति में सकारात्मक बदलाव का नया अध्याय शुरू हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि मां से प्रदेश के सभी नेताओं को सद्बुद्धि देने की भी प्रार्थना की गई है, ताकि राजनीति जनसेवा का माध्यम बने। रवि रंजन ने कहा

कि बिहार की जनता अब पहले से अधिक जागरूक हो चुकी है और वह विकास तथा मुद्दों की राजनीति चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि कोई राजनीतिक दल आज भी जनता के बीच रहकर सड़क से लेकर गांव तक उनकी समस्याओं को उठा रहा है, तो वह जन सुराज और उसके संस्थापक प्रशांत किशोर हैं।

'पार्टी हार से घबराने वाली नहीं है, बल्कि हर चुनौती से सीख लेकर आगे बढ़ रही': जिला अध्यक्ष रवि रंजन ने कहा कि पार्टी हार से घबराने वाली नहीं है, बल्कि हर चुनौती से सीख लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में जन सुराज का जनाधार और मजबूत होगा और साल 2029 के बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। जन सुराज की महिला मुख्य प्रवक्ता अनुराधा कुमारी ने कहा कि मां मंगलागौरी की पावन धरती से उन्होंने प्रशांत किशोर की विजय और बिहार में समृद्धि व विकास की कामना की है। उन्होंने कहा कि जनता बदलाव चाहती है और उसे विश्वास है कि यह बदलाव जन सुराज के माध्यम से आएगा। वहीं, महिला जिला अध्यक्ष संजिता चौहान ने कहा कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव सिर्फ एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का चुनाव है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं और इस बार बांकीपुर की जनता उन्हें भारी समर्थन देकर नई राजनीति की शुरुआत करेगी। उन्होंने कहा कि मां मंगलागौरी के आशीर्वाद से जन सुराज को ऐतिहासिक सफलता मिलेगी और बिहार में बदलाव की नई इबारत लिखी जाएगी।

गयाजी की मां मंगलागौरी मंदिर का इतिहास: यह मंदिर घनी आबादी के बीच भस्मकूट पर्वत पर स्थित है। यह मंदिर करीब 10 हजार साल पूर्व का माना जाता है। साथ ही यह भी मान्यता है कि माता सती का एक अंग यहां भी गिरा था। मान्यता है कि गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र ने भी यहां साधना की है। मंदिर में प्राचीन काल से माता की ज्योत जल रही है, जो आज भी प्रज्ज्वलित है।

मंदिर परिसर में एक मौल श्री का वृक्ष है, जो कितना पुराना है, इसका कोई प्रमाण नहीं है। लोग इस पेड़ को काफी दिनों से देख रहे हैं। खास बात ये है कि इस वृक्ष पर पतझड़ का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। मंदिर के पुजारी के मुताबिक, मां मंगला गौरी का वर्णन विभिन्न पुराणों में है। मां मंगला गौरी मंदिर का इतिहास हजारों साल पुराना है। यहां के पुजारियों की मानें तो देश भर में माता सती के अंग विभिन्न पर्वतों पर गिरे थे। उस 108 अंग में से एक अंग यहां भी गिरा था, जो कि पालन पीठ के रूप में है। इसलिए यह माना जाता है कि यहां माता अपने भक्तों का पालन करती हैं। पुजारियों की मानें तो 10 हजार साल पूर्व इस मंदिर का निर्माण दंडी स्वामी ने कराया था। उन्होंने माता के गर्भ गृह में अपनी साधना से अखंड ज्योत जलाई थी, जो तब से लेकर अब तक प्रज्ज्वलित है। यहां सच्चे मन से आने वाले भक्तों की हर मन्नतें पूरी होती है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री आवास योजना लाभुकों के घर का बीडीओ ने किया जांच

राजपुर- प्रखंड अंतर्गत प्रधान मंत्री आवास योजना लाभुकों के निर्माणाधीन घरों का बीडीओ प्रवीण कुमार ने जांच की.बीडीओ ने बताया कि बरना पंचायत के पकड़, सबेया एवं बरना गांव में आवास योजना का दुसरा किस्त प्राप्त कर चुके लाभुकों के घर निर्माण कार्य का जांच किया गया.इन तीनों गांव में छः लाभुकों द्वारा दुसरा किस्त लिये छः माह से अधिक समय बीत गया है.बावजूद भी लाभुकों ने उक्त राशि का उपयोग नहीं किया है. घर का निर्माण कार्य को रोक रखा है. मामले में इन लोगों के विरूद्ध कारवाई के लिए जिला को लिखा जायेगा.

उत्क्रमित मध्य विद्यालय गुठैली में पहुंच पथ नहीं रहने से शिक्षक एवं छात्रों को हो रही है परेशानी

कटिहार। जिले के आजमनगर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय गुठैली के छात्र-छात्राएं स्कूल ड्रेस में नियमित रूप से विद्यालय आते हैं। छात्र- छात्राओं अनुशासित ढंग में रहकर पठन-पाठन करते हैं। विद्यालय में योग्य शिक्षकों के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने से छात्र-छात्राओं की पठन-पाठन में रुचि बढ़ती जा रही हैं। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार राय के द्वारा विद्यालय का गुणात्मक विकास के साथ-साथ छात्र-छात्राओं का पठन-पाठन पर विशेष ध्यान रहते हैं। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार राय विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ अच्छा संबंध रखते हुए विद्यालय की विधि व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग लिया करते हैं।उत्क्रमित मध्य विद्यालय गुठैली में वर्ग एक से आठ तक की पढ़ाई होती है।प्रधानाध्यापक कुशल व्यवहार के साथ साथ कुशल प्रशासक भी हैं। विद्यालय में वर्तमान में नामांकित 109 छात्र- छात्राएँ अध्यनरत है। सभी छात्र-छात्राएं काफी अनुशासित ढंग से विद्यालय आते हैं और विद्यालय में समय सारणी का पालन करते हुए पठन-पाठन करने में काफी अभिरुचि लेते हैं। इसका श्रेय प्रधानाध्यापक से लेकर विद्यालय में पदस्थापित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को जाता है। इस विद्यालय में सभी शिक्षक- शिक्षिकाएं विद्यालय के सर्वांगीण विकास से लेकर पठन-पाठन तक को दुरुस्त करने में प्रधानाध्यापक को काफी सहयोग कर रहे हैं। इस विद्यालय में पठन-पाठन सुचारू ढंग से किया जाता है। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार राय ने बताया कि विद्यालय का शैक्षणिक कार्य पुरी निष्ठा के साथ किया जा रहा है। विद्यालय में सभी शिक्षक समय पर उपस्थित होकर विद्यालय में पठन पाठन का कार्य करते है। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार राय ने बताया कि विद्यालय में कार्यरत शिक्षक जयदेव साह,कुसुम कुमारी,आशा देवी,अंसरी खातून,मौमिता पात्रा,मो0जिसान अली पठन-पाठन का कार्य में बेहतरीन ढंग से करते हैं। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार राय ने कहा कि विधालय को प्राप्त मात्र 18 डीसमल जमीन पर चार कमरे का भवन है। प्रधानाध्यापक ने कहा कि विधालय में नामांकित छात्रों की संख्या वर्ग 1 में 9, वर्ग 2 में 8, वर्ग 3 में 13,वर्ग 4 में 10, वर्ग 5 में 10,वर्ग 6 में 14, वर्ग 7 में 26,वर्ग 8 में 19, टोटल 109 छात्र-छात्राओं का नामांकन विद्यालय में है। प्रधानाध्यापक ने कहा कि सभी छात्र - छात्राओं को पाठ्य पुस्तक वितरण कर दिया गया है। वर्ग 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं के बीच बैग,पीने का पानी का बोतल एवं एफ.एल.एन कीट का वितरण भी किया गया। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार राय ने कहा कि विद्यालय में हर वर्ग कक्ष का ब्लैक बोर्ड का काली करण किया गया है। प्रधानाध्यापक के द्वारा साफ सफाई का पूरा ध्यान रखते हैं। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार राय कहते हैं कि विद्यालय में बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था हो जाए तो छात्रों को काफी सुविधा मिलेगा। विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए पेयजल हेतु आर.ई.ओ तथा समरसेबल हो जाए,मुख्य सड़क से विद्यालय आने-जाने के लिए पहुंच पथ हो जाए, तो छात्रों को काफी सुविधा मिलेगा। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार राय कहते हैं कि विद्यालय परिसर में दो कमरा अति जर्जर हो गया है।दोनों कमरे का जीर्णोद्धार करने की आवश्यकता है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए और शौचालय एवं चापाकल की आवश्यकता है। विद्यालय में समरसेबल की व्यवस्था हो जाने से छात्र-छात्राओं को और भी लाभ मिलता।

डीआरएम ने 51 रेलकर्मियों को रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया

कटिहार। मंडल रेल प्रबन्धक कटिहार द्वारा वर्ष 2025 में उत्कृष्कार्य हेतु 51 रेलकर्मियों को रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसमें मंडल रेल प्रबन्धक कटिहार के निज सुरक्षा कर्मी रेलवे सुरक्षा बल के जवान राजेंद्र कुमार को भी रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर रेल प्रबन्धक मनोज कुमार सिंह एवं वरिष्ठ मंडल रेल कार्मिक अधिकारी एवं सभी विभागों के अधिकारी एवं महिला समिति अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित थे ! राजेंद्र कुमार एवं अन्य रेलकर्मचारी बंधुओं को रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर स्काउट गाइड फेलोशिप के मंडल सचिव गणेश ठाकुर ने हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम का फल हमेश मीठा होता है। इस कार्य के लिए रेल प्रशासन का भी बहुत बहुत आभार। अरुण पंडित,बलराम कुमार,सुधांशु कुमार,संजय कुमार आदि ने श्री कुमार को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है।

यात्रियों की मांग को देखते हुए कटिहार-अमृतसर-कटिहार स्पेशल ट्रेन सेवाएं पांच अतिरिक्त फेरों के लिए बढ़ी

कटिहार। यात्रियों की निरंतर बढ़ती मांग को पूरा करने, सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने और अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने ट्रेन संख्या 05736/05735 कटिहार -अमृतसर -कटिहार स्पेशल ट्रेन की सेवाओं को दोनों दिशाओं में पांच अतिरिक्त फेरों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि यह ट्रेन अपने मौजूदा संयोजन, समय-सारणी, ठहराव और अनुरक्षण सूची के साथ चलती रहेगी, जिससे बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और मार्ग में पड़ने वाले अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी बरकरार रहेगी। 5 अगस्त से 2 सितंबर, 2026 तक ट्रेन संख्या 05736 (कटिहार-अमृतसर) स्पेशल, प्रति बुधवार को 21:00 बजे कटिहार से रवाना होगी, जबकि 7 अगस्त से 4 सितंबर, 2026 तक ट्रेन संख्या 05735 (अमृतसर-कटिहार) स्पेशल, प्रति शुक्रवार को 13:25 बजे अमृतसर से रवाना होकर अपने संबंधित गंतव्य तक पहुंचेगी। आवश्यकता पड़ने पर स्पेशल ट्रेन सेवाएं शुरू करने और उसके फेरों की वृद्धि कर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए एनएफआर प्रतिबद्ध है। ऐसी पहल न केवल नियमित ट्रेनों पर भीड़-भाड़ कम करने में मदद करती हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र में यात्रियों के लिए आसान, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा भी सुनिश्चित करती हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले आईआरसीटीसी और एनटीईएस वेबसाइट या एनएफआर के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर विस्तृत समय-सारणी और ठहरावों की जांच कर लें।

निर्वाचन साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, डीडीसी ने किया उद्घाटन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नोखा। गढ़नोखा सरस्वती विद्या निकेतन उच्च विद्यालय परिसर में मंगलवार को निर्वाचन साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त,रोहतास विजय कुमार पांडे ,बीडीओ शेफाली मॉडल स्कूल के प्रभारी एचएम विष्णु शंकर,श्री बुधन चौ.स्मारक उ. वि .के प्रभारी एचएम रोहित कुमार,एवं सिटी मैनेजर प्रवीण ओझा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त विजय कुमार पांडेय ने निर्वाचन साक्षरता एवं मतदान के महत्व को समझाते हुए छात्रों के साथ एक रोचक गेम भी खेला। वहीं बीडीओ शेफाली ने निर्वाचन से संबंधी कई जानकारियां दीं ।बीडीओ ने इसके लिए छात्रों को खुद जागरूक होने एवं निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से औरों को भी जागरूक करने की बात कही।

निर्वाचन साक्षरता को लेकर घोरडीहा उच्च विद्यालय के शिक्षक अरविंद कुमार,विपिन बिहारी एवं मास्टर ट्रेनर अरविंद कुमार सिंह ने भी छात्रों को संबोधित किया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ शेफाली एवं संचालन शिक्षक ददन सिंह ने किया।मौके पर कई गणमान्य नागरिक ,शिक्षक एवं छात्र छात्राएं मौजूद थे। निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित गढ़ नोखा मॉडल स्कूल परिसर में आयोजित निर्वाचन साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम में निर्वाचन साक्षरता क्लब का औचित्य एवं महत्व तथा मतदाता जागरूकता अभियान एवं मतदाता प्रक्रिया विषय पर निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.जिसमें गढ़ नोखा मॉडल स्कूल,सर्वोदय उच्च विद्यालय,श्री बुधन चौधरी स्मारक उच्च विद्यालय,उच्च विद्यालय, घोरडीहा सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राएं शामिल हुए. निबंध में नंदनी,सीता एवं कंचन कुमारी एवं पेंटिंग में शालिनी,मेनका एवं सलोनी को प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया. चयनित छात्राओं को बीडीओ शेफाली ने मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया.

40 लीटर महुआ शराब और मोटरसाइकिल सहित दो धंधेबाज गिरफ्तार

♦ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र अंतर्गत वेरकप गांव के समीप मुख्य सड़क पर छापेमारी एवं कार्रवाई की गई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

डिहरी (रोहतास)। जिले के दरिहट थाना क्षेत्र से है जहां दरिहट थाने की पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए महुआ शराब और मोटरसाइकिल सहित दो शराब धंधेबाजो को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दरिहट थाना अध्यक्ष रवि रंजन प्रियदर्शी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र अंतर्गत वेरकप गांव के समीप मुख्य सड़क पर छापेमारी एवं कार्रवाई की गई इस दौरान हीरो स्प्लेंडर प्लस दोपहिया वाहन (BR24A M4294) पर सवार रतन कुमार पिता अशोक कुमार और बीरेंद्र यादव पिता रंजन सिंह दोनों हुरका नन्द टोला के रहने वाले के पास से 40 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद किया गया।महुआ शराब और मोटरसाइकिल सहित दोनों शराब धंधेबाजों को थाना लाया गया है। इस संबंध में कांड दर्ज कर अग्रसर कार्रवाई की जा रही है।

महिला महाविद्यालय में इंडक्शन संवाद आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज/ रोहतास। इन्दु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज रोहतास में नई शिक्षा निति 2020 के तहत सेमेस्टर 1 सत्र 2024-30 के कला, विज्ञान , वाणिज्य एवं मानविकी संकाय नव नामांकित छात्राओं का स्वागत एवं इंडक्शन क्लास आयोजित किया गया जिसमें शिक्षक - छात्र संवाद किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ बिनोद कुमार सिंह प्रधानाचार्य ने किया मंच संचालन डॉ मनोज कुमार सिंह ने किया मुख्य वक्ता डॉ उपेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ पुष्पा राणा, प्रो इंदल सिंह,डॉ पुष्पा सिंह, डॉ शान्ति प्रकाश, डॉ चितरंजन, डॉ निरजा सिंह, साधना कुमारी, डॉ हरेंद्र सिंह, डॉ राना संतोष, दिवाकर पांडेय, प्रो राकेश कुमार,सरस किशोर सिंह एवं डॉ फिरोज खान ने व्याख्यान देते हुए नई शिक्षा नीति के गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय सम्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य डॉ बिनोद कुमार ने बताया कि आप सभी ने अपने अध्ययन के लिए इन्दु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज का चयन किया इस के लिए आप सभी को धन्यवाद इस महिला महाविद्यालय के गरिमामय इतिहास को बरकरार रखने में सहायक प्राध्यापक गागर में सागर भरने का प्रयास करेंगे। यहां नियमित रूप से सभी विषयों का क्लास प्रतिदिन सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ककच्छाएं आयोजित हो रही है जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है। जो छात्राएं 75% से कम उपस्थिति दर्ज होने पर परीक्षा में शामिल नहीं हो सकती है। नई शिक्षा नीति में कौशल विकास पर अत्यधिक महत्व दिया गया है हर सेमेस्टर में रोजगार परख एवं कौशल विकास पर जोर दिया गया है। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन डॉ रवीन्द्र कुमार ने महिला महाविद्यालय के अनुशासन एवं छात्राओं के शानदार उपस्थिति के लिए छात्राओं एवं शिक्षकों को धन्यवाद दिया और छात्राओं को प्रतिदिन सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ककच्छाएं में उपस्थित होकर शिक्षा ग्रहण करने को प्रेरित किया।

अनुमंडल में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार पहल की जा रही पहल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज/रोहतास। अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार के नेतृत्व में बिक्रमगंज अनुमंडल में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार पहल की जा रही है । आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान,जनहित से जुड़े मामलों में सक्रियता तथा क्षेत्र में बेहतर विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अनुमंडल प्रशासन द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है ।इसी क्रम में तेंदुनी चौक स्थित आरा रोड के डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या कुमारी प्रिया ने अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की ।

इस अवसर पर प्राचार्या ने अंगवस्त्र एवं बुके भेंटकर उन्हें सम्मानित किया तथा शुभकामनाएं एवं बधाई दी । प्राचार्या कुमारी प्रिया ने कहा कि अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार के कुशल नेतृत्व में प्रशासन आमजनों की समस्याओं के समाधान एवं क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है । उन्होंने कहा कि जनहित के मामलों में प्रशासन की सक्रियता एवं संवेदनशीलता सराहनीय है । उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में बिक्रमगंज अनुमंडल विकास, सुशासन एवं जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ेगा । इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या कुमारी प्रिया द्वारा व्यक्त किए गए सम्मान एवं शुभकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के निर्माण और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है । शिक्षण संस्थानों एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है । मौके पर साथ में विद्यालय के प्राध्यापक आलोक रंजन पांडेय एवं दीपक कुमार उपस्थित रहे ।

अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों (BCO) के साथ सीएमआर (CMR) आपूर्ति हेतु समीक्षा बैठक की गई आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज / रोहतास ।अनुमंडल पदाधिकारी बिक्रमगंज की अध्यक्षता में अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों (BCO) के साथ सीएमआर (CMR) आपूर्ति हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया कि खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के अंतर्गत सीएमआर (Custom Milled Rice) आपूर्ति की अंतिम तिथि 31.07.2026 निर्धारित है। सभी प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार अंतर्गत संचालित पैक्सों की सीएमआर आपूर्ति की प्रतिदिन समीक्षा करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित कराएं।

अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि जिन पैक्सों द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि तक सीएमआर की आपूर्ति नहीं की जाएगी, उनके अध्यक्ष/संचालकों के विरुद्ध प्रचलित नियमों एवं अधिनियमों के तहत प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आवश्यक विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, संबंधित प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता न बरती जाए।

बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन किया जाए तथा पैक्स स्तर पर उपलब्ध सीएमआर से संबंधित अभिलेखों का नियमित सत्यापन किया जाए।

सीएमआर आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। अनुमंडल पदाधिकारी, बिक्रमगंज ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा एवं सरकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन हेतु प्रशासन पूर्णतः प्रतिबद्ध है। अतः सभी संबंधित पदाधिकारी निर्धारित समय-सीमा का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ करें।

संझौली में बिजली चोरी पर विभाग का बड़ा प्रहार

छह लोगों पर प्राथमिकी व आर्थिक दंड

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

संझौली /रोहतास। विद्युत विभाग द्वारा बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं राजस्व वसूली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संझौली प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। कनीय विद्युत अभियंता संझौली एवं तकनीकी कर्मियों की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान विभिन्न स्थानों पर छह लोगों को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा। जांच के दौरान मीटर बाईपास कर बिजली चोरी मामले मे सिअरुआं निवासी अनिल पाल पिता-मंगरू पाल पर 31672, प्रमिला देवी पति-जसवंत सिंह पर 35135, राजेंद्र पाल पिता-राम नरेश भगत पर 20538, तेंदुआ के विनोद राम पिता-राम बचन राम पर 114942 का जुर्माना लगाया गया। वहीं बिना वैध कनेक्शन बिजली चोरी करते पाए जाने पर सिअरुआं के हीं बाबूराम सिंह पिता-राम सुगन सिंह पर 3289, तेंदुआ निवासी केश्वर सिंह पिता-राम निहोरा सिंह पर 19979 का दंड अधिरोपित किया गया। उक्त व्यक्तियों के परिसर मे मीटर भी अधिष्ठापित नहीं था तथा अवैध रूप से तार संयोजित कर विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी। उक्त सभी मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। कनीय विद्युत अभियंता संझौली प्रमुदित रक्त पटेल ने बताया कि बिजली चोरी से विभाग को भारी राजस्व हानि होती है तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होती है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से वैध विद्युत कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करने, समय पर बिजली बिल का भुगतान करने तथा जिन व्यक्तियों ने अब तक विद्युत कनेक्शन नहीं लिया है, उनसे 'सुविधा बिहार' ऐप के माध्यम से नए कनेक्शन हेतु आवेदन कर विभागीय मीटर स्थापित होने के बाद ही बिजली का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी एक दंडनीय अपराध है और इसके विरुद्ध विभाग का विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

येफएलएन के तहत पीएम श्री विद्यालय मे प्रधानशिक्षकों की हुई बैठक

कोचस (रोहतास) कोचस प्रखंड मुख्यालय स्थित पीएम श्री हाई स्कूल, के प्रांगण में आज एक दिवसीय उन्मुखीकरण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य कक्षा 4 से 8 तक के छात्र-छात्राओं की भाषा एवं गणितीय दक्षता का आकलन कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना था।बैठक में शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि विद्यार्थियों की भाषा दक्षता के अंतर्गत अक्षर, शब्द, अनुच्छेद एवं कहानी पढ़ने की क्षमता तथा गणित के अंतर्गत जोड़, घटाव, गुणा एवं भाग की जांच की जाए। इस मूल्यांकन की रिपोर्ट तैयार कर 31 जुलाई तक प्रखंड संसाधन केंद्र में जमा करनी है।इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुरभि कुमारी ने सभी प्रधानाध्यापकों एवं प्रधान शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि मूल्यांकन कार्य पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ किया जाए, ताकि प्रत्येक बच्चे की वास्तविक सीखने की स्थिति का आकलन हो सके और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी. (डी.सी.ई.सी.ई.)-2026/11 दिनांक- 28.07.2026

डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026

पारा मेडिकल (इंटरमीडिएट स्तरीय) [PM] / पारा मेडिकल (माध्यमिक स्तरीय) [PMM]

Online Counselling कार्यक्रम से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.सी.ई.सी.ई.)-2026/06 दिनांक- 11.06.2026 के क्रम में DCECE (PM / PMM)-2026 के आधार पर बिहार सरकार के विभिन्न सरकारी अस्पतालों एवं अन्य मान्यता प्राप्त सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों के विभिन्न पारा मेडिकल (इंटरमीडिएट स्तरीय) [PM] तथा पारा मेडिकल (माध्यमिक स्तरीय)[PMM] पाठयक्रमों की रिक्त सीटों पर Online Counselling हेतु DCECE (PM / PMM)-2026 में सम्मिलित सभी पात्रता-प्राप्त अभ्यर्थियों / अभिभावकों / सम्बन्धित संस्थानों को सूचित किया जाता है कि **Online Choice Filling / Counselling कार्यक्रम की पूर्ण विवरणी, Choice filling की विधि आदि पर्षद के वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर विज्ञापन संख्या-BCECEB(DCECE)-2026/10 दिनांक 28.07.2026** द्वारा उपलब्ध करायी गयी है। Choice Filling की प्रक्रिया दिनांक 30.07.2026 से प्रारम्भ होगा।

उक्त निदेश के अनुसार संस्थान एवं पाठ्यक्रम का **Choice of Preference of Colleges / Course भरें**। अगर कोई अभ्यर्थी 1st Round में अपना Choice Filling नहीं करते हैं तो वैसे अभ्यर्थी को दुबारा Choice Filling का मौका नहीं दिया जायेगा।

परीक्षा नियंत्रक

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

प्रखंड प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ता, पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ को सौंपा आवेदन

अररिया। फारबिसगंज प्रखंड प्रमुख ओमप्रकाश पासवान के खिलाफ पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव लाते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन सौंपा है। पूर्व प्रखंड प्रमुख सुरेश पासवान के नेतृत्व में करीब दो दर्जन पंचायत समिति सदस्य प्रखंड कार्यालय पहुंचे और अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित आवेदन जमा किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला पंचायत समिति सदस्य भी मौजूद रहीं। पूर्व प्रखंड प्रमुख सुरेश पासवान ने आरोप लगाया कि वर्तमान प्रखंड प्रमुख के कार्यकाल में प्रखंड क्षेत्र में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों की लगातार अनदेखी की गई है, जिससे पंचायत समिति सदस्यों में असंतोष व्याप्त है। पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ से अविश्वास प्रस्ताव पर नियमानुसार शीघ्र विशेष बैठक बुलाने की मांग की, ताकि मामले पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत निर्णय लिया जा सके। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन प्राप्त हो गया है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुलाकाती परिसर में मुलाकात से न्याय तक नामक लीगल एड क्लिनिक का उद्घाटन

अररिया। अररिया जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मंडल कारा के मुलाकाती परिसर में मुलाकात से न्याय तक नामक लीगल एड क्लिनिक का शुभारम्भ किया गया। इस क्लिनिक का उद्देश्य कैदियों से मिलने आने वाले परिजनों और अन्य व्यक्तियों को तत्काल विधिक सहायता उपलब्ध कराना है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गंजन पाण्डे ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रोहित श्रीवास्तव और कारा अधीक्षक सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गंजन पाण्डे ने बताया कि इस क्लिनिक का मुख्य उद्देश्य समाज के अधिक से अधिक लोगों तक विधिक सेवा प्राधिकार की योजनाओं और सुविधाओं को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि बंदियों से मुलाकात करने आने वाले लोग इस क्लिनिक के माध्यम से उचित विधिक सलाह और सहायता प्राप्त कर सकेंगे, जिससे न्याय तक पहुंच आसान बनेगी। क्लिनिक के उद्घाटन के बाद जिला जज गंजन पाण्डे ने होम एवं चाइल्ड एडॉप्शन होम का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों की देखभाल, गोद लेने की प्रक्रिया और कानूनी सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया।

जिला कराटे एसोसिएशन का एकदिवसीय कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का आयोजन

अररिया। फारबिसगंज के थाना मध्य विद्यालय परिसर में मंगलवार को जिला कराटे एसोसिएशन का एकदिवसीय कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का आयोजन हुआ।परीक्षा का आयोजन बिहार स्टेट चीफ ऑफ टीएमएए-एसकेएआई एवं सह सचिव जिला कराटे एसोसिएशन के रेन्शी शमसाद अंसारी के नेतृत्व में हुआ,जिसमें कुल 45 छात्र एवं छात्राओं ने कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में भाग लिया तथा उत्तम प्रदर्शन कर बेल्ट परीक्षा में सफलता हासिल किया। परीक्षा में आर्यन,शायन,नन्दी,हेमलता कुमारी,स्वीटी कुमारी,नैना कुमारी,शुभ प्रिया,प्रिंस कुमार, ऋतिक कुमार,सूरज कुमार, शाहिल अंसारी,प्रियांशु कुमार,नौमान दानिश,शिल्पी रॉय,भूपेश कुमार आदि ने भाग लिया।वहीं प्रशिक्षक के रूप में ब्लैक बेल्ट होल्डर सैसई मेराज अंसारी और नूर हसन के द्वारा सभी बच्चों को शारीरिक और मानसिक मजबूती को जांच की गई।परीक्षा के पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अगले बेल्ट में प्रमोशन दिया गया।

जनता दरबार में 36 आवेदन, समय पर निपटारे का डीएम ने दिया आदेश

बेगूसराय। सबका सम्मान, जीवन आसान अभियान के तहत सोमवार को डीएम श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जनता दरबार हुआ। जिले के अलग-अलग प्रखंडों और शहरी इलाकों से आए लोगों ने निजी और जनहित की समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन दिए। जनता दरबार में कुल 36 आवेदन मिले। इनमें भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, सीमांकन, अतिक्रमण, राजस्व प्रशासन से जुड़े मामले रहे। अलग-अलग विभागों से जुड़ी शिकायतें भी आईं। डीएम ने सभी आवेदनों को एक-एक कर देखा। संबंधित विभागों के अफसरों को कार्रवाई का निर्देश दिया। तय समय-सीमा में हर मामले का गुणवत्तापूर्ण निपटारा करने को कहा। डीएम ने कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आम लोगों के बीच सीधे संवाद का मजबूत माध्यम है। राज्य सरकार की मंशा के अनुसार हर नागरिक की शिकायत का पारदर्शी, संवेदनशील, समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। अफसरों को निष्पक्ष जांच करने का निर्देश दिया। आवेदकों को उनके मामलों की प्रगति की जानकारी नियमित देने को कहा। जनहित के मामलों में देरी, लापरवाही, उदासीनता नहीं चलेगी। सभी विभागों को आपसी समन्वय, जवाबदेही, संवेदनशीलता के साथ काम कर त्वरित और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

30 हजार से ज्यादा लोगों ने गौ संरक्षण का समर्थन किया

बेगूसराय। जिले में गौ संरक्षण और संवर्धन के समर्थन में चलाया गया हस्ताक्षर अभियान सोमवार को पूरा हो गया। अभियान के दौरान 30,057 लोगों ने हस्ताक्षर कर गौ माता के संरक्षण और सम्मान का समर्थन जताया। अभियान समाप्त होने के बाद हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन डीएम को सौंपा गया, जिसे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भेजने का आग्रह किया गया है। "गौ सम्मान, जन-जन का अभियान, राष्ट्र सम्मान का आधार" स्लोगन के साथ चलाए गए इस अभियान के दूसरे चरण के समापन पर जिला प्रचारक गोवर्धन रामानुज दास ने बताया कि इसका उद्देश्य गौ माता के सम्मान, संरक्षण और संवर्धन के प्रति जनभावना को सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क और हस्ताक्षर कार्यक्रम चलाए गए, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से भाग लिया। उन्होंने अभियान को सफल बनाने में संत-महात्माओं, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों, जनप्रतिनिधियों, मीडिया और आम नागरिकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल हस्ताक्षर अभियान नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और गौ संरक्षण के पक्ष में जनभागीदारी का प्रयास है। अभियान को बिहार राज्य प्रभारी साध्वी निष्ठा गोपाल सरस्वती ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सनातन जीवन-दर्शन का महत्वपूर्ण आधार हैं।

कारगिल के रणबांकुरों को याद कर युवाओं को किया संबोधित

मंझौल। कारगिल विजय दिवस पर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए युवाओं के बीच देशभक्ति और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश दिया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों के साहस और बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रांत मंत्री पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि 1999 का कारगिल युद्ध भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य जीत का प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान का स्मरण कराने वाला दिन है। प्रदेश कार्यकारिणी के विशेष आमंत्रित सदस्य अजीत चौधरी और जिला संयोजक अनुभव आनंद ने कहा कि कारगिल के नायकों ने अपने साहस और समर्पण से राष्ट्रीय गौरव को नई ऊंचाई दी। उनका संघर्ष केवल युद्ध जीतने के लिए नहीं, बल्कि देश की गरिमा और सम्मान की रक्षा के लिए था। उन्होंने कहा कि उनकी वीरता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। उन्होंने हाल के छात्र आंदोलनों की आड़ में सेना पर की गई कथित नकारात्मक टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों का विरोध किया जाना चाहिए।

अवैध बालू खनन पर डीएम-एसपी सख्त, माइक्रो प्लान बनाने के निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका। बांका जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में जुलाई माह की जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक में अवैध बालू खनन पर सख्ती बरतने और 24 घंटे निगरानी के लिए चेकपोस्ट स्थापित करने सहित कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि पिछले माह की तुलना में इस माह खनन मद में करीब चार करोड़ रुपये अधिक राजस्व की वसूली हुई है। जिले में कुल 14 नीलामित बालूघाटों में से पांच वर्तमान में संचालित हैं, जबकि शेष बालूघाटों के संचालन के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

माइक्रो लेवल पर कार्ययोजना तैयार करने का निर्देशः बैठक में अवैध खनन और बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि पिछले वित्तीय वर्ष के प्रथम चार माह में अवैध खनन एवं परिवहन के मामले में 57 वाहन जब्त किए गए थे। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम चार माह में अब तक कुल 128 वाहनों को जब्त किया जा चुका है। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने अवैध बालू खनन के संवेदनशील क्षेत्रों में संबंधित थानों के साथ समन्वय स्थापित कर माइक्रो लेवल पर कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने औचक छापेमारी कर सख्त कार्रवाई करने पर जोर दिया। अमरपुर, रजौन, धोरैया, शंभुगंज, बाराहाट एवं बांका अंचल के क्षेत्रों में 24 घंटे सातों दिन संचालित चेक पोस्ट स्थापित कर निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिएः जिला खनन पदाधिकारी को अन्य जिलों में की जा रही कार्रवाई की जानकारी प्राप्त कर उसके अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। खान निरीक्षकों को प्रतिदिन छापेमारी कर अवैध बालू खनन एवं परिवहन में संलिप्त वाहनों को जब्त करने तथा प्रत्येक सप्ताह संबंधित थानों के साथ बैठक कर संयुक्त कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार ने सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को चौकीदारों के माध्यम से अवैध खनन में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया।

मौके पर मौजूद रहे अधिकारीः उन्होंने खनन कार्यालय के साथ ऐसी जानकारी साझा करने को भी कहा। राजसात प्रक्रिया के तहत लंबित वाहनों की शीघ्र नीलामी के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। कार्य विभागों को खनन से संबंधित कटौती की गई राशि का प्रतिवेदन प्रत्येक माह की 15 तारीख तक जिला खनन कार्यालय में उपलब्ध कराने को कहा गया।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हुआ बाल संसद और मीना मंच का गठन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। फारबिसगंज के मध्य विद्यालय घीवहा में मंगलवार को प्रधानाध्यापक प्रदीप शर्मा की अध्यक्षता में बाल संसद एवं मीना मंच का गठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक मतदान कर विभिन्न पदों के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव किया। मतगणना के बाद छोटू कुमार को प्रधानमंत्री, प्रिया कुमारी को उप प्रधानमंत्री, मधु कुमारी को शिक्षा मंत्री, सीता कुमारी को स्वास्थ्य मंत्री, राजा कुमार को पुस्तकालय मंत्री तथा सुजीत कुमार को जल एवं कृषि मंत्री चुना गया। वहीं प्रतिभा कुमारी को हेड गर्ल बनाया गया। अन्य पदों पर भी छात्रों का चयन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किया गया।प्रधानाध्यापक प्रदीप शर्मा ने कहा कि बाल संसद के गठन का उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी की भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और मताधिकार के प्रति जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों एवं दायित्वों की जानकारी देते हुए विद्यालय के अनुशासन एवं विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय शिक्षा समिति की अध्यक्ष फूलन देवी, सचिव मीरा रानी दास तथा शिक्षक सचिन कुमार रजक, प्रभात कुमार प्रवीण, मो. अरमान, राकेश कुमार, विजय कुमार, अनुपम ऋषिदेव एवं रंजन ऋषिदेव सहित विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

10वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका। बांका के चांदन थाना क्षेत्र स्थित इंटर स्तरीय कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में सोमवार को दसवीं कक्षा की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान दक्षिणी कसबा वसीला पंचायत के पहाड़पुर गांव निवासी राम हेंब्रम की लगभग 15 वर्षीय बेटी मानकों हेंब्रम के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर चांदन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।शिक्षा विभाग की एक टीम ने भी विद्यालय पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

हॉस्टल में रहकर 10वीं की कर रही थी पढ़ाईः मानकों हेंब्रम कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में रहकर दसवीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी।सोमवार को प्रार्थना सभा समाप्त होने के बाद सभी छात्राएं अपने-अपने कमरों में चली गईं।मानकों अपनी सहेलियों के साथ छात्रावास की दूसरी मंजिल पर रहती थी। सहेलियों के अनुसार,मानकों कुर्सी,बाल्टी और किताब लेकर दूसरे कमरे में पढ़ाई करने की बात कहकर चली गई। इसके बाद उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक जब मानकों कमरे से बाहर नहीं निकली तो उसकी सहेली उसे बुलाने पहुंची।

कमरे में दुपट्टे के सहारे लटकी मिलीः दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद छात्राओं को अनहोनी की आशंका हुई। शोर मचाने के बाद छात्राओं ने दरवाजे को धक्का देकर तोड़ दिया। अंदर मानकों को पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ पाया गया। इसकी सूचना तत्काल विद्यालय की वार्डन को दी गई,जिन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी।पुलिस के पहुंचने तक छात्रा की मौत हो चुकी थी।

माता-पिता के मिलने नहीं आने पर की सुसाइडः घटना के बाद मृतका की मां ने बताया कि उनकी पुत्री ने रविवार को फोन कर अपने भाई से कहा था कि यदि माता-पिता सोमवार को उससे मिलने विद्यालय नहीं आए तो वह मर जाएगी। परिजनों के अनुसार, वे सोमवार को बेटी से मिलने विद्यालय आने वाले थे, लेकिन किसी आवश्यक काम के कारण नहीं पहुंच सके। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दादी के अंतिम संस्कार में पोते की डूबकर मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में चचेरी दादी के अंतिम संस्कार में पहुंचे पोते की गंगा में डूबने से मौत हो गई। हादसा सोमवार की रात पुलिस जिला नवगछिया के महादेवपुर घाट पर हुआ। मृतक की पहचान कदवा थाना क्षेत्र के प्रतापनगर गांव निवासी पप्पू शाह के पुत्र सिंटू कुमार (15) के रूप में हुई है। सोमवार को उसकी चचेरी दादी का निधन हो गया था। देर रात अंतिम संस्कार के लिए उन्हें महादेवपुर घाट लाया गया, जहां अंधेरा होने के कारण सिंटू गहरे पानी में चला गया। पैर फिसलने से वह गंगा में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस के नहीं पहुंचने पर परिजन ने किया हंगामाः घटना के बाद परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। परिजनों का आरोप है कि सूचना मिलने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची और कहा कि मंगलवार सुबह उसकी खोजबीन की जाएगी। पुलिस की कार्यशैली से नाराज परिजनों ने जाह्नवी TOP के पास पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद थाना प्रभारी गौरव झा मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। थानाध्यक्ष गौरव झा ने बताया कि परिजन की ओर से आवेदन दिया गया है। एसडीआरएफ और गोताखोरों की मदद से आज (मंगलवार) को सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

मृतक के चाचा बोले-प्रशासन की लापरवाही से अब तक लाश नहीं मिलीः मृतक के चाचा रोशन ने बताया कि उनका 16 वर्षीय भतीजा सिंटू कुमार, गंगा में डूब गया। प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारियों को घटना की सूचना दे दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद समय पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। परिजनों ने कहा कि खरीक प्रखंड के अंचलाधिकारी सहित स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के कारण अब तक शव का पता नहीं चल सका है। उनका आरोप है कि सूचना मिलने के बाद भी एसडीआरएफ की टीम ने मामले में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई और बचाव एवं खोज अभियान में गंभीरता नहीं बरती।

नेपाल के सुनसरी में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद हालत बेकाबू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। बिहार में अररिया जिला सीमा से सटे नेपाल के दीवानगंज में बोलबम यात्रा को लेकर उत्पन्न विवाद से भड़की सांप्रदायिक हिंसा के चपेट में नेपाल के कई सीमावर्ती गांव पालिका और महा नगरपालिका क्षेत्र आ गया है। दो समुदाय के लोग आमने सामने हो गए हैं और जगह जगह सुरक्षा एजेंसियों के साथ उनकी मुठभेड़ हो रही है। कोशी बैराज से पकली इटहरी तक कर्फ्यू लगाया गया है। सड़क पर नेपाली पुलिस के साथ सेना के जवान उतर गए हैं। बावजूद इसके प्रदर्शनकारी कई गुटों में विभिन्न स्थानों पर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। दोनों समुदाय के लोग भी अपने लोगों के साथ सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं,जिसके कारण लगातार हालात बेकाबू होता जा रहा है। भोकराहा नरसिंह चौक कर तनाव के बीच नेपाल पुलिस की ओर से भीड़ को नियंत्रित और हटाने के लिए दस राउंड टियर गैस छोड़े गए।वहीं इनरवा बस चौक पर भी सामने से भीड़ के द्वारा किए जा रहे पथराव और आगजनी को लेकर नेपाल पुलिस की ओर से 15 राउंड टियर गैस छोड़ा गया। पूर्व-पश्चिम महेंद्र राजमार्ग पूरी तरह से प्रदर्शनकारियों ने अवरुद्ध कर दिया है।

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं०–30 ऑफ 2026–27/ खुला/ इंजीनियरिंग, डीडीयू ।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है ।

निविदा सं०–12–डीडीयू–व०मं०इंजी०–III–26–27, कार्य का नाम एवं लोकेशन : सहायक मंडल इंजीनियर/जपला के अधीन बीडी अनुभाग में मौजूद छोटे और बड़े पुल की मरम्मत और रखरखाव । **कार्य का अनुमानित लागतः** ₹ 16705527.06, **धरोहर राशिः** ₹ 334100.00, **ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय :** 17.08.2026 को 12:00 बजे तक। **वेबसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in नोट :** विवाद की स्थिति में अंग्रजी पाठ मान्य होगा ।

मंडल रेल प्रबन्धक, पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/622/डी०डी०यू०/ईएनजी/टी/26–27/32

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एनआईटी/02/26/39, दिनांक 27.07.2026; प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, 17, नेताजी सुभाष रोड, फेयरली प्लेस, कोलकाता 700001 द्वारा निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। क्रमांक, निविदा सं., भंडार का विवरण, ईएमडी क्रमशः निम्नलिखित हैं:- निविदा खुलने की तारीखः 13.08.2026, समयः 13.30 बजेः (1) 10261017, 65 टीथ वाला गीयर व्हील, रु. 9,02,050/-। (2) 10265010, डब्ल्यूएपी-5 के लिए गीयर बॉक्स केस (मशीन्ड), रु. 0/-। निविदा खुलने की तारीखः 17.08.2026, समयः 13.30 बजेः (3) 10265009, डिस्क ब्रेक अरेंजमेंट, रु. 3,68,090/-। निविदा खुलने की तारीखः 12.08.2026, समयः 13.30 बजेः (4) 19261084, डीजल लोको स्टार्टर बैटरी 8 वोल्ट, 500 एएच (एलएम) लीड एसिड बैटरी इत्यादि को खरीददारी, रु. 9,14,550/-। निविदा खुलने की तारीखः 17.08.2026, समयः 13.30 बजेः (5) 14261178, सिंगल सेक्शन डिजिटल टाइप एक्सल काउंटर इत्यादि के लिए फेज डिटेक्टर कार्ड पीडी1 की खरीददारी, रु. 1,70,870/-। निविदा खुलने की तारीखः 14.08.2026, समयः 13.30 बजेः (6) 14261180, सिंगल सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर इत्यादि के लिए फेज डिटेक्टर कार्ड पीडी2 25 केएचजेड की खरीददारी, रु. 1,70,870/-। (7) 21260001, साइड बीयरर असेम्बली (स्प्रिंग लोडेड टाइप) की खरीददारी, रु. 1,78,760/-। निविदा खुलने की तारीखः 01.09.2026, समयः 13.30 बजेः (8) 21261468, बीएमबीएस बोगी इत्यादि के लिए ब्रेक हेड, रु. 2,07,130/-। निविदा खुलने की तारीखः 19.08.2026, समयः 13.30 बजेः (9) 11261623, ईओजी टाइप एसी कोचों/पावर कार इत्यादि के लिए इंटर वेहिकुलर क्पलर यूनिट (500 एएमपी रेटिंग) की खरीददारी, रु. 10,91,910/-। निविदा खुलने की तारीखः 12.08.2026, समयः 13.30 बजेः (10) 21261208, मॉडिफाइड इलास्टोमेरिक पैड डिजाइन-ए इत्यादि की खरीददारी, रु. 20,00,000/-। निविदा खुलने की तारीखः 13.08.2026, समयः 13.30 बजेः (11) 20261073, ईएमयू के लिए ईपी ब्रेक यूनिट हेतु एप्लीकेशन मैग्नेट वॉल्व एवं होल्डिंग मैग्नेट वॉल्व का सेट, रु. 6,71,250/-। निविदा खुलने की तारीखः 14.08.2026, समयः 13.30 बजेः (12) 10265005ए, फैब्रिकेटेड बोलस्टर अरेंजमेंट, ब्रेक रिगिंग एवं ब्रेक सिलिंडर के साथ सम्पूर्ण फ्लेक्सी क्वायल बोगी फ्रेम, रु. 20,00,000/-। निविदा खुलने की तारीखः 24.08.2026, समयः 13.30 बजेः (13) 11261580, सेल्फ प्राइमिंग मोनो ब्लॉक पम्प असेम्बली इत्यादि की खरीददारी, रु. 3,00,390/-। निविदा खुलने की तारीखः 26.08.2026, समयः 13.30 बजेः (14) 11261023, यॉ डम्पर, रु. 9,74,120/-। निविदा खुलने की तारीखः 24.08.2026, समयः 13.30 बजेः (15) 11261779ए, व्हील सेट अर्थिंग की खरीददारी, रु. 3,92,640/-। निविदा खुलने की तारीखः 12.08.2026, समयः 13.30 बजेः (16) 07261002, मैनुअल मेटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड, श्रेणी-ए2 (रुटाइल टाइप) की खरीददारी, कोटिंग का प्रकारः मीडियम विनिर्देश आईआरएसः एम-28/2020 एवं एसटीआरः आरडीएसओ एमसी एसटीआर डब्ल्यू 01 संशो-03 के अनुसार, कोड आईएसः 814-2004 (आर 2016) के अनुसार, आकारः 4 मिमी x 450 मिमी, रु. 2,60,660/-। निविदा खुलने की तारीखः 13.08.2026, समयः 13.30 बजेः (17) 10261593, मेन कम्प्रेशर 1750/1745 एलपीएम के साथ मोटर, रु. 15,08,960/-। निविदा खुलने की तारीखः 14.08.2026, समयः 13.30 बजेः (18) 21261008ए, तारपॉलिन बिल्ट की खरीददारी, रु. 1,78,810/-। निविदा खुलने की तारीखः 13.08.2026, समयः 13.30 बजेः (19) 07261150, मैनुअल मेटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड, श्रेणी-ए2 की खरीददारी, कोटिंग का प्रकारः हेवी विनिर्देश आईआरएसः एम-28/2020 एवं एसटीआरः आरडीएसओ एमसी एसटीआर डब्ल्यू 01 संशो-03 के अनुसार, कोड आईएसः 5206/2013 के अनुसार, आकारः 4 मिमी x 350 मिमी, रु. 7,01,730/-। निविदा खुलने की तारीखः 08.09.2026, समयः 13.30 बजेः (20) 21261391, वीयर प्लेव इत्यादि के साथ स्ट्राइकर कॉस्टिंग (बीजी), रु. 5,29,700/-। निविदा खुलने की तारीखः 10.09.2026, समयः 13.30 बजेः (21) 21261128, कंट्रोल रिजर्वर के साथ पाइप ब्रैकेट, रु. 2,43,360/-। निविदा खुलने की तारीखः 08.09.2026, समयः 13.30 बजेः (22) 21261262, एयर ब्रेक होज कपलिंग सपोर्ट इत्यादि, रु. 3,17,480/-। निविदा खुलने की तारीखः 18.08.2026, समयः 13.30 बजेः (23) 16261106, डिसचार्ज/अर्थिंग रॉड असेम्बली, रु. 1,31,960/-। निविदा खुलने की तारीखः 20.08.2026, समयः 13.30 बजेः (24) 16261001, 10 केवीए, 25 केवी/240 वोल्ट, 10 केवीए सिंगल फेज, रु. 1,85,710/-। निविदा खुलने की तारीखः 21.08.2026, समयः 13.30 बजेः (25) 08261145, वोल्टेज फेज कंट्रोल इत्यादि की खरीददारी, रु. 1,72,510/-। निविदा खुलने की तारीखः 11.08.2026, समयः 13.30 बजेः (26) 1226-एचवीएन_10228, आरडीएसओ आरेख सं. (टी-10228 अल्ट. 1) के अनुसार इंड कट हाई विससिअस नॉयलन (एचवीएन-66) इंसुलेटिंग लाइनर के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू अनुबंध, रु. 1,21,240/-। निविदा खुलने की तारीखः 19.08.2026, समयः 13.30 बजेः (27) 1226-एचवीएन_10225, आरडीएसओ आरेख सं. (टी-10225 अल्ट. 1) के अनुसार इंड कट हाई विससिअस नॉयलन (एचवीएन-66) इंसुलेटिंग लाइनर के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू अनुबंध, रु. 1,18,130/-। निविदा खुलने की तारीखः 07.08.2026, समयः 13.30 बजेः (28) 1226-टीडब्ल्यूएस_फीटिंग्स, आरडीएसओ आरेख सं. टी-6155 अल्ट.-13 के अनुसार 1 इन 12, 60 किग्रा तथा आरडीएसओ आरेख सं. टी-6280, अल्ट-7 के अनुसार 1 इन 8.5, 60 किग्रा थीक वेब स्विच की फीटिंग्स, रु. 18,69,840/-। निविदा खुलने की तारीखः 31.07.2026, समयः 13.30 बजेः (29) 1226_सीजीआरएसपी_8327, आरडीएसओ की आरेख सं. आरडीएसओ/टी-8327 के अनुसार 52 किग्रा रेलों के लिए 6.2 मिमी मोटी कम्पोजिट ग्रूव्ड रबड़ सोल प्लेट के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए 2 वर्षों का आरजीसी, रु. 1,29,360/-। निविदा खुलने की तारीखः 14.08.2026, समयः 13.30 बजेः (30) 12261069, आरडीएसओ आरेख सं. टी-1899 से अल्ट. 1 के अनुसार 60 किग्रा हेतु फिश बोल्ट एवं नट, रु. 10,85,480/-। निविदा खुलने की तारीखः 31.07.2026, समयः 13.30 बजेः (31) 12261026, 1 मी लंबे फिश प्लेट 60 किग्रा टी-5916 की आपूर्ति, रु. 7,31,510/-। निविदा लागतः सभी के लिए रु. 0/-। संशोधनियां: नीचे उल्लेखित निविदा के लिए जारी संशोधनों के लिए कृपया www.ireps.gov.in देखें : 14265098 नियत तारीख 11.08.2026। टिप्पणीः उपरोक्त उल्लेखित सभी निविदाएँ ई-निविदा हैं तथा सभी निविदादाताओं से अपनी बोलियां आईआरईपीएस की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in के जरिए ऑन-लाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। उपरोक्त उल्लेखित निविदाओं तथा अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में और अधिक विवरण के लिए कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।

(STORES-26/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बालुरघाट–बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन

संशोधित अधिसूचना

ट्रैक रखरखाव कार्य के लिए उत्तर रेलवे के पुराने दिल्ली यार्ड में पावर और ट्रैफिक ब्लॉक के कारण बालुरघाट – बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस के मार्ग परिवर्तन के संबंध में पूर्व प्रकाशित उपर्युक्त शीर्षक वाले विज्ञापन के संदर्भ में, यह सूचित जाता है कि उक्त मार्ग परिवर्तन को निम्नानुसार संशोधित किया गया है: (1) 15733 **बालुरघाट–बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 06.08.2026) को गाजियाबाद–पुरानी दिल्ली–सब्जी मंडी के बदले गाजियाबाद – नई दिल्ली – सब्जी मंडी होकर मार्ग परिवर्तित किया जाएगा तथा दिल्ली शाहदरा जंक्शन और पुरानी दिल्ली जंक्शन स्टेशनों पर नहीं रुकेगी। (2) 15743 **बालुरघाट– बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 04.08.2026 और 05.08.2026) को गाजियाबाद–पुरानी दिल्ली–दिल्ली किशनगंज के बदले गाजियाबाद–नई दिल्ली–दिल्ली किशनगंज होकर मार्ग परिवर्तित किया जाएगा तथा दिल्ली शाहदरा जंक्शन और पुरानी दिल्ली जंक्शन स्टेशनों पर नहीं रुकेगी।

टिप्पणी: 15733 बालुरघाट –बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 03.08.2026) गाजियाबाद–पुरानी दिल्ली–सब्जी मंडी होकर सही रूट पर चलेगी। अन्य सभी निर्देश अपरिवर्तित रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

उधना–मालदा टाउन–उधना स्पेशल और गांधीधाम–भागलपुर–गांधीधाम स्पेशल ट्रेनों का आवागमन जारी रहेगा

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, 09033/09034 **उधना – मालदा टाउन – उधना स्पेशल और** 09451/09452 **गांधीधाम – भागलपुर – गांधीधाम स्पेशल** ट्रेनों का आवागमन निम्नलिखित तिथियों को संबंधित मौजूदा आवागमन के दिनों, ठहराव, समयसूची और गठन के अनुसार और अधिक ट्रिप के लिए जारी रहेगा:- ● 09033 **उधना जंक्शन – मालदा टाउन स्पेशल: आवागमन की विस्तारित तिथियाँ:** दिनांक 30.07, 06.08, 13.08, 20.08 और 27.08.2026 (बृहस्पतिवार) को = 05 ट्रिप। ● 09034 **मालदा टाउन – उधना स्पेशल: आवागमन की विस्तारित तिथियाँ:** दिनांक 02.08, 09.08, 16.08, 23.08 और 30.08.2026 (रविवार) को = 05 ट्रिप। ● 09451 **गांधीधाम – भागलपुर स्पेशल : आवागमन की विस्तारित तिथियाँ:** दिनांक 07.08, 14.08, 21.08 और 28.08.2026 (शुक्रवार) को = 04 ट्रिप। ● 09452 **भागलपुर – गांधीधाम स्पेशल : आवागमन की विस्तारित तिथियाँ:** दिनांक 10.08, 17.08, 24.08 और 31.08.2026 (सोमवार) को = 04 ट्रिप। अन्य सभी निर्देश अपरिवर्तित रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

डुमरी हाल्ट और अथमल गोला स्टेशनों पर श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव

यात्रियों की सुविधा के लिए, **03511/03512 आसनसोल–पटना–आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल** ट्रेन डुमरी हाल्ट और अथमल गोला स्टेशनों पर तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी तथा **03527/03528 आसनसोल–गोरखपुर–आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल** ट्रेन डुमरी हाल्ट स्टेशन पर तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी। उक्त ट्रेनें निम्नलिखित समयसूची के अनुसार चलेंगी:

03511/03512 आसनसोल–पटना–आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल

आसनसोल–पटना स्पेशल (03511)		स्टेशन	पटना–आसनसोल स्पेशल (03512)	
आ.	प्र.		आ.	प्र.
23.03	23.05	डुमरी हाल्ट	05.57	05.59
00.38	00.40	अथमल गोला	04.43	04.45

03527/03528 आसनसोल–गोरखपुर–आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल

आसनसोल–गोरखपुर स्पेशल (03527)		स्टेशन	गोरखपुर–आसनसोल स्पेशल (03528)	
आ.	प्र.		आ.	प्र.
01.32	01.34	डुमरी हाल्ट	01.26	01.28

अन्य सभी निर्देश अपरिवर्तित रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

प्रशांत किशोर ने चुनाव प्रचार की नहीं रखी थी शर्त

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर के बिलौटी गांव के भरत तिवारी के पिता ने कहा है कि बांकीपुर उपचुनाव में चुनाव प्रचार करने के लिए प्रशांत किशोर ने कोई शर्त नहीं रखा था। इस बारे में उनका ना किसी प्रकार का कॉल आया था, ना इस प्रकार का कोई बात हुई है। जिसके जवान बेटे की हत्या हो गई हो, उस परिवार की दिमागी हालत क्या होगी, आप अंदाजा लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी आशा देवी के सामने जो जैसा बोल रहा है, वो बस हां में हां मिला दे रही है। वो बिलकुल नवर्स है। दरअसल, भरत की मां आशा देवी और भाभी सुमन देवी ने हाल ही में दावा किया था कि प्रशांत किशोर ने उन्हें बांकीपुर चुनाव में प्रचार–प्रसार करने के लिए बुलाया था। भरत की मां और भाभी के इस दावे के बाद बिहार राजनीति गरमा गई थी। सोमवार को जनसुराज की टीम भरत तिवारी के घर जाकर पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने कहा कि प्रशांत किशोर ने ऐसी कोई शर्त नहीं रखी थी।

'पत्नी बोल रही है कि जो न्याय दिलाएगा, मैं उसके साथ हूं': भरत के पिता काशीनाथ तिवारी ने कहा कि जो जैसा बोल रहा है, मेरी पत्नी उसी के हिसाब से बात कर रही है। मेरी पत्नी आशा बोल रही है कि जो मुझे न्याय दिलाएगा हम उसी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि जो इंसान नर्वस होता है, वो कुछ भी बोल सकता है। वहीं, भरत तिवारी के घर पहुंची जनसुराज की नेता पद्मा ओझा ने कहा कि भरत के परिवार को यूज किया जा रहा है। परिवार को नहीं पता है कि पटना के बांकीपुर में उपचुनाव हो रहा है। इस चुनाव को लेकर कथा रणनीति बनाई गई है, क्योंकि बीजेपी चुनाव में मात खा रही है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर विधानसभा की जनता मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं भाजपा से नाराज है। सम्राट चौधरी खुद को बचाने के लिए मनोज तिवारी के साथ मिलकर जनसुराज को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भरत तिवारी की हत्या हुई थी, तब न तो मनोज तिवारी भरत के घर आए थे, न भाजपा का कोई बड़ा चेहरा उनके घर आया था। उन्होंने कहा कि अगर सम्राट चौधरी चाहते तो वारदात के बाद आरोपी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार करा सकते थे।

भरत की मां से मिले पवन सिंह बोले- कुछ रिश्ते दिल से निभाए जाते हैं: वहीं, सोमवार को ही भरत तिवारी की मां आशा देवी से भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह ने मुलाकात की। भरत की मां आशा देवी ने जैसे ही अपनी पीड़ा सुनानी शुरू की, माहौल भावुक हो गया। पवन सिंह ने सबसे पहले आशा देवी के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर पूरे घटनाक्रम की सिलसिलेवार जानकारी ली। आशा देवी की बातें सुनते-सुनते वे भी भावुक हो गए और परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

सरकार ने अखबारों में छात्रों की तस्वीरें छापीं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर के डुमरांव विधानसभा के पूर्व विधायक और इंकलाबी नौजवान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह कुशवाहा ने बिहार सरकार पर छात्रों को बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 25 जुलाई को राज्य सरकार ने प्रमुख अखबारों में एक बड़ा विज्ञापन प्रकाशित कराया, जिसमें 170 से अधिक छात्रों की तस्वीरें थीं। डॉ. कुशवाहा ने इस विज्ञापन पर लाखों रुपये के सार्वजनिक धन के खर्च पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने ही राज्य के छात्रों की तस्वीरें प्रकाशित कर उन्हें समाज के सामने उपद्रवी, असामाजिक तत्व या बाहरी के रूप में पेश करने का प्रयास कर रही है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने अपने करीब 20 वर्षों के राजनीतिक और जन आंदोलनों के अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि इस दौरान कई बड़े आंदोलन हुए, लेकिन किसी भी सरकार ने आंदोलनकारी छात्रों और युवाओं की तस्वीरें अखबारों में प्रकाशित कर उन्हें सार्वजनिक रूप से कठघरे में खड़ा करने का प्रयास नहीं किया।

राज्य के अभिभावक होते हैं मुख्यमंत्री: डॉ. कुशवाहा ने कहा कि लोकतंत्र में मुख्यमंत्री पूरे राज्य के अभिभावक होते हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह छात्रों और युवाओं को विरोधी नहीं, बल्कि अपने बच्चों की तरह देखे। यदि छात्र किसी मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, तो सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए, उनसे संवाद स्थापित करना चाहिए और समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए।

44 हजार के लिए छात्र की हुई थी हत्या

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के मसाढ़ गांव में इंटर के छात्र प्रीतम कुमार सिंह की गला रेतकर की गई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। 10 दिन पहले हुए इस हत्याकांड में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतक का मोबाइल फोन समेत तीन मोबाइल और घटना के समय पहने गए खून के छींटे लगे कपड़े बरामद किए गए हैं। पुलिस की जांच में सामने आया कि करीब 44 हजार रुपए के लेन-देन के विवाद ने इस वारदात को जन्म दिया। मुख्य आरोपित ने पहले अपने साथी के साथ मिलकर छात्र पर पत्थर से हमला किया और फिर चाकू से उसका गला रेतकर हत्या कर दी। सदर एएसपी राजकुमार साह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मसाढ़ गांव निवासी अंशु कुमार सिंह और भोलू कुमार सिंह के रूप में हुई है। इनमें अंशु कुमार सिंह हत्याकांड का मुख्य मास्टरमाइंड है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।

छात्र तय समय के बाद नहीं लौटा रहा था रुपए: एएसपी ने बताया कि अंशु ने किसी काम के लिए प्रीतम कुमार सिंह को 44 हजार रुपए दिए थे। तय समय पर काम नहीं होने के कारण वो लगातार अपनी रकम वापस मांग रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद और तनाव चल रहा था।

आखिरकार इसी विवाद ने हत्या का रूप ले लिया। पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई की शाम आरोपितों ने सुनियोजित तरीके से प्रीतम को बुलाया। पहले उसके सिर पर पत्थर से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल किया गया। इसके बाद चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए थे। मामले में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

तकनीकी अनुसंधान, सर्विलांस, सीडीआर की जांच से आरोपियों तक पहुंची पुलिस: घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ वन के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी अनुसंधान, सर्विलांस, सीडीआर और मृतक के मोबाइल नंबर की गतिविधियों की गहन जांच की।

जमीन विवाद फायरिंग में दोनों पक्षों की प्राथमिकी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के हली टोला गांव में जमीन विवाद को लेकर रविवार की सुबह हुई मारपीट और ताबड़तोड़ फायरिंग के मामले ने अब कानूनी रूप ले लिया है। घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिनमें कुल 40 लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया है। एक पक्ष की ओर से 11 जबकि दूसरे पक्ष की ओर से 29 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी है और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

पीड़ित पक्ष ने 15 राउंड फायरिंग का आरोप लगाया: फायरिंग के दौरान नाबालिग शीला कुमारी के घायल होने के मामले में सुरेश यादव के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़ित पक्ष की ओर से इस मामले में राहुल सिंह, राजकुमार यादव, सचिन कुमार, रंजित यादव, मदन यादव, मनोज यादव, अनिकेत कुमार, राजा कुमार, भोरीक यादव, श्रीकिशुन यादव और सुनील यादव समेत 11 लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया है। दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि आरोपितों ने करीब 15 राउंड फायरिंग की। आरोप है कि राहुल सिंह द्वारा चलाई गई गोली से शीला कुमारी घायल हो गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आरोपी पक्ष ने हथियार से हमला, तोड़फोड़ का आरोप लगाया: वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से राजकुमार यादव की पत्नी शिवकम देवी के बयान पर भी प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस मामले में महेश यादव, राजेश यादव, रणवीर कुमार, सुधीर कुमार, परशुराम यादव, विक्रम यादव, सीताराम यादव, विश्राम यादव और कमल यादव समेत कुल 29 लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि सभी आरोपित हथियारों से लैस होकर पहुंचे और मारपीट, फायरिंग तथा तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। घटना के दौरान गांव में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस का कहना है कि भूमि विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से तनाव चल रहा था। घटना के बाद दोनों पक्षों के आरोपों के आधार पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मुखिया पर लाइसेंसी रायफल से हमला का आरोप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर के सिमरी थाना क्षेत्र के बड़का सिंघनपुरा गांव में पैतृक जमीन विवाद गहरा गया है। एक पक्ष ने गांव के मुखिया वीरेंद्र कुमार पाठक पर लाइसेंसी रायफल से जानलेवा हमला करने के प्रयास और मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और लाइसेंसी रायफल जब्त कर ली गई है। आवेदनकर्ता मनोज कुमार पाठक ने सिमरी थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका और मुखिया वीरेंद्र कुमार पाठक का पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि जमीन की मापी के दौरान विवाद बढ़ गया।

फायरिंग से पहले मुखिया से छीना रायफल: मनोज कुमार पाठक के अनुसार, मुखिया वीरेंद्र कुमार पाठक अपने सहयोगी रवि चौधरी के साथ मौके पर पहुंचे और उनके छोटे भाई नारायण जी पाठक पर लाइसेंसी रायफल से हमला करने का प्रयास किया। मनोज पाठक का दावा है कि मुखिया रायफल लोड कर फायर करने की तैयारी में थे, तभी उन्होंने रायफल छीन ली। इस दौरान उनके साथ मारपीट भी की गई, जिससे वे घायल हो गए।

आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग: घटना की सूचना डायल-112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस के पहुंचने पर रायफल उन्हें सौंप दी गई। मनोज कुमार पाठक ने सिमरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपना इलाज कराया। उन्होंने अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुखिया हथियार दिखाकर उनके पक्ष के लोगों को डराने-धमकाने का प्रयास करते हैं। इस मामले को लेकर गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। रविवार सुबह भी दोनों पक्षों के बीच फिर विवाद की स्थिति बनी, जिसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद: सिमरी थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीन के बंटवारे और मापी को लेकर विवाद है, और वे एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। सूचना मिलने पर उन्होंने स्वयं घटनास्थल का जायजा लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों पक्षों के विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के तहत कार्रवाई की जा रही है तथा मामला एसडीओ न्यायालय भेजा जाएगा।

बालू लदे वाहन की टक्कर से मैजिक ड्राइवर की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर में राष्ट्रीय राजमार्ग-922 पर पड़री मोड़ के समीप सोमवार देर शाम सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-922 को जाम कर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति संभालने का प्रयास किया। मृतक की पहचान साहोपारा गांव निवासी फूलचंद पांडेय के बेटे मुकेश पांडेय(45) के रूप में हुई है। बताया गया कि सोमवार देर शाम वह सड़क पार कर रहे थे, तभी एक बालू लदे तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मुकेश पांडेय की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

वैन चलाकर परिवार का करते थे भरण-पोषण: स्थानीय लोगों के अनुसार, मुकेश पांडेय टाटा मैजिक वैन चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके परिवार में पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री हैं। इस घटना से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि मुकेश पांडेय के बड़े भाई का लगभग छह माह पहले निधन हो गया था। परिवार ने लगातार दो सदस्यों को खो दिया है।

देवशयनी एकादशी से चातुर्मास शुरू, 20 नवंबर तक रोक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जिले में देवशयनी एकादशी के साथ 4 महीने तक मांगलिक कार्यों पर रोक लग गई है। इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी, हरिशयनी एकादशी, पद्मा एकादशी भी कहा जाता है। इस बार व्रत 25 जुलाई को मनाया गया। इसी दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शय्या पर 4 माह की योगनिद्रा के लिए चले गए। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान विष्णु के 4 महीने के शयन का संबंध राजा बलि से है। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने वामन अवतार में राजा बलि से तीन पग भूमि मांगी थी। बलि ने अपना सर्वस्व दान कर दिया। भगवान वामन ने पहले पग में पूरी पृथ्वी, आकाश, सभी दिशाओं को नाप

लिया। दूसरे पग में स्वर्ग लोक को अपने अधीन कर लिया। तीसरे पग के लिए स्थान नहीं बचा। राजा बलि ने अपना सिर भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया। भगवान विष्णु ने प्रसन्न होकर उन्हें पाताल लोक का अधिपति बनाया। राजा बलि ने भगवान से अपने साथ रहने का वर मांगा। भक्त की इच्छा पूरी करने के लिए भगवान विष्णु चार महीने तक पाताल लोक में निवास करते हैं। इसी कारण इस अवधि को योगनिद्रा काल से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि इस दौरान सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव संभालते हैं। सूर्य मंदिर के पूजारी ज्योतिषाचार्य आशुतोष पांडेय, ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के अनुसार देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु के विश्राम काल की शुरुआत होती है। इस दौरान 16 संस्कारों में शामिल विवाह, उपनयन, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त नहीं रहते। मान्यता है कि भगवान विष्णु के योगनिद्रा में जाने से शुभ कार्यों में श्रीहरि उपस्थित नहीं हो पाते। भगवान विष्णु की उपस्थिति के बिना किए गए मांगलिक कार्य सफल नहीं हो पाते। इसी कारण चातुर्मास में विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश सहित अन्य मांगलिक संस्कार नहीं किए जाते। अगले 4 महीने धार्मिक उत्सवों, आध्यात्मिक साधना के लिए विशेष माने जाते हैं। चातुर्मास के प्रमुख पर्वों में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है।

जुलाई में सामान्य के करीब वर्षापात, 65.78 फीसद पूरी हुई धान की रोपनी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जुलाई महीने में 14 तारीख तक कमजोर मानसून ने किसानों की चिंता बढ़ा दी थी। इसके बाद हुई झमाझम बारिश ने जिले के किसानों को बड़ी राहत दी है। बता दें कि जून के महीने में सामान्य वर्षापात 107 एमएम होनी चाहिए थी, लेकिन इसके मुकाबले महज 58.85 एमएम ही बारिश हुई यानी सामान्य से 38.88% कम बारिश हुई थी। ऐसे में किसानों को सुखाड़ की आशंका सताने लगी थी। वहीं, जुलाई में मानसून के सक्रिय होने से जिले में वर्षापात का आंकड़ा सामान्य के करीब पहुंच गया है। बारिश के रफ्तार पकड़ते ही धान की रोपनी ने भी गति पकड़ ली है और जिले में अब तक करीब 65.78 प्रतिशत धान की रोपाई पूरी की जा चुकी है। जिले में मानसून की शुरुआत काफी सुस्त रही थी। जुलाई माह का सामान्य वर्षापात 277.20 एमएम है, जबकि 27 जुलाई तक 241.43 एमएम बारिश होनी चाहिए थी। जिला कृषि कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इसके विरुद्ध 225.25 एमएम बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से महज 6.70% कम है। जुलाई

के दूसरे और तीसरे सप्ताह में हुई अच्छी बारिश ने स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। नहरों, पोखरों और खेतों में पर्याप्त पानी जमा होने से किसानों ने रोपाई के काम में पूरी ताकत झोंक दी है। 64320 हेक्टेयर में पूरी हुई धान की रोपाई जिले में इस बार 97,782.5 हेक्टेयर में धान आच्छादन का लक्ष्य निर्धारित है। इसके विरुद्ध अब तक 64,320 हेक्टेयर में रोपनी हो चुकी है, जो कुल लक्ष्य का 65.78% है। जिस तेजी से रोपाई का काम चल रहा है, उसे देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि अगले एक सप्ताह में शत-प्रतिशत रोपनी का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। जुलाई माह में हुई बारिश धान की फसल के लिए संजीवनी साबित हुई है।

संक्षिप्त समाचार

बाणासुर इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क में प्रस्तावित इको-टूरिज्म परियोजना की हुई समीक्षा

आरा। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में बाणासुर इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क में प्रस्तावित इको-टूरिज्म परियोजना की समीक्षा बैठक की गयि। उल्लेखनीय है कि इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क का उद्घाटन पिछले 15 जून को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया था। बैठक के दौरान डेयरी, मत्स्य व पशु संसाधन विभाग, बिहार की राज्य स्तरीय टीम ने प्रस्तावित इको-टूरिज्म परियोजना की विस्तृत कार्ययोजना पर प्रस्तुतीकरण दिया। प्रस्तुतीकरण में परियोजना के अंतर्गत विकसित की जाने वाली विभिन्न पर्यटन सुविधाओं, आगंतुकों के लिए प्रस्तावित आकर्षणों, पर्यावरण संरक्षण के उपायों व स्थानीय स्तर पर रोजगार और पर्यटन की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए परियोजना को और अधिक आकर्षक, नवाचारी व पर्यटक-अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि परियोजना में स्थानीय आवश्यकताओं व प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप अतिरिक्त आकर्षण विकसित किए जाएं और पर्यटकों के लिए आधुनिक, सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का समुचित प्रावधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने परियोजना में ऐसे नवाचारों को शामिल करने पर बल दिया, जो इसे राज्य के प्रमुख इको-टूरिज्म स्थलों में स्थापित कर सकें।

समय-सीमा के भीतर प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश: जिलाधिकारी ने कहा कि इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क केवल पर्यटन का केंद्र ही नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ परियोजना का विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला मत्स्य पदाधिकारी, डेयरी, मत्स्य व पशु संसाधन विभाग, बिहार की राज्य स्तरीय टीम के सदस्य और संबंधित विभागों के अफसर मौजूद रहे।

वित्तीय व सेवा समस्याओं के निष्पादन के लिए दो दिवसीय परिवाद शिविर

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा में वर्षों से लंबित वेतन, पेंशन और वित्तीय विसंगतियों से जूझ रहे शिक्षकों, कर्मचारियों और सेवानिवृत्त पेंशनभोगियों के लिए राहत भरी खबर है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अपने नूतन परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में दो दिवसीय विशेष "परिवाद शिविर" (शिकायत निवारण शिविर) का आयोजन किया जा रहा है। राज्यपाल सचिवालय, बिहार लोक भवन (पटना) से प्राप्त दिशा-निर्देशों के आलोक में आयोजित इस शिविर का मुख्य ध्येय विश्वविद्यालय और उसके अधीन आने वाले सभी अंगीभूत व संबद्ध महाविद्यालयों के कर्मियों की वर्षों पुरानी बकाया राशि, पेंशन विसंगतियों और अन्य कागजी अड़चनों को एक ही छत के नीचे पारदर्शी तरीके से दूर करना है। अक्सर देखा जाता है कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पारिवारिक पेंशनधारियों को अपने ही जायज बकाये और पेंशन संशोधन के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इस जटिल प्रक्रिया को समाप्त करने तथा कर्मचारियों को अनावश्यक मानसिक व शारीरिक भाग-दौड़ से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से लोक भवन की पहल पर यह पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है। इस परिवाद शिविर के माध्यम से आवेदकों की शिकायतों की फाइलें निकालकर सीधे संबंधित अधिकारियों के सामने रखी जा रही हैं, ताकि त्वरित कार्रवाई पूरी कर मामलों का मौके पर ही निपटारा किया जा सके।

बाणासुर इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क में जल्द ही विकसित होगी इको-टूरिज्म परियोजना

आरा। भोजपुर के बाणासुर इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क को जल्द ही इको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रस्तावित परियोजना के तहत पार्क में पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं, नए आकर्षण, पर्यावरण संरक्षण आधारित गतिविधियां और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर विकसित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य इसे बिहार के प्रमुख इको-टूरिज्म स्थलों में शामिल करना है। इसी परियोजना को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने समीक्षा बैठक की। बैठक में डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार की राज्य स्तरीय टीम ने प्रस्तावित इको-टूरिज्म परियोजना की विस्तृत कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया। इसमें पर्यटन सुविधाओं के विकास, आगंतुकों के लिए नए आकर्षण, पर्यावरण संरक्षण के उपाय तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रस्तुतीकरण के बाद जिलाधिकारी ने परियोजना को और अधिक आकर्षक, नवाचारी एवं पर्यटक-अनुकूल बनाने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि स्थानीय प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप अतिरिक्त आकर्षण विकसित किए जाएं तथा पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही परियोजना में ऐसे नवाचार शामिल करने पर जोर दिया, जिससे यह राज्य के प्रमुख इको-टूरिज्म स्थलों में अपनी अलग पहचान बना सके। जिलाधिकारी ने कहा कि बाणासुर इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क केवल पर्यटन का केंद्र नहीं होगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सांसद ने उठाया रेलवे कुलियों और माल गोदाम श्रमिकों का मुद्दा

आरा। सांसद सुदामा प्रसाद ने सोमवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान भारतीय रेलवे के माल गोदामों में कार्यरत लोडिंग-अनलोडिंग श्रमिकों तथा देशभर के करीब 19,762 लाइसेंसधारी रेलवे कुलियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि रेलवे की माल परिवहन एवं यात्री सेवा व्यवस्था में इन श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन वे वर्षों से रोजगार की असुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा के अभाव और श्रम कानूनों के उल्लंघन का सामना कर रहे हैं। सांसद ने कहा कि माल गोदामों में कार्यरत श्रमिकों को अब तक फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी नहीं किए गए हैं। साथ ही उन्हें कोड ऑन वेजेज-2019 और कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी-2020 के अनुरूप न्यूनतम वेतन, ईपीएफ, ईएसआई, बोनस, ओवरटाइम और दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाएं भी नियमित रूप से नहीं मिल रही हैं।

चन्दन पाण्डेय थाईलैंड में अंतरराष्ट्रीय गो टूर्नामेंट में बनाए गए विशिष्ट अतिथि

आरा। भोजपुर जिले के आरा प्रखंड के बड़की सनदियां गांव निवासी चन्दन पाण्डेय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया है। उन्हें 25 से 27 जुलाई तक थाईलैंड के नाखोन सी थम्मरत में आयोजित प्रतिष्ठित थाईलैंड गो सुपर सीरीज-2026 (इंटरनेशनल ओपन गो टूर्नामेंट) के पुरस्कार वितरण समारोह में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। समारोह में उन्होंने विभिन्न देशों के विजेता खिलाड़ियों को पदक और पुरस्कार प्रदान किए। चन्दन पाण्डेय वर्तमान में इंडो एमेच्योर गो एसोसिएशन (आईएजीए) में प्रशासनिक सचिव (मानद) के रूप में कार्यरत हैं। किसी भारतीय खेल प्रशासक का इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पुरस्कार वितरण समारोह का हिस्सा बनना भारत और आईएजीए की बढ़ती वैश्विक पहचान का प्रतीक माना जा रहा है। बड़की सनदियां गांव के निवासी एवं दयाशंकर पाण्डेय के पुत्र चन्दन पाण्डेय ने एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर खेल प्रशासन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। खेलों के विकास और प्रशासन में उनके योगदान को देखते हुए बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग ने उन्हें बिहार राज्य खेल संशोधन अधिनियम-2013 में संशोधन के लिए गठित समिति का सदस्य भी नामित किया था। थाईलैंड से चन्दन पाण्डेय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारत के संदीप दवे (कोलकाता) ने 19×19 बोर्ड वर्ग में रजत पदक जीता। वहीं विजयवाड़ा की शेख ऋत्विका श्री ने 13×13 बोर्ड वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। 9×9 बोर्ड वर्ग में रिवांश वेलगुड़ी ने रजत और आंध्र प्रदेश की आशिका मेहर ने कांस्य पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

सुधा डेयरी के दूषित जल से खेती और पर्यावरण पर असर

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मांगा स्थायी समाधान

- मुजफ्फरपुर में रसायनयुक्त अपशिष्ट जल से लीची की खेती और जनस्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभाव की समीक्षा, प्रमंडल आयुक्त को सभी संबंधित एजेंसियों के साथ संयुक्त बैठक कराने का निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में सरकारी उपक्रमों से संबंधित समिति के समक्ष उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की समीक्षा की। बैठक में मुजफ्फरपुर स्थित सुधा डेयरी से निकलने वाले रसायनयुक्त दूषित जल के कारण कृषि भूमि, पर्यावरण और आम लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधानसभा सदस्य अजीत कुमार और अरुण कुमार द्वारा उठाए गए मुद्दे के आलोक में बिहार स्टेट मिल्क कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (कॉम्फेड) और सुधा डेयरी के अधिकारियों से वर्तमान स्थिति और समाधान की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी ली गई। बैठक के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि मुजफ्फरपुर में सुधा प्लांट से निकलने वाले दूषित जल का असर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के साथ-साथ जिले की प्रसिद्ध लीची की खेती भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने इस समस्या के स्थायी समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। कॉम्फेड और सुधा डेयरी के अधिकारियों ने बताया कि दूषित जल के उपचार के लिए प्लांट परिसर में एक उपचार तालाब (ट्रीटमेंट पॉन्ड) का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण भी कर लिया गया है। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने इस पहल को पर्याप्त नहीं मानते हुए व्यापक और प्रभावी समाधान की जरूरत बताई। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह समस्या कई विभागों और एजेंसियों से जुड़ी हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे लाइन और आसपास के क्षेत्रों में वर्षा के दौरान दूषित जल के फैलाव से स्थिति और गंभीर हो जाती है। उन्होंने तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त को निर्देशित करने के लिए विधानसभा सचिवालय को पत्राचार करने का निर्देश दिया, ताकि NHAI, कॉम्फेड, रेलवे, जिला प्रशासन, स्थानीय सांसदों और विधायकों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित कर समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। समीक्षा बैठक में विधायक अजीत कुमार और अरुण कुमार के अलावा बिहार स्टेट मिल्क कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, सुधा डेयरी पटना एवं मुजफ्फरपुर के प्रबंध निदेशक, विधानसभा सचिवालय की प्रभारी सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बिहार विधानसभा में अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल, आपदा से निपटने का दिया गया प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार के निर्देश पर मुख्य, उप एवं विस्तारित भवन में आयोजित हुआ सुरक्षा अभ्यास, अधिकारियों ने बताए आग से बचाव के उपाय

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार के निर्देश पर गुरुवार को बिहार विधानसभा सचिवालय परिसर में अग्नि सुरक्षा को लेकर व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान विधानसभा के मुख्य भवन, उप भवन और विस्तारित भवन में अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने आग लगने की स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित बचाव के उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

मॉक ड्रिल के दौरान अधिकारियों ने आग लगने के संभावित कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। कर्मचारियों और अधिकारियों को बताया गया कि आग लगने पर घबराने के बजाय किस प्रकार सुरक्षित तरीके से भवन को खाली करना चाहिए और प्रारंभिक स्तर पर आग पर कैसे काबू पाया जा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन विभाग की टीम ने विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों के संचालन का प्रदर्शन किया। कर्मचारियों को फायर एक्सटिंग्विशर सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करने का अभ्यास भी कराया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे तत्काल कार्रवाई कर सकें। अधिकारियों ने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य केवल आग बुझाने की तकनीक सिखाना नहीं, बल्कि कर्मचारियों और अधिकारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आपदा की स्थिति में त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर विधानसभा सचिवालय के अधिकारी, कर्मचारी तथा अग्निशमन सेवा के पदाधिकारी उपस्थित रहे और सभी ने सुरक्षा अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में रेयर अर्थ एलिमेंट का खनन होगा, परमाणु बम व ड्रोन बनाने में इस्तेमाल होगा

पटना। बिहार में रेयर अर्थ एलिमेंट (दुर्लभ खनिज) का खनन होगा। इन खनिजों का इस्तेमाल परमाणु बम, रडार, ड्रोन और अंतरिक्ष तकनीक जैसे सामरिक क्षेत्रों में किया जाएगा। इस बड़े कदम से बिहार सरकार के खजाने में करीब 3 हजार करोड़ रुपए आने की उम्मीद है। यह राजस्व सिग्नेचर बोनस, रॉयल्टी और डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन फंड के जरिए प्राप्त होगा। इस परियोजना से बिहार में सीधे तौर पर 40 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें मजदूरों के साथ-साथ इंजीनियरों और मेडिकल स्टाफ की भी जरूरत होगी। राज्य के करीब 300 उद्योगों को अब कच्चा माल दूसरे राज्यों से नहीं मंगाना पड़ेगा, जिससे माल ढुलाई सस्ती होगी और बैटरी व लोहे का सामान सस्ता हो जाएगा। इससे बिहार में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट और प्रोसेसिंग यूनिट लगाने का रास्ता भी साफ होगा। वर्तमान में दुनिया के कुल रेयर अर्थ एलिमेंट का 70% खनन अकेले चीन करता है। भारत की रक्षा और डिजिटल जरूरतों के लिए यह खनिज बेहद जरूरी है। बिहार में इनके मिलने से न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी। इन खनिजों का उपयोग टीवी, डिजिटल कैमरा, फाइटर जेट और पनडुब्बी बनाने में भी होता है। सरकार को उम्मीद है कि खनन शुरू होने पर बिहार देश के खनिज मानचित्र पर बड़ी ताकत बनकर उभरेगा।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने की आत्महत्या, घर से एक किमी दूर पेड़ से लटका मिला शव

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर स्थित गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के जढुआ गांव में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव घर से लगभग एक किलोमीटर दूर एक पेड़ से लटका मिला। राहगीरों ने जब पेड़ से लटके शव को देखा, तो उन्होंने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर गंगा ब्रिज थाने की पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही गंगा ब्रिज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान जढुआ गांव निवासी स्वर्गीय राम इकबाल राय के बेटे मिथिलेश राय(40) के रूप में हुई है। मिथिलेश पटना में मजदूरी का काम करता था और उसके दो छोटे बच्चे हैं। मृतक के बड़े भाई राजेश राय ने बताया कि मिथिलेश का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद वह घर से एक किलोमीटर दूर जाकर शिशो के पेड़ पर फांसी लगा ली। स्थानीय लोगों ने उन्हें घटना की सूचना दी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। इस संबंध में गंगा ब्रिज थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि जढुआ में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। सूचना मिलते ही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

वैशाली में नवविवाहिता का संदिग्ध परिस्थिति में मिला शव, मायके वालों ने हत्या का लगाया आरोप

हाजीपुर। वैशाली के देसरी थाना क्षेत्र के मुरौवतपुर गांव में एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर से बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मुरौवतपुर निवासी अरविंद भगत की पत्नी संगीता कुमारी(26) के रूप में हुई है थी। संगीता कुमारी की शादी वर्ष 2021 में हुई थी। मृतका के मायके वालों ने इसे हत्या बताते हुए पुलिस को लिखित आवेदन दिया है। उनके अनुसार, शादी के कुछ दिनों बाद से ही संगीता की सास और देवर उसके साथ मारपीट करने लगे थे। मृतका के चचेरे भाई अवधेश भगत ने बताया कि जब अरविंद भगत कुछ दिन पहले बाहर चले गए थे, तब रविवार सुबह करीब सात बजे संगीता के देवर ने फोन कर सूचना दी कि उनकी बहन ने फांसी लगा ली है। मायके वाले जब मौके पर पहुंचे, तो संगीता का शव चौकी पर लेटा हुआ था। घर पर केवल सास मौजूद थीं, जबकि अन्य सदस्य फरार थे। उन्होंने बताया कि संगीता के गले पर रस्सी के निशान और शरीर पर एक-दो जगह चोट के निशान भी थे। सूचना मिलने पर देसरी थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस के आने से पहले ही सास रेखा देवी और उनका बेटा अंकित कुमार मौके से भाग निकले। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। संगीता कुमारी अपने छह भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं और उनकी एक तीन वर्षीय पुत्री भी है। इस घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

विश्वविद्यालय अधिनियम संशोधन के विरोध में शिक्षकों-कर्मचारियों की बैठक, प्रस्ताव वापस लेने की मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- पटना में फुटाब, फुस्टाब और कर्मचारी महासंघ की संयुक्त बैठक, विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता बरकरार रखने पर जोर

पटना। पटना के कंकड़बाग स्थित डॉ. ए.के. सेन भवन में बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 में प्रस्तावित संशोधन तथा अंगीभूत डिग्री महाविद्यालयों को विश्वविद्यालयों से अलग कर राज्य सरकार के अधीन लाने के प्रस्ताव के विरोध में संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन फुटाब, फुस्टाब और बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। बैठक में विधान परिषद सदस्य डॉ. मदन मोहन झा, डॉ. संजय कुमार सिंह और डॉ. अशोक कुमार सहित महासंघ के पदाधिकारियों ने प्रस्तावित संशोधन का विरोध करते हुए कहा कि इससे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता प्रभावित होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संशोधन को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से आए शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने भी प्रस्ताव का विरोध किया और पटना विश्वविद्यालय के आंदोलन का समर्थन किया। वक्ताओं ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में भी आंदोलन तेज किया जाएगा। बैठक में मगध विश्वविद्यालय की ओर से मुटा अध्यक्ष अंजनी कुमार, गया कॉलेज शिक्षक संघ के सचिव डॉ. आनंद कुमार, जगजीवन कॉलेज शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार, सचिव डॉ. संगीता कुमारी सहित कई शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं को राहत

गया-कामाख्या एक्सप्रेस का सुलतानगंज स्टेशन पर होगा ठहराव

- 3 अगस्त से 25 अगस्त तक दोनों दिशाओं की ट्रेनों को दो मिनट का अस्थायी ठहराव, कांवड़ियों की सुविधा के लिए रेलवे का निर्णय

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हाजीपुर। श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने गया और कामाख्या के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 15619/15620 गया-कामाख्या-गया साप्ताहिक एक्सप्रेस का सुलतानगंज स्टेशन पर अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था श्रावणी मेले की अवधि में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लागू रहेगी।

रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 15620 कामाख्या-गया साप्ताहिक एक्सप्रेस 3 अगस्त 2026 से 24 अगस्त 2026 तक अपने निर्धारित परिचालन दिवसों पर रात 12:11 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी और 12:13 बजे आगे के लिए रवाना होगी।

वहीं, गाड़ी संख्या 15619 गया-कामाख्या साप्ताहिक एक्सप्रेस 4 अगस्त 2026 से 25 अगस्त 2026 तक अपने निर्धारित परिचालन दिवसों पर शाम 5:45 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 5:47 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि श्रावणी मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा के लिए सुलतानगंज पहुंचते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दोनों ट्रेनों को दो-दो मिनट का विशेष ठहराव प्रदान किया गया है।

गोल इंस्टीट्यूट के सम्मान समारोह में नवचयनित मेडिको का हुआ भव्य अभिनंदन

- 400 से अधिक विद्यार्थियों को मिला सम्मान
- बापू सभागार में आयोजित समारोह में मेडल, सफेद एप्रन और आला देकर किया गया सम्मानित, टॉपर्स को 1.29 लाख के पुरस्कार भी प्रदान किए गए

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के बापू सभागार में रविवार को गोल इंस्टीट्यूट का वार्षिक सम्मान समारोह-2026 भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 में सफलता हासिल करने वाले 500 से अधिक विद्यार्थियों में से उपस्थित 400 से अधिक नवचयनित मेडिको को मेडल, सफेद एप्रन और आला (स्टेथोस्कोप) देकर सम्मानित किया गया। समारोह में पांच हजार से अधिक विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षक शामिल हुए। समारोह के दौरान संस्थान के सात उत्कृष्ट विद्यार्थियों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। रवि कांत दिवाकर ने 695 अंक और अखिल भारतीय रैंक-55 हासिल कर 51 हजार का पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अलावा कमल नयन को 21 हजार, केशव कुमार और अनुष्का कश्यप को 15-15 हजार, सृष्टि राज एवं आर्या पलक को 11-11 हजार तथा अनुष्का को 5 हजार की पुरस्कार राशि दी गई। कुल मिलाकर टॉपर्स को 1.29 लाख के नकद पुरस्कार वितरित किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री एवं प्रख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.एन. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर बनने की शुरुआत नीट में सफलता से होती है, लेकिन एक सफल चिकित्सक वही है, जो ज्ञान के साथ सेवा, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को भी प्राथमिकता देता है। विशिष्ट अतिथि नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (एनएमसीएच), पटना की प्राचार्या डॉ. उषा कुमारी ने कहा कि सफेद एप्रन केवल उपलब्धि का प्रतीक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, ईमानदारी और मरीजों के प्रति समर्पण का भी प्रतीक है। समाजसेवी मेघराज सिंह ने विद्यार्थियों की सफलता को पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

गोल इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बिपिन कुमार सिंह ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी का सपना संस्थान के लिए महत्वपूर्ण है और उनकी सफलता मेहनत, अभिभावकों के विश्वास तथा शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। संयुक्त निदेशक डॉ. ममता सिंह ने भी विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई देते हुए इसे वर्षों की मेहनत और त्याग का प्रतिफल बताया। समारोह में सहायक निदेशक रंजय सिंह, धनबाद केंद्र निदेशक संजय आनंद, अनुसंधान एवं विकास प्रमुख आनंद वत्स, शैक्षणिक प्रमुख गौरव सिंह, कंकड़बाग शाखा प्रमुख संजीव कुमार सहित संस्थान के कई शिक्षक और अधिकारी उपस्थित रहे। उपलब्धियों और उत्साह से भरा यह आयोजन सफल विद्यार्थियों के सम्मान के साथ-साथ बिहार में उभर रही 'सफेद कोट क्रांति' की भावना को भी नई पहचान देने वाला साबित हुआ।

ईएसआईसी ने मृत बीमित कर्मचारी के आश्रितों को सौंपा आश्रित हितलाभ, हर माह मिलेगी 5,130 पेंशन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- कार्य के दौरान हुई मृत्यु के बाद सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के तहत स्वीकृत हुई सहायता, 61,560 का बकाया भुगतान भी किया जाएगा

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) बिहार क्षेत्र द्वारा सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के तहत मृत बीमित कर्मचारी के आश्रितों को आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया। क्षेत्रीय निदेशक सीए. निरंजन कुमार ने एक सादे समारोह में मेसर्स भुषण कॉर्प प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत दिवंगत बीमित कर्मचारी पुष्प रंजन के माता-पिता को यह लाभ सौंपते हुए संवेदना व्यक्त की। पुष्प रंजन सारण जिले के निवासी थे और कंपनी में सर्विस इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। उनकी 5 जुलाई 2025 को कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण मृत्यु हो गई थी। परिवार में वे ही एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे, जिसके कारण उनके माता-पिता पूरी तरह उन पर आश्रित थे।

नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के बाद ईएसआईसी ने मामले की जांच कर आश्रितों के लिए मासिक पेंशन स्वीकृत की। इसके तहत उनके माता-पिता को 171 रुपये प्रतिदिन की दर से प्रतिमाह 5,130 रुपये की आश्रित पेंशन मिलेगी। साथ ही दुर्घटना की तिथि से अब तक का लगभग 61,560 रुपये का बकाया भुगतान भी उनके बैंक खाते में हस्तांतरित किया जा रहा है। ईएसआईसी ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के तहत कार्यस्थल पर या कार्यस्थल एवं निवास के बीच आवागमन के दौरान होने वाली दुर्घटना को भी रोजगार चोट माना जाता है। ऐसी स्थिति में यदि बीमित कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो उसके आश्रितों को ईएसआई योजना के तहत कर्मचारी के वेतन का 90 प्रतिशत तक मासिक आश्रित पेंशन प्रदान करने का प्रावधान है।

40 लीटर देसी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए जेल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मसौढ़ी: लहसुना थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। थाना क्षेत्र के निशियावा गांव से 40 लीटर देसी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान निशियावा गांव निवासी रंजन पासवान के पुत्र पंकज कुमार तथा स्वर्गीय कृष्णा बिंद के पुत्र जितन बिंद के रूप में हुई है।लहसुना थानाध्यक्ष बिक्रम कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर दोनों आरोपितों को 40 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया। दोनों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

साहित्यिक-सांस्कृतिक एपिसोड-606 : लघुकथा सृजन यात्रा, पड़ाव-4 संपन्न

"मानवीय संवेदना और सकारात्मक चेतना की आश्वस्ति हैं अनिता रश्मि की लघुकथाएँ" : सिद्धेश्वर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। आज लघुकथा के प्रति पाठकों और रचनाकारों का बढ़ता आकर्षण संयोग नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता है। कविता और कहानी के रचनाकार भी पूरी निष्ठा के साथ लघुकथा की ओर उन्मुख हो रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि आज लघुकथा जितने व्यापक और विविध पाठक-समुदाय तक पहुँच रही है, उतना शायद ही कोई अन्य साहित्यिक रूप पहुँच पा रहा हो।

ग़ज़ल की लोकप्रियता अपनी जगह है, किंतु लघुकथा जिस तीव्रता, आत्मीयता और प्रभाव के साथ पाठक के मन, मस्तिष्क और चेतना को स्पर्श करती है, वह उसे समकालीन साहित्य की एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण विधा के रूप में प्रतिष्ठित करती है। ये विचार वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार सिद्धेश्वर ने व्यक्त किए। भारतीय युवा साहित्यकार परिषद एवं अवसर साहित्य यात्रा के तत्वावधान में आयोजित 'अवसर लघुकथा सप्ताह' के समापन अवसर पर समकालीन लघुकथा पर केंद्रित 'हेलो फेसबुक लघुकथा सम्मेलन' का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया, जिसका सीधा प्रसारण फेसबुक एवं यूट्यूब पर भी हुआ। कार्यक्रम 'साहित्यिक-सांस्कृतिक एपिसोड-606' के अंतर्गत 'लघुकथा सृजन यात्रा, पड़ाव-4' को समर्पित था।

कार्यक्रम के आरंभ में अध्यक्षता कर रहीं वरिष्ठ लेखिका डॉ. अनिता मिश्रा ने अपनी तीन लघुकथाओं का सस्वर पाठ किया। उन्होंने कहा, "लघुकथा सृजन यात्रा तथा यूट्यूब पर प्रसारित 'सिद्धेश्वर की डायरी' साहित्यिक संवाद के सशक्त माध्यम बनकर उभरे हैं। सिद्धेश्वर ने अनेक नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। यह कार्य न केवल अभिनंदनीय है, बल्कि नई पीढ़ी के रचनाकारों के लिए प्रेरणास्रोत भी है। लघुकथा सृजन यात्रा के माध्यम से नए रचनाकारों को सीखने, समझने और अपनी सृजनात्मकता को परिष्कृत करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस मंच ने अनेक नए रचनाकारों को सशक्त लघुकथाकार के रूप में स्थापित किया है।"

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में लघुकथा-पाठ एवं विमर्श में सर्वश्री सुरेंद्र कुमार अरोड़ा, अनिता रश्मि, डॉ. अनुज प्रभात, सिद्धेश्वर, नंद कुमार मिश्रा, विजय कुमार मौर्या, टिक्कन सिंह, सपना चंद्रा, रशीद गौरी, पुष्पा पांडेय, निर्मला कर्ण, रश्मि लहर, टी. के. पांडेय तथा हरि नारायण सिंह ने सहभागिता की।

लघुकथा पर समीक्षात्मक टिप्पणी करते हुए सिद्धेश्वर ने कहा, "अनिता रश्मि की तीनों लघुकथाएँ मानवीय संवेदना, सकारात्मक चिंतन, सामाजिक सरोकार तथा जीवन-मूल्यों की पुनर्प्रतिष्ठा की सशक्त अभिव्यक्तियाँ हैं। इनमें करुणा, आस्था, आत्ममंथन और मनुष्य को अधिक मानवीय बनाने की गहरी आकांक्षा विद्यमान है। ये लघुकथाएँ केवल पढ़ी नहीं जातीं, बल्कि पाठक के भीतर एक दीर्घकालिक संवाद की सृष्टि करती हैं।

आज जब समाज में संवेदनहीनता और आत्मकेंद्रित जीवन-दृष्टि का विस्तार हो रहा है, तब ऐसी रचनाएँ साहित्य के मूल उद्देश्य—मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाने—की सार्थक पूर्ति करती हैं। यही इन लघुकथाओं की सबसे बड़ी उपलब्धि और लेखिका की रचनात्मक सफलता है।" कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र कुमार अरोड़ा ने कहा कि सिद्धेश्वर का यह साहित्य-केंद्रित आयोजन अपने आप में अभूतपूर्व है, जहाँ भीड़ नहीं, बल्कि साहित्य-साधकों की सार्थक उपस्थिति होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से साहित्यिक संस्कारों का संवर्धन होता है तथा नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है।

अवसर साहित्य लघुकथा सप्ताह के अंतर्गत सिद्धेश्वर के संयोजन एवं डॉ. अनिता रश्मि की अध्यक्षता में सप्ताह भर संचालित 'लघुकथा सृजन यात्रा' के सहयात्री रहे— वीरेंद्र कुमार भारद्वाज, निशा भास्कर, पुष्पा जमुआर, निर्मला कर्ण, अनिता रश्मि, सिद्धेश्वर, इंदु उपाध्याय, रशीद गौरी, विजया कुमारी मौर्या, राज बोहरे, डॉ. अनीता पंडा अन्वी, सपना चंद्रा, नंदकुमार आदित्य, मुरारी मधुकर, त्रिपाठी पांडेय, सुनील कुमार सिंह, प्रभात कुमार धवन, सुरेंद्र कुमार अरोड़ा, पवित्रा, सुनीता जागृति, पवित्रा अग्रवाल, निर्मला कर्ण, रश्मि लहर, शेख शहज़ाद, निर्मल दे तथा तेखन सिंह वर्मा। संपूर्ण कार्यक्रम गूगल मीट पर आयोजित हुआ, जबकि उसका सीधा प्रसारण फेसबुक और यूट्यूब पर भी किया गया। अंत में डॉ. अनुज प्रभात ने सभी प्रतिभागियों, श्रोताओं एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

बकाया भुगतान नहीं करने वाली कंपनियों से व्यापार न करें व्यवसायी : चेंबर

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कंज्यूमर ड्यूरेबल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उप समिति की बैठक मंगलवार को चेंबर भवन में हुई। बैठक में चर्चा की गई कि कई कंपनियां वर्तमान डिस्ट्रीब्यूटर का बकाया भुगतान और सेटलमेंट किए बिना ही नये डिस्ट्रीब्यूटर की नियुक्ति कर रही हैं। इससे पुराने डिस्ट्रीब्यूटर की पूंजी फंस जाती है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। व्यापारियों की वास्तविक चिंता को देखते हुए उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि जब तक किसी डिस्ट्रीब्यूटर का सेटलमेंट नहीं हो जाता, तब तक ऐसी कंपनियों के साथ व्यापार नहीं किया जाय। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित कंपनियों की डीलरशिप का भी सामूहिक रूप से हतोत्साहित किया जाएगा। वर्तमान में ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय रिटेल कारोबारियों के सामने उत्पन्न चुनौतियों पर भी बैठक में चर्चा हुई।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण दुकानदार कर रहे घाटे का सामना- सदस्यों ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण स्थानीय दुकानदार लगातार प्रतिस्पर्धा और घटते व्यापार का सामना कर रहे हैं। वहीं उप समिति के अध्यक्ष श्रीकृष्ण अग्रवाल ने व्यापारियों से सोशल मीडिया प्रमोशन कर अपने प्रतिष्ठानों का प्रचार-प्रसार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर सेवा और विश्वास देकर ही स्थानीय बाजार को मजबूत बनाया जा सकता है। उप समिति के अध्यक्ष श्रीकृष्ण अग्रवाल ने कहा कि कंपनियों को अपने व्यावसायिक दायित्वों का पालन करते हुए पुराने डिस्ट्रीब्यूटर का सेटलमेंट करने के बाद ही नए डिस्ट्रीब्यूटर की नियुक्ति करनी चाहिए। यदि कंपनियां व्यापारिक नैतिकता का पालन नहीं करती हैं, तो व्यापारी समाज एकजुट होकर अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। बैठक में चेंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, उप समिति चेयरमैन श्रीकृष्ण अग्रवाल, सदस्य रमेश अग्रवाल, मनोज गुप्ता, प्रकाश कमालिया उपस्थित थे।

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती अनियमितताओं के विरोध में एबीवीपी का प्रदर्शन, सीबीआई जांच की मांग

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) रांची महानगर के नेतृत्व में मंगलवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं एवं भर्ती घोटालों के विरोध में जेपीएससी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन,जेपीएससी और जेएसएससी का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया तथा भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग उठाई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि झारखंड के लाखों युवा वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन बार-बार भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं, चयन प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों और परीक्षाओं में हो रही देरी के कारण अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उनका कहना था कि इन परिस्थितियों से युवाओं का भर्ती संस्थाओं पर विश्वास लगातार कमजोर होता जा रहा है। परिषद् ने चेतावनी दी कि यदि भर्ती घोटालों की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और भर्ती व्यवस्था में आवश्यक सुधारों को लेकर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् राज्यभर में चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी। परिषद् ने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में हाथी संरक्षण जागरूकता पखवाड़ा शुरू

रांची। कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में मंगलवार से हाथी संरक्षण जागरूकता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन आगामी 12 अगस्त 2016 तक चलेगा। अभियान के पहले दिन प्रातःकालीन सभा में विद्यार्थियों ने हाथियों के संरक्षण का संकल्प लिया और हाथियों के मुखौटे पहनकर जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से बच्चों ने लोगों को जंगलों के संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में हाथियों और अन्य वन्यजीवों की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। इसके साथ ही विद्यार्थियों में हाथियों और अन्य वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना देने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मानव-हाथी संघर्ष, दुर्घटनाओं में हाथियों की मौत और जंगलों का लगातार सिमटना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि पखवाड़े का समापन 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों और संरक्षण संदेश के साथ किया जाएगा। इस दौरान विद्यालय में पूरे पखवाड़े के दौरान हाथी संरक्षण विषय पर पेंटिंग, निबंध, भाषण, शैक्षणिक भ्रमण, नुक्कड़ नाटक और अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो सके।

रांची पुलिस को अरगोड़ा चोरी कांड में बड़ी सफलता, 1 करोड़ से अधिक की बरामदगी

रांची। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने बताया कि 9 जुलाई 2026 को अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक नगर निवासी निशित केसरी और अखिलेश पांडेय के घर हुई चोरी का उद्भेदन कर दिया गया है। इस संबंध में अरगोड़ा थाना कांड संख्या 172/26 दर्ज है। कांड के उद्भेदन के लिए गठित एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में प्रयुक्त जगुआर कार UP78EM0101, नगद 17,36,200 रुपये और सोने के आभूषण पहले ही बरामद किए थे। पुलिस ने वृत्तिक अनुसंधान के दौरान सोना व्यवसायी समीर खान उर्फ कबीर खान को चिन्हित कर गिरफ्तार किया।

हेपेटाइटिस उन्मूलन लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : निदेशक

एजेंसी। रांची

विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मंगलवार को होटल चाणक्या बीएनआर में हेपेटाइटिस के लक्षण, बचाव और रोकथाम विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बीमारी की रोकथाम के लिए ब्लॉक स्तर तक जागरूकता, समय पर स्क्रीनिंग और अर्ली डायग्नोसिस सुनिश्चित करना आवश्यक है। मौके पर राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार ने बताया कि हेपेटाइटिस लीवर से जुड़ी वायरल बीमारी है, जिसके पांच प्रकार हैं। इनमें हेपेटाइटिस-बी और सी सबसे

गंभीर हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वायरल लोड जांच के लिए ट्रूनेट मशीनें राज्य के सभी पांच प्रमंडलों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य महामारी विशेषज्ञ डॉ प्रवीण कर्ण ने बताया कि हेपेटाइटिस-ए और ई दूषित भोजन और पानी से, जबकि बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित सुई, असुरक्षित यौन संबंध एवं संक्रमित मां से शिशु में फैलते हैं। वहीं रिम्स के प्रोफेसर डॉ अजित डुंगडुंग ने कहा कि हेपेटाइटिस-सी के लगभग 99 प्रतिशत मामलों का सफल उपचार संभव है, जबकि हेपेटाइटिस-बी को आधुनिक दवाओं से प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने गर्भवती महिलाओं सहित जोखिम वाले लोगों की नियमित जांच कराने की अपील की। कार्यक्रम में हेपेटाइटिस को मात देकर स्वस्थ जीवन जी रहे पवन पहनु, योगेश्वर बेदिया, रूबी देवी और मधु देवी सहित कई चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सीएस डॉ प्रभात कुमार, डॉ बिमलेश सिंह, राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार, डॉ राहुल किशोर, डॉ अजीत डुंगडुंग, प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ़ मेडिसिन, रिम्स, डॉ मनोज कुमार, एचओडी डिपार्टमेंट ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजी रिम्स राज्य महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ प्रवीण कर्ण सहित विभिन्न कार्यक्रम के राज्य स्तरीय नोडल पदाधिकारी सहित अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

श्याम मंदिर में भक्ति भाव से हुआ श्री सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ

एजेंसी। रांची

श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से मंगलवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 214 वां श्री सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम...के गायन और बजरंग बली के जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने आशा मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कराई और आशा मोदी ने केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल प्रसाद का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक डफली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से कराया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के बाद पुनः हनुमान चालीसा

का पाठ करके महाआरती करके भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, अशोक लड़ियां, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान और कृष्णा अंकित सिंह, संकेत चौधरी, ऋषभ चौरसिया, हर्ष मिश्रा, हिमांशु कुमार सहित अन्य भक्त उपस्थित थे। यह जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

ऑपरेशन 'नवजीवन-II' में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता, 16 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी। रांची

झारखंड पुलिस को माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन 'नवजीवन-II' के तहत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 16 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। उन्होंने पुलिस को 11 आधुनिक हथियार, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी सौंपे। पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियानों से माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट रहे हैं। डीजीपी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में 11 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम), तीन जोनल कमेटी सदस्य (जेडसीएम), तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य (एसजेडसीएम), छह एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) तथा तीन दस्ता सदस्य हैं। ये सभी कोल्हान और सारंडा के दुर्गम जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय थे तथा संगठन के शीर्ष नेताओं मिसिर बेसरा उर्फ सागर जी और असीम मंडल के दस्ते से जुड़े बताए जाते हैं। डीजीपी ने कहा कि लगातार सुरक्षा अभियान, संगठन के भीतर बढ़ता असंतोष और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण माओवादी संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। झारखंड में आत्मसमर्पण करने वाले

16 नक्सलियों में से 15 पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, खूंटी, बोकारो, रांची, सरायकेला-खरसावां और गिरिडीह जिलों के निवासी हैं, जबकि एक सदस्य ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक चलाए गए अभियानों के दौरान 93 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इसी अवधि में 45 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जबकि पुलिस मुठभेड़ों में 22 नक्सली मारे गए हैं। इससे पहले 21 मई 2026 को 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। वहीं जुलाई माह में शीर्ष माओवादी कमांडरों के विरुद्ध कार्रवाई और एक महिला एरिया कमेटी सदस्य के आत्मसमर्पण जैसी महत्वपूर्ण सफलताएं भी सुरक्षा बलों को मिली हैं। आईजी साकेत सिंह ने बताया कि झारखंड में सक्रिय रहे आठ अन्य माओवादियों ने छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण किया है। इनमें जोनल कमेटी सदस्य अश्विन उर्फ लच्छू कोरसा, एरिया कमेटी सदस्य सोहन पुनेम, रीता उर्फ मंगली कुंजाम, अनुषा कुंजाम, रजनी मुडकेम तथा सदस्य राहत मांडवी, सुबनी और जेलानी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 15 लाख रुपये का इनामी रीजनल कमेटी सदस्य संतोष उर्फ बासुदेव दा उर्फ गांधी उर्फ दिलीप उर्फ संजय महतो उर्फ बासुकू उर्फ श्याम भी शामिल है। इसके अलावा 10 लाख रुपये का इनामी चंदन लोहरा तथा पांच-पांच लाख रुपये के इनामी अनिल तुरी उर्फ उज्ज्वल और सुखलाल बिरजिया उर्फ अकेला समेत कई जोनल, सब-जोनल और एरिया कमेटी सदस्य भी मुख्यधारा में लौटे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने छह इंसास राइफल, दो एके-47, एक एचके-33 राइफल, एक यूएस कार्बाइन और एक एम-16 राइफल सहित कुल 11 हथियार पुलिस को सौंपे। इसके साथ ही 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी जमा कराए गए। आत्मसमर्पण कार्यक्रम में एडीजी मनोज कौशिक, एडीजी टी. कंडासामी, आईजी अनूप बिरथरे, आईजी साकेत सिंह, आईजी नरेंद्र सिंह, आईजी अजय लिंडा, आईजी मयूर पटेल, डीआईजी इंद्रजीत माहथा, डीआईजी कार्तिक एस., डीआईजी शैलेन्द्र बरनवाल, डीआईजी नौसाद आलम, डीआईजी वाई.एस. रमेश, डीआईजी संजीव कुमार, डीआईजी मनोज रतन चौथे, डीआईजी संध्या रानी मेहता, चाईबासा के एसपी अमित कुमार रेणु, रांची के एसएसपी राकेश रंजन तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

ईडी का धनबाद में एलबी सिंह और गणेश यादव के 25 ठिकानों पर छापा

एजेंसी। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह अवैध कोयला खनन के विरुद्ध झारखंड के धनबाद में कुछ स्थानों पर दबिश दी। कोयला माफिया एलबी सिंह, अनिल गोयल, गणेश यादव, पप्पू मंडल, अनूप चौहान, हरेंद्र चौहान, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रोहित यादव और उनके सहयोगियों से जुड़े 25 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारकर दस्तावेजों की तलाश शुरू कर दी है। कोयला घोटाले के इस मामले में ईडी ने चार अलग-अलग एनफोर्समेंट केस इनफॉरमेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) दर्ज कर पूरे मामले में जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी को सूचना मिली है कि लव सिंह व उसके सहयोगियों ने अवैध तरीके से कोयला खनन, परिवहन व भंडारण से भारी मात्रा में अवैध संपत्ति अर्जित की है। बताया गया है कि ईडी की टीम एलबी सिंह के साले रंजीत सिंह के घर भी पहुंची है। रंजीत सिंह ने घर को अंदर से बंद कर लिया है। ईडी की टीम उनके घर के बाहर है। उल्लेखनीय है कि 21 नवंबर 2025 को ईडी ने एलबी सिंह व उनके सहयोगियों के धनबाद और दुमका स्थित करीब 20 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस छापेमारी में ईडी को 150 से अधिक जमीन के दस्तावेज और दो करोड़ 20 लाख रुपये की नगदी मिली थी। ईडी को छानबीन में अवैध तरीके से कोयला खनन, परिवहन और भंडारण से संबंधित साक्ष्य मिले थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू

अति अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

1. ई0–निविदा संख्या–EE/RDSD/Palamau-F2-05/2025-26 (3RD Call)
(Two Envelope System)

S. No.	Group No.	Name of Work	Estimated Cost	Amount of Earnest Money	Cost of Tender Paper	Time Completion of Work
1	2	3	4	5	6	7
1.	2	प्रखंड पांकी में डंडार बगीचा से बसडीहा पी0डब्लू0 डी0 पथतक पथ निर्माण।	92,81,800.00	1,85,700	10000	4 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि– **31.07.2026** (05:00 अपराह्न से)
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक **31.07.2026** (**अपराह्न 5:00 बजे से** दिनांक **08.08.2026** को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।
5. तकनीकि बिड खोलने की तिथि एवं समय 10.08.2026 अपराह्न 3:00 बजे।
6. **वित्तीय बिड खोलेन की तिथि – पत्र द्वारा घोषित किया जायेगा।**
7. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू।
8. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं०– 06562–355581
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि काई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाब देही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू

PR 386026 District(26-27)#D

झारखंड में सामान्य से 27 प्रतिशत कम बारिश

रांची। झारखंड में मानसून की रफ्तार अब भी सामान्य से पीछे चल रही है। राज्य में एक जून से 28 जुलाई तक सामान्य 478.3 मिलीमीटर के मुकाबले 352.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से 27 प्रतिशत कम है। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी। विभाग के अनुसार, राज्य के 24 जिलों में केवल पश्चिमी सिंहभूम में ही सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सामान्य 461.9 मिलीमीटर के मुकाबले 534 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक है। इसके बाद सरायकेला-खरसावां में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई, जहां सामान्य 470.2 मिलीमीटर के मुकाबले 464.2 मिलीमीटर बारिश हुई। यह सामान्य से मात्र एक प्रतिशत कम है। इसके अलावा पूर्वी सिंहभूम, रांची और रामगढ़ में भी अपेक्षाकृत अच्छी वर्षा हुई है। इन जिलों में सामान्य से क्रमशः 13, 17 और 12 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। हालांकि राज्य के अधिकांश अन्य जिलों में वर्षा का आंकड़ा सामान्य से काफी कम बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में पूरे मानसून सीजन के दौरान औसतन लगभग 1,200 मिलीमीटर वर्षा होती है। इसके मुकाबले अब तक लगभग एक-तिहाई बारिश ही दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 167.2 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी में रिकॉर्ड की गई। वहीं, इस अवधि में सबसे अधिक तापमान बोकारो में 33.1 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार सुबह से रुक-रुक कर पूरे दिन बारिश होती रही। मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री और न्यूनतम 22.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.6 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.1 डिग्री और न्यूनतम 24.5 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम 31.8 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

कार्यलिय जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, पलामू
(जिला जनसम्पर्क इकाई, पलामू)

सरकारी कार्यक्रमों/योजनाओं के प्रचार–प्रसार से संबंधित अल्पकालीन निविदा

पलामू जिला में आई0ई0सी0 प्लान के तहत सरकार के विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों का प्रचार–प्रसार तथा वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी इत्यादि कार्य मेला/हाट–बाजार तथा अन्य क्षेत्रों में ध्वनि विस्तारक यंत्र आदि के माध्यम से कराने तथा प्रदर्शनी लगाने हेतु इच्छुक फर्मों/संस्थानों से अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता दिनांक 03.08.2026 के अपराह्न 05:00 बजे तक तकनीकी एवं वित्तीय बिड अलग–अलग मुहरबंद लिफाफे में सूचना भवन स्थित जिला जनसम्पर्क कार्यालय, पलामू में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद निविदा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जायेगी। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 04.08.2026 के अपराह्न 04:00 बजे जिला स्तरीय क्रय समिति के समक्ष निविदादाताओं की उपस्थिति में खोला जाएगा। जिन निविदादाताओं का तकनीकी बिड स्वीकृत किया जाएगा उन्हीं निविदादाताओं के वित्तीय बिड खोले जायेंगे। निविदा की शर्त्तें, तकनीकी एवं वित्तीय बिड का प्रारूप आदि अन्य सूचनाएं कार्यालय के सूचना पट्ट के साथ–साथ PRD झारखण्ड के अधिकृत वेबसाईट www.prdjharkhand.in एवं www.palamu.nic.in पर भी उपलब्ध है।

जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, पलामू
उपायुक्त, पलामू

PR 386086 IPRD(26-27)#D

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, रांची
कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, पलामू
Email Id-dhopalamau@gmail.com

आम सूचना

विभागीय राज्यादेश सं0–29 दिनांक 24.06.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष–2026–27 में उद्यान विकास की योजना अन्तर्गत उपयोजना ''प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग'' के प्राप्त लक्ष्य के अनुसार शहरी इलाकों एवं उनसे सटे हुए आस–पास के शहरी क्षेत्रों में बसे हुए परिवार के घरों के आवासीय परिसर में खाली पड़े भू–खण्ड़ों एवं सरकारी परिसरों जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन किये जाने हेतु इच्छुक लाभुकों से आवेदन की माँग की जाती है। इस योजना का कार्यान्वयन सरकारी परिसर में शत प्रतिशत अनुदान पर एवं निजी व्यक्तियों के Terrace Gardening एवं आवासीय परिसर में खाली पड़े भू–खण्ड़ों पर 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा। **दिनांक–04.08.2026** तक जिला उद्यान कार्यालय, पलामू में आवेदन जमा कर सकते हैं।

नोटः–
1. ST, SC तथा लघु सीमांत एवं महिला कृषक को प्राथमिकता दी जायेगी।
2. अपूर्ण आवेदन स्वतः रद्द समझा जायेगा।
3. योजना के संदर्भ में विशेष जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र की प्राप्ति हेतु जिला उद्यान कार्यालय, पलामू से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला उद्यान पदाधिकारी
पलामू

PR 386022 District(26-27).D

कार्यालय जिला उद्यान पदाधिकारी, पलामू
नूतन अतिथि गृह,प्रथम तल पुराना प्रखण्ड परिसर मेदिनीनगर
dhopalamau@gmail.com

आम सूचना

विभागीय स्वीकृत्यादेश सं0 26 दिनांक 19.06.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए ''कृषि निर्यात एवं कृषि विपणन–सह–पोस्ट हार्वेस्ट आधारभूत संरचना का विकास '' योजना अन्तर्गत सरकारी अनुदान पर भौतिक लक्ष्य के प्राप्ति एवं योजना का कार्यान्वयन हेतु इच्छुक कृषकों/महिला समूह/सखी मंडल/कृषक समूह/FPO से आवेदन आमंत्रित की जाती है।

क्र0	योजना कार्य अवयव	अभियुक्ति
1	टमाटर की सोर्टिंग एवं ग्रेडिंग	70% अनुदान सम्पन्न कृषकों को एवं 95% अनुदान अनु0जाति/अनु0जनजाति वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर कृषकों के लिए है।
2	वातावरण नियंत्रित पूर्व शीतलन कक्ष(Precooling Unit)	
3	पैक हाउस इकाई की स्थापना	
4	वाष्पनिक /निम्न उर्जा शीत कक्ष इकाई की स्थापना (cold Room 8 MT)	
5	माप तौल यन्त्र (Weighting Machine)	

उपर्युक्त योजना हेतु निम्नलिखित नियम एवं शर्तें लागू हैं :–
1. योजना 70% या 95% पर आधारित है। कृषक अंशदान की राशि लाभुक को वहन करना होगा।
2. इन योजनाओं का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृषक को कार्यालय से आवेदन प्राप्त कर विहित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भर कर पंचायत प्रतिनिधि से अनुशंसा कराकर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 04.08.2026 तक 5.00 बजे अपराह्ण तक आवेदन दे सकते हैं।
3. आवेदन पत्र के साथ आवश्यक कागजात यथा आवेदक का फोटोग्राफ, आधार कार्ड, मोवाईल नं0, बैंक पासबुक, शपथ पत्र जमीन संबंधी अद्यतन रसीद या एल0पी0सी0 जिसके पीछे मुखिया द्वारा प्रमाणित वंशावली एवं आवेदक के हिस्से में पड़ने वाले जमीन का जिक्र हो संलग्न होना आवश्यक है।
4. आवेदन पर जनप्रतिनिधि एवं BAO/BTM/ATM/VLW/VEW का अनुशंसा होना आवश्यक है।
5. एग्री स्मार्ट ग्राम को विससित करने हेतु योजना लाभ में प्राथमिकता दी जायगी। महिला कृषक एवं JSLPS से प्राप्त कृषक समूह/महिला स्वयं सहायता समूह/FPO को प्राथमिकता दी जायेगी।
6. इस योजना वैसे कृषकों का चयन किया जायेगा जिनके पास फल, सब्जी की खेती पोस्ट हार्वेस्ट संरचनाओं का निर्माण हेतु पर्याप्त मात्रा में भूमि एवं सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो।
7. लाभुक का चयन पदाधिकारी/कर्मी/उद्यान मित्र के द्वारा स्थल जॉच कर चयन समिति के सर्वाधिक उपयुक्त कृषक का चयन किया जायेगा।
8. आवेदन कार्यालय द्वारा उपलब्ध विहित प्रपत्र में ही भरा जायेगा, जिसे कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। अपूर्ण/गलत आवेदन/ पूर्व में जिस किसान ने लाभ लिए हैं उनका आवेदन स्वतः रद्द समझा जायेगा।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
पलामू

PR 386018 District(26-27).D

रथ यात्रा के समापन पर ओडिशा में मनाया गया 'रसगुल्ला दिवस'

भुवनेश्वर, एजेंसी। वार्षिक रथ यात्रा के समापन पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के पुरी स्थित श्री मंदिर में लौटने के उपलक्ष्य में सोमवार को ओडिशा में 'रसगुल्ला दिवस' मनाया गया.

'नीलाद्रि बीजे' के अवसर पर 'रसगुल्ला दिवस' मनाया जाता है. नीलाद्रि बीजे वह अनुष्ठान है, जिसके तहत तीनों देवी-देवताओं की मंदिर में वापसी होती है. इसी दिन भगवान जगन्नाथ को विधिवत रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है. मंदिर की परंपरा में इस रसगुल्ले को 'खीरा मोहन' कहा जाता है. साल में केवल नीलाद्रि बीजे के दिन ही भगवान जगन्नाथ को रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है. हालांकि, मंदिर में यह परंपरा सदियों पुरानी है, लेकिन राज्य में 'रसगुल्ला दिवस' 2015 से मनाया जा रहा है. ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'पावन नीलाद्रि बीजे और रसगुल्ला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं. महाप्रभु की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आए.' मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस दिन को उड़िया अस्मिता, संस्कृति और भक्ति की अनूठी अभिव्यक्ति बताया. उन्होंने कहा, 'नीलाद्रि बीजे और रसगुल्ला दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. भगवान श्री जगन्नाथ का नीलाद्रि बीजे केवल आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि उड़िया अस्मिता, संस्कृति और भक्ति की अद्वितीय अभिव्यक्ति भी है.' पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल (ब्बझ्ठ) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ रसगुल्ला भेंट कर महालक्ष्मी को मनाते हैं. रथ यात्रा में अपने साथ न ले जाने के कारण माता लक्ष्मी भगवान से नाराज रहती हैं. पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर में, रसगुल्ले की उत्पत्ति से जुड़े ऐतिहासिक साक्ष्य जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शोधकर्ता असित मोहंती ने कहा कि प्रारंभिक समय में मंदिर में इस मिष्ठान को 'खीरा मोहन' कहा जाता था और यही आज के समय का रसगुल्ला है. ओडिशा को 29 जुलाई 2019 को छेना से बनी चाशनीयुक्त मिठाई 'रसगुल्ला' के लिए भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त हुआ था. मोहंती ने कहा, 'हमारा (ओडिशा का) रसगुल्ला बंगाल के रसगुल्ले से पूरी तरह अलग है.

6 साल के बच्चे की मौत के बाद एक्शन मोड में ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में अवैध रास्ते बंद करने का काम शुरू कर दिया गया है। सेंट्रल वर्ज की टूटी फेंसिंग को सही करने के साथ सड़कों के किनारे खुले पड़े नालों को ढकने का काम भी तेज कर दिया गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में खतरनाक गड्ढों को ढूंढ़कर उन्हें भरने का काम किया जा रहा है। सोमवार को परियोजना विभाग के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय दिखे। कलाधाम सोसायटी परिसर में नलकूप के लिए खोदे गए गड्ढे डूबने से छह साल के बच्चे अव्यान की मौत से प्राधिकरण के अधिकारी हरकत में आ गए हैं। सीईओ ने दुर्घटना संभावित सभी स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इस पर परियोजना विभाग ने काम शुरू कर दिया है।

केंद्र से 335 करोड़ रुपये की सौगात, कृषि विकास योजना की दूसरी किस्त पाने वाला पहला राज्य बना

मुंबई, एजेंसी। केंद्र सरकार ने राज्य के किसानों को 335 करोड़ रुपये का पैकेज दिया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र नेशनल एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट स्कीम (एनएडीएस) के तहत फंड की दूसरी किस्त पाने वाला पहला राज्य बन गया है। यह राशि कृषि विकास, अत्याधुनिक खेती, मार्डर्न टेक्नोलॉजी, सिंचाई और ऑर्गेनिक फार्मिंग जैसे कार्यों पर खर्च की जाएगी। यह जानकारी कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने दी है। केंद्रीय

कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएम एनएडीएस के तहत 335 करोड़ रुपये के फंड की दूसरी किस्त को मंजूरी दी है।

चौहान के साथ हुई ऑनलाइन समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री भरणे सहित केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। चौहान ने पीएम एनएडीएस के तहत महाराष्ट्र द्वारा 75 प्रतिशत से ज्यादा फंड के अच्छे इस्तेमाल के लिए प्रशंसा की। स्कीम में 81.73 प्रतिशत फंड खर्च करके महाराष्ट्र देश के सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है।

मंजूर राशि का उपयोग कृषि विकास, आधुनिक कृषि तकनीक, माइक्रो इरिगेशन, कृषि मशीनीकरण, जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और अन्य कृषि विकास परियोजनाओं के लिए किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों से जोड़कर कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना है।

कृषि मंत्री भरणे ने बताया कि मंजूर किए गए फंड में से राज्य सरकार का 40% कॉम्पलमेंट्री हिस्सा 223 करोड़ रुपये राज्य में कृषि विकास के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस फंड से माइक्रो इरिगेशन, एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन, ऑर्गेनिक फार्मिंग, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और नेशनल एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट स्कीम के तहत अलग-अलग परियोजनाओं के लिए अच्छे से लागू किया जाएगा।

सरकार का मानना है कि इस वित्तीय सहायता से महाराष्ट्र में आधुनिक सिंचाई प्रणाली का विस्तार होगा, कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जैविक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा और मृदा स्वास्थ्य सुधार संबंधी योजनाओं को मजबूती मिलेगी। इससे किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ कृषि क्षेत्र के सतत विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

सक्षिप्त समाचार

अमरनाथ यात्रियों से भरी बस 20 मीटर गहरी खाई में गिरी

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में सोमवार तड़के एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अमरनाथ यात्रा से लौट रहे करीब

50 श्रद्धालुओं से भरी एक बस अनियंत्रित होकर 20 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। यह दुर्घटना उस समय हुई जब यात्री बालटाल से श्रीनगर की ओर जा रहे थे। गनीमत यह रही कि मौके पर मौजूद सुरक्षाबलों ने तुरंत मोर्चा संभाला और मलबे में तब्दील हुई बस से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, बस (रजिस्ट्रेशन नंबर एआर 11 डी 5655) सोमवार सुबह करीब 5 :30 बजे हरिगनीवान के पास एस-मोड़ पर पहुंची थी। इसी दौरान चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस सड़क से उतरकर सिंध नदी के किनारे स्थित गहरी खाई में समा गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, लेकिन पास ही तैनात सुरक्षाबल तुरंत सक्रिय हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंच गए। बिना समय गंवाए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और एक-एक कर सभी 50 यात्रियों को बस से बाहर निकाला गया। राहत की बात यह है कि इस खौफनाक हादसे में किसी भी श्रद्धालु की जान नहीं गई है। घायल यात्रियों को तुरंत प्राथमिक उपचार के बाद सब-डिस्ट्रिक्ट अस्पताल, कंगन भेजा गया है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है। सोमवार को ही 3,800 से अधिक श्रद्धालुओं का 12वां जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक कुल 1,27,326 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से अपनी यात्रा शुरू कर चुके हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए हैं और चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबल तैनात हैं।

गाजियाबाद में प्रशासनिक लापरवाही से कांवड़ियों की डगर होगी कठिन

साहिबाबाद, एजेंसी। कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से सावन शुरू होने के साथ ही शुरू हो जाएगी। कांवड़ यात्रा से पहले नगर निगम ने कांवड़ मार्ग पर गड्ढों को भरने का दावा किया था। बावजूद इसके ट्रांस हिंडन क्षेत्र में अभी भी कई जगह गड्ढे हैं। इन गड्ढों से राह से गुजरना भी मुश्किल है। यहां हादसे का खतरा बना रहता है। ऐसे में कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की डगर कठिन हो सकती है। लेकिन जिम्मेदार सुध नहीं ले रहे हैं। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में हिंडन नहर रोड पर खोड़ा और वैशाली सेक्टर पांच और छह की पुलिया के पास, हिंडन बैराज बालाजी विहार और एलिवेटेड रोड के नीचे, जीटी रोड पर मोहननगर तिराहे के पास, लाजपत नगर, साहिबाबाद रेलवे स्टेशन और राजेंद्र नगर के पास और दिल्ली वजीराबाद रोड पर जगह-जगह अभी भी गड्ढे हैं। वैशाली सेक्टर- पांच व छह की पुलिया के पास हिंडन नहर रोड पर टूटी पड़ी सड़क। जागरण जीटी रोड पर हुए गड्ढे आए दिन हादसे का सबब बन रहे हैं। वर्षा के समय इन रास्तों से होकर गुजरना कांवड़ियों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। वर्तमान में वर्षा भी हो रही है और सड़कों पर जलभराव के दौरान गड्ढे दिखाई नहीं देते हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान इन गड्ढों के कारण हादसे हो सकते हैं। इसको लेकर लोगों को पहले से ही डर सता रहा है। कांवड़ यात्रा को लेकर खोड़ा नगर पालिका द्वारा करीब 600 मीटर सड़क बनाई जाएगी।

सीजेपी की चेतावनी के बाद सरकार का फैसला

बिहार के बाद असम में भी रिहा होंगे प्रदर्शनकारी

पटना, एजेंसी। बिहार और असम सरकार ने नीट-यूजी में अनियमितताओं को लेकर किए गए प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी मामलों को रद करने के साथ ही उन्हें रिहा करने का फैसला किया है। बिहार सरकार ने कहा है कि 26 जुलाई की शाम छह बजे तक दर्ज सभी प्राथमिकी, परिवाद और कारण बताओ नोटिस वापस लिए जाएंगे। आंदोलन में नामित लोगों के खिलाफ भविष्य में भी कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष कार्रवाई नहीं की जाएगी। इससे पहले, दिन में काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने दिल्ली में प्रेस कान्फ्रेंस कर प्रदर्शनकारियों और आयोजकों पर दर्ज आपराधिक मामलों को वापस नहीं लिए जाने पर नाराजगी जताई थी। साथ ही चेतावनी दी थी कि मंगलवार तक मांग पूरी न हुई तो फिर से सड़क पर उतरकर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बता दें कि छात्र संगठनों के आंदोलन के दौरान बिहार के कई जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई थी। पुलिस मुख्यालय के अनुसार प्रदर्शन के दौरान पूरे राज्य में कुल 694 लोगों को हिरासत में लिया गया था। इनमें 339 नाबालिग थे, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया था। वहीं, हिंसक घटनाओं में शामिल पाए गए 355 लोगों को न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस मुख्यालय के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 91 पुलिस अधिकारी व जवान घायल हुए हैं। सारण जिले में दो प्रखंड विकास पदाधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जबकि सिवान और सीतामढ़ी के पुलिस अधीक्षक सहित कई पुलिस अधिकारी भी जख्मी हुए थे। इस घटनाक्रम के बीच सरकार के इस फैसले को आंदोलनकारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। उधर, असम के गृह और राजनीतिक विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश में 13 लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है।

उधर, सीजेपी ने स्पष्ट किया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला 36 दिवसीय धरना खत्म होने से पहले केंद्र सरकार के साथ तीसरे दौर की बातचीत में इस विषय पर विस्तृत चर्चा हुई थी। इसमें सहमति बनी थी कि देशभर में प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी

एफआइआर वापस ली जाएंगी। साथ ही, भविष्य में किसी भी आयोजक या प्रदर्शनकारी पर नया मामला दर्ज नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल के साथ पत्रकार वार्ता में सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा कि इस संबंध में केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और जीतेंद्र सिंह को एक ड्राफ्ट समझौता सौंपा था। सहमति बनी थी कि कानूनी सलाह-मशविरे के बाद सरकार मंगलवार तक लिखित समझौता साझा कर देगी। हमें उम्मीद है कि केंद्रीय कैबिनेट मंत्री उस वादे का सम्मान करेंगे और किसी भी प्रदर्शनकारी को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। आगे चेताते हुए उन्होंने कहा कि यदि मंगलवार तक लिखित समझौता नहीं मिलता और गिरफ्तार लोगों को रिहा नहीं किया जाता, तो पार्टी दोबारा आंदोलन छेड़ेगी। रंका ने आगे कहा कि इस युवा आंदोलन को कानूनी झमेलों से बचाने के लिए सिब्बल से लगातार सलाह ली जा रही है। उधर, सीजेपी के एक अन्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि संगठन को पहले से ही आशंका थी कि प्रदर्शन समाप्त होने के बाद आंदोलन में शामिल लोगों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जाएगा। आशंका-प्रदर्शनकारियों को निशाना बना सकती है दिल्ली पुलिस सिब्बल ने कहा कि जहां-जहां छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज होंगे, वहां-वहां उन्हें कानूनी मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की,

आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी के पक्ष में आगे आईं मायावती, बोलीं- बुलडोजर नहीं चलना चाहिए

मुराबादाबाद , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी के पक्ष में अब बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती भी खुलकर सामने आ गई हैं। मायावती ने जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर ऐक्शन का विरोध करने के साथ ही ध्वस्तीकरण के आदेश पर मुराबादाबाद कमिश्नर कोर्ट की रोक का स्वागत किया है। मायावती ने यह भी कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी ही नहीं किसी भी शिक्षण संस्थान ने नियमों का उल्लंघन किया है तो बुलडोजर चलाने की बजाय उसे नियमित करने पर विचार करना चाहिए।

मायावती ने मंगलवार की सुबह इसे लेकर एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि रामपुर में समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद आज़म ख़ान के पारिवारिक ट्रस्ट की तरफ से स्वतंत्रता सेनानी मोहम्मद अली जौहर के नाम पर स्थापित यूनिवर्सिटी की 38 शिक्षण इमारतों को नक्शा आदि के अभाव में ध्वस्त करने की रामपुर विकास प्राधिकरण की कार्रवाई पर अब रोक लगाने का फैसला उचित और स्वागत योग्य है। मायावती ने कहा कि केवल जौहर विश्वविद्यालय ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में अगर अन्य और भी शिक्षण संस्थायें हैं जो

अपने निर्माण आदि में सरकारी नियमों आदि का सही से अनुपालन नहीं कर पाये हैं तो उन पर भी बुलडोजर नहीं चलना चाहिए। उन्हें तोड़ने की सख़्ती करने के बजाय सरकार को उन सबको सही व नियमित कराने के बारे में ज़रूरी कार्रवाई करने की नीति अपनानी चाहिये। यह कोशिश होना चाहिए कि वहां शिक्षा हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं का जीवन किसी भी प्रकार से प्रभावित ना होने पाए। फिलहाल यूनिवर्सिटी प्रबंधन को प्रशासनिक और कानूनी मोर्चे पर फिलहाल बड़ी राहत मिल गई है। मंडलायुक्त कोर्ट ने यूनिवर्सिटी कैंपस के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण के रामपुर विकास प्राधिकरण के आदेश पर सोमवार को अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत के इस रुख के बाद आरडीए उपाध्यक्ष का ध्वस्तीकरण आदेश फिलहाल निष्प्रभावी हो गया है, जिससे विवि परिसर में फिलहाल बुलडोजर की कार्रवाई पर विराम लग गया है।

मंडलायुक्त ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि उनकी अदालत में प्रकरण का अंतिम निस्तारण होने तक आरडीए उपाध्यक्ष द्वारा पारित ध्वस्तीकरण आदेश प्रभावी नहीं रहेगा। ऐसे में फिलहाल विश्वविद्यालय परिसर में किसी प्रकार की ध्वस्तीकरण कार्रवाई नहीं की जाएगी।

फर्जी आधार-पैन के साथ 2 बांग्लादेशी पकड़े गए, एक मददगार भी गिरफ्तार

किशनगंज , एजेंसी। बिहार के किशनगंज जिले में प्रभारी पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ला को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर दो बांग्लादेशी नागरिकों और उनके भारतीय एजेंट को गिरफ्तार किया गया है. एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ वन खुसरू सिराज ने डीआईयू टीम के साथ प्रेम पुल इलाके में वाहन जांच अभियान चलाया. दौरान एक बाइक सवार को संदिग्ध पाकर रोका गया, जिसने भागने का प्रयास किया लेकिन सशस्त्र बलों की मदद से उसे पकड़ लिया गया. दो बांग्लादेशी नागरिक सहित एजेंट गिरफ्तार : पुलिस टीम की सतर्कता से बाइक सवार जाकिर हुसैन को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में उसके घर पर छापा मारकर उसकी पत्नी बताई जा रही बांग्लादेशी महिला तैयबा इस्लाम उर्फ तंजिला अख्तर और उसके पति हसन शेख उर्फ हसन उल्लाह को भी महिन गांव डीलर चौक से दबोचा गया. तीनों पर अवैध रूप से भारत में रहने का आरोप है. किशनगंज में छिपे थे बांग्लादेशी नागरिक : गिरफ्तार भारतीय एजेंट जाकिर हुसैन (24 वर्ष) महिन गांव डीलर चौक वार्ड नंबर 9, किशनगंज का निवासी है. बांग्लादेशी नागरिक हसन शेख उर्फ असन उल्लाह (32 वर्ष) का स्थायी पता शरियतपुर जिले का है, जबकि उसकी पत्नी तैयबा इस्लाम उर्फ तंजिला अख्तर (28 वर्ष) नारायणगंज जिले की रहने वाली है. दोनों बांग्लादेशी लंबे समय से किशनगंज में छिपे हुए थे. बिना दस्तावेज के अवैध ठहराव : पूछताछ में दोनों बांग्लादेशी नागरिकों ने भारत में रहने के कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए.

सीएम योगी और पीएम पर अभद्र नारेबाजी पड़ी भारी; वायरल वीडियो से होगी आरोपियों की पहचान, मुकदमा दर्ज

अलीगढ़ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित रूप से अभद्र नारेबाजी किए जाने के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। घंटाघर क्षेत्र में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के पदाधिकारियों और समर्थकों द्वारा किए गए प्रदर्शन के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने कथित रूप से अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, जबकि घंटाघर पर लगे पोस्टर

फाड़ने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वायरल वीडियो और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। आसपास के व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सरकारी भवनों में लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी जुटाई जा रही है, ताकि प्रदर्शन में शामिल लोगों की सटीक पहचान की जा सके। क्षेत्राधिकारी सर्वम सिंह ने बताया कि पूरे घटनाक्रम का बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है। प्रदर्शन में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की जांच होगी। जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने पहुंचे थे, उन्हें अलग नजरिए से देखा जाएगा, लेकिन जिन लोगों ने कथित रूप से भड़काऊ नारे लगाए, पोस्टर फाड़े या कानून व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास किया, उनके खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रदर्शन के दौरान ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों से भी जानकारी जुटा रही है।

बेंगलुरु में शर्मनाक हरकत, कैब का इंतजार कर रही महिला से स्कूटी सवार ने पूछा- तुम्हारा रेट क्या है?

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के राममूर्ति नगर में कैब का इंतजार कर रही एक महिला से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि एक स्कूटर सवार व्यक्ति ने उसके पास आकर अभद्र टिप्पणी की और उसका रेट पूछा। महिला द्वारा घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाने और पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाने के बाद बेंगलुरु पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित महिला ने बताया कि जब वह अपनी कैब की प्रतीक्षा कर रही थी, तभी एक व्यक्ति स्कूटर से उसके पास आया और पूछा, 'तुम्हारा क्या रेट है?' महिला के अनुसार, इस सवाल के साथ ही उसने बेहद आपत्तिजनक और डराने वाली बातें भी कीं। सोशल मीडिया पर अपना दर्द साझा करते हुए महिला ने लिखा कि एक महिला के तौर पर मुझे किसी वस्तु की तरह देखे जाने या पैसों की पेशकश झेलने के बिना सुरक्षित रूप से कैब का इंतजार करने का अधिकार होना चाहिए। उसके शब्द बेहद अपमानजनक थे और उन्होंने मुझे अपनी सुरक्षा के प्रति भयभीत कर दिया।

वीडियो बनाते ही गाली-गलौज कर भागा आरोपी- महिला ने बताया कि जब उसने अपने मोबाइल फोन से घटना को रिकॉर्ड करना शुरू किया, तो आरोपी को समझ आ गया कि उसका वीडियो बनाया जा रहा है। इसके बाद उसने महिला के साथ गाली-गलौज की और तुरंत मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने घटना में इस्तेमाल किए गए वाहन का नंबर ञ्च03 चत्तक्6190 बताते हुए प्रशासन से आरोपी की पहचान करने और उस पर कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है। महिला ने लिखा कि चुप्पी केवल अपराध करने वालों का हौसला बढ़ाती है। सार्वजनिक स्थान सभी के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक होने चाहिए।

बेंगलुरु पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस शिकायतकर्ता द्वारा साझा किए गए वीडियो और वाहन के पंजीकरण नंबर की प्रामाणिकता की जांच कर रही है। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में, कर्नाटक के दावणगेरे जिले में पुलिस ने एक 30 वर्षीय गृहिणी को ब्लैकमेल करने और उसका बार-बार यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक स्थानीय जिम मालिक के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला नीटुवल्ली स्थित एक जिम में पिछले डेढ़ साल से जा रही थी। महिला का आरोप था कि जिम मालिक-सह-ट्रेनर ने चेंजिंग रूम में बिना सहमति के उसकी गुप्त तस्वीरें और नग्न वीडियो बना लिए थे। आरोपी पिछले तीन-चार महीनों से इन रिकॉर्डिंग्स के जरिए महिला को सोशल मीडिया पर वीडियो लीक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था और अनुचित मांगें रख रहा था। सामाजिक बदनामी के डर से पीड़िता शुरुआत में चुप रही, लेकिन बाद में उसने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

नीट आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई ने खड़े किए बड़े सवाल ?

नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जिम्मेदारी तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करना क्या ऐसी गतिविधि है, जिसके लिए विद्यार्थियों को बेरहमी से पीटा जाए या उनसे दुर्व्यवहार किया जाए ?एक लोकतांत्रिक देश के नागरिक होने के नाते अगर लोग सरकार की किसी कमजोरी पर सवाल उठाते हैं या अपने असंतोष को जाहिर करते हैं, तो क्या उन्हें चुप कराने के लिए पुलिस की बेलगाम सख्ती का सहारा लेने को उचित ठहराया जा सकता है? यह सवाल नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मुद्दे पर खड़े हुए आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ पुलिस के रवैये के सामने आने के बाद उठा है, जिसमें यह विचार करने की जरूरत तक नहीं समझी गई कि क्या प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग आखिरी विकल्प था।अव्वल तो आंदोलनकारियों से संवाद के तकाजे को तरजीह नहीं दी गई। उसके बाद दिल्ली के जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वालों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, छात्र–छात्राओं की पिटाई की गई, उससे सरकार की मंशा और लोकतंत्र के प्रति उसके दायित्वों पर गहरे सवाल उठे हैं। इसी मुद्दे पर और जंतर–मंतर पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ मुंबई में हुए एक प्रदर्शन के दौरान कुछ विद्यार्थियों को एक पुलिसकर्मी ने आपत्तिजनक और गैरकानूनी तरीके से धमकी दी कि घर चले जाओ, नहीं तो जेब में 'पाउडर' डाल देंगे और फिर जिंदगी भर परेशान रहोगे।सवाल है कि एक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने भर के लिए विद्यार्थियों या किसी भी व्यक्ति को पुलिस ऐसी धमकी देती है, तो उसे कैसे देखा जाएगा? क्या यह एक ऐसी हरकत नहीं है, जिसकी आखिरी चोट कानून के शासन पर ही पड़ेगी? खासतौर पर जब कानून की रक्षा का दायित्व निभाने वाला एक व्यक्ति ही बेहिचक गैरकानूनी धमकी दे रहा हो, तो इसके बाद किससे उम्मीद की जाएगी?संभव है कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौकस रहना पुलिस की जिम्मेदारी के तहत जरूरी है, लेकिन अगर किसी पुलिसकर्मी की हरकत की वजह से ही कानून का शासन भंग होता हो, तो उसे कैसे देखा जाएगा? नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जिम्मेदारी तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करना क्या ऐसी गतिविधि है, जिसके लिए विद्यार्थियों को बेरहमी से पीटा जाए या उनसे दुर्व्यवहार किया जाए? इसी तरह कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों के हंगामे और पुलिसकर्मियों पर हमले को भी उचित नहीं ठहराया जा सकता।

नए टैरिफ –क्या भारत के दवा निर्यात के सामने खड़ा हो गया बड़ा संकट?

भारत की बात की जाए, तो उसे 'दुनिया का दवाखाना' भी कहा जाता है, क्योंकि वह अनेक देशों को जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया। अमेरिका ने भारत समेत विभिन्न देशों पर शुल्क नीति के जरिए दबाव बनाने की कोशिशें फिर तेज कर दी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एलान किया है कि अमेरिका आयातित जेनेरिक दवाओं पर अगस्त, 2028 से शुल्क लगाएगा, जो पहले वर्ष 100 फीसद और उसके बाद 200 फीसद हो जाएगा। यही नहीं, बीते गुरुवार को ट्रंप ने भारत सहित 16 अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर 10 फीसद अतिरिक्त शुल्क की भी घोषणा की है।हालांकि, अमेरिका की ओर से इस पर कई तरह के तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन इन कदमों को पूर्व में अदालत से खारिज हुए भारी–भरकम शुल्क लगाने के फैसले को नए रूप में लागू करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के इस निर्णय का निश्चित रूप से भारत के दवा निर्यात पर असर पड़ेगा, क्योंकि वह अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि भारत आने वाले दिनों में इस चुनौती से कैसे निपटेगा?गौरतलब है कि अमेरिका की ओर से पिछले साल भारत पर 50 फीसद शुल्क लगाए जाने से देश के निर्यात कारोबार पर काफी असर पड़ा था। हालांकि, बाद में अमेरिका की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले को रद्द कर दिया था। अब अमेरिका ने जेनेरिक दवाओं के आयात पर भारी–भरकम शुल्क लगाने का फैसला किया है। जानकारों का मानना है कि ट्रंप रणनीतिक रूप से अपनी शुल्क नीति को जिंदा रखना चाहते हैं। भारत की बात की जाए।

21वीं सदी में भारत के खिलाफ लड़े जा रहे इस पांचवीं पीढ़ी के युद्ध का मुकाबला केवल पारंपरिक पुलिस बल से नहीं बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति और तकनीकी श्रेष्ठता से ही किया जा सकता है। सरकार के इस कदम ने न केवल एक बड़े राष्ट्रीय संकट को टाला दिया है बल्कि दुनिया को संदेश दे दिया कि भारत अपनी संप्रभुता से समझौता करने वाले किसी भी आंतरिक या बाहरी भितरघाती को बख्शने वाला नहीं है।

विदेशी शक्तियों और भितरघातियों की जुगलबंदी विफल

(डॉ. रवीन्द्र अरजरिया)

लोकतंत्र में असहमति और शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिक अधिकारों का मूल आधार होता है परन्तु जब असहमति की आड़ में विदेशी धन, अत्याधुनिक तकनीक और राष्ट्रविरोधी तत्वों का एक अतिआधुनिक ताना-बाना तैयार कर देश की संप्रभुता को चुनौती दी जाए तब यह विरोध नहीं बल्कि एक सुनियोजित छद्म-युद्ध बन जाता है। देश की राजधानी के जंतर-मंतर पर घटित हालिया घटनाक्रम इसी खतरनाक वैश्विक और आंतरिक जुगलबंदी का एक नया रूप था। इतिहास गवाह हैं कि विगत कुछ वर्षों में भारत की आर्थिक व सामरिक प्रगति को बाधित करने के लिए ऐसी ही वैश्विक साजिशें बार-बार रची गई हैं परन्तु सुरक्षा एजेंसियों के अभेद्य समन्वय और सरकार की दूरदर्शी रणनीति ने इस चक्रव्यूह को एक बार फिर ध्वस्त कर दिया। जंतर-मंतर का घटनाक्रम कोई अचानक हुआ आंदोलन नहीं था बल्कि इसके पीछे वही वैश्विक टूलकिट इकोसिस्टम सक्रिय था जिसका भंडाफोड़ सन् 2021 के कृषक आंदोलन के समय पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन जैसे कनाडा आधारित संगठनों की भूमिका के दौरान हुआ था। सन् 2019-2020 के हांगकांग प्रदर्शनों में चीन विरोधी अभियानों के लिए ऐसा ही दृश्य सामने आया था। सन् 2020 के दिल्ली दंगों तथा शाहीन बाग प्रदर्शनों में भीड़ जुटाने के लिए भी ऐसे ही प्रयास किये गये थे जिन्हें जंतर-मंतर पर पुनः दोहराया गया। इस बार पारंपरिक सोशल मीडिया पर एजेंसियों की कड़ी निगरानी को मात देने के लिए सुनियोजित योजना के तहत बिटचैट, ब्रिजफाई और ब्रायर जैसे मेश-नेटवर्किंग और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स का सहारा लिया। ये ऐप्स बिना इंटरनेट कनेक्शन के केवल वाई-फाई और ब्लूटूथ के पीयर-टू-पीयर नेटवर्क पर काम करते हैं। इसका इस्तेमाल सन् 2019 के म्यांमार आंदोलन और बेलारूस के विरोध प्रदर्शनों में गोपनीय संदेश भेजने के लिए किया गया था। जंतर-मंतर पर भी इसी तकनीक के जरिए सीमापार के आकाओं द्वारा देश के अलग-अलग कोनों से आए असामाजिक तत्वों और स्लीपर सेल्स को रीयल-टाइम निर्देश दिए जा रहे थे। दिल्ली पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि हालिया प्रदर्शनों के दौरान भ्रम और फर्जी खबरें फैलाने वाले कई सोशल मीडिया अकाउंट्स वही थे जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी भारत विरोधी और भ्रामक जानकारी फैलाने में सक्रिय थे। गृह मंत्रालय और केंद्रीय जांच एजेंसियों के अनुसार विगत पांच वर्षों में भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम यानी एफसीआरए के नियमों के उल्लंघन के कारण 6,000 से अधिक संदिग्ध एनजीओ और वैश्विक थिंक-टैंक के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। इसके बावजूद हवाला नेटवर्क और शेल कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि भारत के भीतर अस्थिरता फैलाने के लिए लगातार झोंकी जा रही है। प्राथमिक जांच आख्या में स्पष्ट हुआ है कि जंतर-मंतर पर अराजकता फैलाने के लिए विदेशी फंडिंग का एक बड़ा हिस्सा शेल कंपनियों के माध्यम से जुटाया गया। इससे भी अधिक चिन्ता का विषय यह है कि इस तंत्र में सीमापार के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के डिजिटल विंग आतंकी जैसे संगठनों ने भी अपनी घुसपैठ बना ली थी। यह वही खतरनाक नेटवर्क है जिसने सन् 1993 के मुंबई बम धमाकों से लेकर सन् 2008 के 26/11 के हमलों को अंजाम दिया था। विगत कई वर्षों से से कश्मीर में अतिआधुनिक आतंकवाद को बढ़ावा देने में भी इन्हीं संगठनों का हाथ रहा है। जंतर-मंतर प्रदर्शन की आड़ में देशव्यापी सांप्रदायिक दंगे भड़काना, सरकार को पंगु बनाना तथा बांग्लादेश-नेपाल की तरह ही तख्ता पलट करना था। स्थानीय स्तर पर राजनीतिक और वैचारिक खाद-पानी देने के लिए वही चेहरे निरंतर जंतर-मंतर पर मौजूद रहे जो 26 जनवरी 2021 को लाल किले पर हुई हिंसक घटनाओं और भीमा कोरेगांव मामले से जुड़े अर्बन नक्सल नेटवर्क का हिस्सा थे। सत्ता की लिप्सा में अंधे कुछ राजनीतिक घटकों और असामाजिक-माफिया तत्वों ने इन देशविरोधी ताकतों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष संरक्षण प्रदान किया। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त इन तत्वों का इतिहास हमेशा से राष्ट्रहित के विरोध में खड़ा होने का रहा है चाहे वह कश्मीर में धारा 370 के उन्मूलन का विरोध हो या फिर नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए के खिलाफ झूठा भ्रम फैलाकर हिंसा भड़काना। सन् 2020 में शाहीन बाग और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों में स्थानीय स्लीपर सेल्स, भड़काऊ भाषणों और हवाला फंडिंग के माध्यम से सांप्रदायिक तनाव पैदा किया गया था जिस पर सुरक्षा एजेंसियों ने एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर वित्तीय रीढ़ तोड़ी थी। सन् 2021 के गणतंत्र दिवस पर लाल किला हिंसा के दौरान भ्रामक टूलकिट और सोशल मीडिया अफवाहों का सहारा लेकर ऐतिहासिक स्मारकों और राष्ट्रीय गरिमा पर प्रहार किया गया था जो फॉरेंसिक जांच और मुख्य साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी से बेनकाब हो चुका है। जंतर-मंतर का हालिया उपद्रव भी इसी शृंखला की अगली कड़ी थी जहां इंटरनेट रहित मेश-नेटवर्किंग ऐप्स और विदेशी फंडिंग के जरिए राष्ट्रीय प्रतीक क्षेत्र को निशाना बनाने की साजिश रची गई। हालिया घटनाक्रम पर नजर डालें तो काकरोच का जन्म अमेरिका की धरती से हुआ। डीप स्टेट ने साइबर दिग्गजों और नेटवर्किंग माफियों के साथ मिलकर विश्व में महात्वपूर्ण स्थान की ओर बढते भारत के विरुद्ध षडयंत्र रचा। आतंकी संगठनों, विपक्षी दलों के संरक्षण प्राप्त अपराधियों, राष्ट्रद्रोही स्लीपर सेल, भितरघातियों सहित कट्टरपंथियों को सक्रिय किया गया। आंदोलन की शुरूआत में चन्द लोगों के साथ पूर्व आप पदाधिकारी अभिजीत भगवान दीपके को अचानक भारी समर्थन मिलने लगा। मंच से राष्ट्रविरोधी नारे लगाये गये। सनातन को गालियां दी गईं। धारा 370 का इकबाल बुलंद किया गया। एक सम्प्रदाय विशेष का यशगान किया गया। भारी पथराव और पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमले किये गये। कुख्यात अपराधी, खतरनाक आरोपी, असामाजिक तत्वों की जमावडा बनता चला गया। षडयंत्र के तहत राजधानी के साथ-साथ देश के विभिन्न शहरों को भी अराजकता की आग में झौंकने हेतु मुंह पर कपडा बांधकर जमातें पहुंचने लगीं। गालियां देने की तो प्रतियोगिता ही देखने को मिली। जातिवादी उन्माद फैलाया गया। साम्प्रदायिकता को उभारा गया। दलगत एजेन्डे सामने आये। टुकडे-टुकडे गैंग सक्रिय रही। धमकियों की बाढ आ गई। संसद उखाड देंगे, नीतियां संसद से नहीं सडकों से बनेंगी, नेपाल-बांग्लादेश बना देंगे, तिलक-तराजू और तलवार जैसे मुद्दों को हवा दी गई। नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और शिक्षा प्रणाली में सुधार के नाम पर तोडफोड, आगजनी और आपराधिक कृत्य होते चले गये। वास्तविकता तो यह है कि भारत का विश्व मंच पर निरंतर ऊंचा होते कद, वैश्विक संकट के दौरान देश की आपूर्ति श्रंखला के मजबूत रहने और संसद के वर्तमान सत्र में लाये जाने वाले आयकर (संशोधन) विधेयक, सर्वोच्च न्यायालय संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए विधेयक, विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक जैसे अनेक बिलों को रोकने हेतु विदेशी आकाओं के इशारे पर इस राष्ट्रद्रोही षडयंत्र को अमली जामा सडक पर पहनाया गया।

संघर्ष ही सफलता की असली कहानी मंजिल नहीं, सफर को समझने की जरूरत

(मोनिका भाम्भू कलाना)

जीवन एक ऐसा संग्राम है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने हिस्से का संघर्ष करना पड़ता है। किसी के संघर्ष बाहरी दुनिया में होते हैं और किसी के अपनी भीतरी दुनिया में। दूसरे के दर्द और संघर्ष हमें दिखाई नहीं देते। हम उनके केवल परिणाम ही देख सकते हैं। इसीलिए अपना संघर्ष कभी न खत्म होने वाली नाउम्मीदी जैसा लगता है, लेकिन दूसरे का नहीं। कोई भी परिणाम एक लंबी यात्रा और द्वंद्व का आखिरी पड़ाव होता है। वह एकदम घटित नहीं होता। उसके पीछे कठिन मेहनत, इच्छाशक्ति और कुछ करने की दृढ़ता छिपी रहती है। जब हम सफलताओं के पीछे के वास्तविक संघर्ष से वाकिफ नहीं होते, तब सफलताएं किसी लंबी यात्रा का आखिरी सिरा नहीं लगकर चमत्कार सरीखी लगती हैं। आजकल के उपभोक्तावादी युग में, जब परिणामों को विज्ञापनों के माध्यम से भुनाना होता है, तो उन्हें उनके संदर्भों से काटकर प्रस्तुत किया जाता है। इससे वे वास्तविकता से अलग होकर थोड़े-से समय में हासिल की गई उपलब्धि लगने लगते हैं। वे रोमांचित करते हैं और थोड़ी-सी कोशिश से ही कुछ भी संभव कर लेने का भ्रम पैदा करते हैं। जीवन में मेहनत के बिना कहीं कोई परिणाम नहीं होते। यहां चमत्कार एक लंबी प्रक्रिया में आकार लेते हैं। अपने सोचे हुए को हासिल कर लेना, उसे घटित होते हुए देखना ही दुनिया में सबसे बड़ा चमत्कार है। ऐसे चमत्कारों तक पहुंचने में लंबा वक्त, अथक मेहनत और संघर्ष लगता है। इन चमत्कारों को घटित करने के लिए जरूरी है कि मनुष्य कोशिश करता रहे। उसे कोशिश कभी नहीं छोड़नी चाहिए। उस वक्त भी नहीं, जब उसे लगे कि अब झुक जाना चाहिए, क्योंकि झुककर भी उसे कुछ हाथ नहीं आता। जीवन के अंत तक अफसोस रखने से अच्छा है कि हम अंत तक प्रयास करें। प्रयास करते रहने से मनुष्य अपने सोचे हुए से भी अधिक परिणाम प्राप्त कर सकता है, शर्त बस यही है कि वह कोशिशों के बीच अपने अहं को न लाए। इतिहास के कई उदाहरणों में हम देखते हैं कि कोशिशें करते रहने से व्यक्ति अपनी अपेक्षाओं को ही नहीं, इंसानी सीमाओं को भी पार करने में सफल हुआ है। दरअसल, मनुष्य की क्षमताओं की सीमा तो है, लेकिन अंत नहीं। ये सीमाएं विस्तृत होती रहती हैं और इन्हें मनुष्य स्वयं अपने लिए विस्तृत करता है। चीजों और स्थितियों से गुजरकर ही मनुष्य न केवल उनका सत्य, बल्कि स्वयं का सत्य भी पहचानने की क्षमता अर्जित कर लेता है। किसी भी कार्य का परिणाम वही नहीं होता, जो सबको दिखता है। वास्तविक परिणाम वह बदलाव और सोच होती है, जो किसी कार्य को करने के दौरान विकसित होती है। जीवन में कुछ भी पीछे नहीं जाता। मनुष्य के लिए लौटने का कोई रास्ता नहीं है। जहां हम हैं, उससे आगे का सोचने में ही फायदा है। जीवन में जीत कोई ऐसी स्थिर स्थिति नहीं है, जिसे एक बार हासिल करके छोड़ दिया जाए। इतिहास में हम देखते हैं इतिहास हमें सिखाता है कि एक बार की जीत काफी नहीं, जीवन में कोशिश रोज करनी पड़ती है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6166

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6165

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 6166

संकेत: बाएं से दाएं

1. डिस्कवरी ऑफ इंडिया के लेखक और प्रमुख राजनीतिज्ञ की आज पुण्य तिथि है (6)
7. सिंचाई आदि के लिए बनाया गया कृत्रिम जलमार्ग (3)
8. मुंह या किनारे तक, लबालब (4)
10. येन मुद्रा का प्रचलन इस देश में है (3)
11. जंगल, अरण्य, कानन (2)
12. खरी-खोटी कहना, श्रवण कराना (3)
14. रसीद, पहुंच पत्र, प्राप्ति की स्वीकृति (3)
16. शास्त्रीय संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया (2)
17. समा जाना (3)
19. चौकोर चीज, पांसा (2)
21. दीर्घ मात्रा (2)
22. सौ करोड़ की संख्या (3)
23. कक्षा, समुदाय, संघ (3)
24. भगवान श्रीरामचंद्र के नामों में से एक (5)

ऊपर से नीचे

1. जनक की पुत्री होने के कारण सीता का एक नाम (5)
2. एक प्रशंसा सूचक शब्द, धन्व (2)
3. हानि का बदला, क्षतिपूर्ति (4)
4. प्रेम करना और पालना (6)
5. अधर, रदपट, ओंठ, ओष्ठ (2)
6. स्वकुल, आत्मीयजन, अपने लोग (3)
9. सत्ताईस नक्षत्रों में से अंतिम नक्षत्र, पुराणानुसार राजा रेवत की पुत्री बलराम की पत्नी थी (3)
13. सेवक को जीविका हेतु पुरस्कार में दी जाने वाली जमीन यह कहलाती थी (4)
15. अवस्था, उम्र (2)
18. यह लेबनान की राजधानी है (3)
20. इस मुगल शासक का मूल नाम जहीरूद्दीन मुहम्मद बादशाह था, इसका अरबी शब्द का अर्थ बाघ होती है (3)
21. बदगुमानी, कुधारणा (3)
22. यह एक राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम है(2)

वर्ग पहेली 6165 का हल

स	त्य	जी	त	रे		गु	रू
मा		ना	क	का	ट	ना	
नां	द		ली	न		ह	नु
त	ब	ला			धा		क
र	द			क	र	दा	ता
	बा	ह	र		क	रा	ची
ग		वा	चा	ल			नी
प	र	ना	ना			रे	

आज का राशिफल

मेष
पैसों के मामले में आज आपका दिन काफी राहत भरा रहेगा। अगर आप नियम से चलेंगे, तो अपनी बचत को थोड़ा और बढ़ा सकेंगे। फालतू की चीजों पर पैसे खर्च करने से बचें। आपका कोई अटका हुआ पैसा या पुरानी देनदारी आज आपको वापस मिल सकती है। छोटी अवधि के फायदों के चक्कर में पड़ने से अच्छा है कि आप लंबे समय की बचत पर अपना ध्यान लगाएं।

वृष
आज पैसों को लेकर आपका अनुशासन ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। अगर लंबे समय के लिए किए गए किसी निवेश को बदलने की सोच रहे हैं, तो पहले एक बार फिर अच्छे से सोच लें। घर के किसी आर्थिक फैसले में आपकी समझदार राय बहुत काम आएगी। आपकी ईमानदारी और लगातार मेहनत की दफ्तर के बड़े लोग तारीफ करेंगे।

कर्क
आज धन के मामलों में सफाई और शांत दिमाग से काम करे। दोस्तों और कामकाजी संपर्कों के जरिए पैसे कमाने के नए विचार मिल सकते हैं। अगर आप इंटरनेट या नई टेक्नोलॉजी में पैसे लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले सारी बातें अच्छे से समझ लें। घर के अचानक आए खर्चों को आप अपने सही बजट से संभाल लेंगे।

सिंह
आज अपने पुराने बजट, बचत और लंबी अवधि के निवेश की रणनीतियों का दोबारा जायजा लेने के लिए बहुत ही बढ़िया दिन है। किसी भी तरह के जज्बाती या भावुक आर्थिक फैसलों से पूरी तरह बचें। पैसों को लेकर आपकी यह सुरक्षित और संभलकर चलने की आदत ही आपको आने वाले समय में बड़ी आर्थिक चिंता से दूर रखेगी और आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगी।

मिथुन
आज पुराने संपर्कों से लाभ और मिलकर काम करने का फायदा मिलेगा। आज पैसों के मामले में थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है। जहां ज्यादा जोखिम हो, वहां पैसे बिल्कुल न लगाएं। आपकी पुरानी संपत्ति या जमीन-जायदाद की कीमत धीरे-धीरे बढ़ सकती है।

कन्या
आज सुरक्षित बचत पर जोर और अधिकारियों का भरोसा आप पर रहेगा। आज आपका मन नई उमंग से भरा रहेगा। बस इस बात का ध्यान रखें कि आने वाले समय की सोचकर आज ही से ज्यादा खर्च न करने लगें। सही तरीके से बचाए गए पैसे ही आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगे।

तुला
पैसों से जुड़े फैसले आज आप बहुत आसानी और साफ सोच के साथ ले पाएंगे। आपको अपने खर्चों और बचत को संभालने का कोई नया तरीका मिल सकता है। अगर आप फ्रीलांसिंग या कोई दूसरा काम भी करते हैं, तो वहां से कमाई थोड़ी बढ़ सकती है। किसी अनजाने इंसान की सलाह मानकर पैसे कहीं न फंसाएं।

वृश्चिक
आज आपका मन खुश रहेगा और आत्मविश्वास बना रहेगा। फिर भी, बिना वजह की सजावट या दिखावे की चीजों पर बहुत ज्यादा खर्च करने से बचें। जो लोग कला, लेखन या किसी क्रिएटिव काम से जुड़े हैं, उन्हें कोई अच्छा काम मिल सकता है। एक सही बजट बनाकर चलेंगे, तो पैसे की तंगी नहीं होगी। दफ्तर में आज आपकी लगन और नया सोचने का तरीका लोगों को बहुत पसंद आएगा।

मकर
आज अपने पुराने खर्चों को देखने और बजट को सही करने का बहुत अच्छा दिन है। पैसों को लेकर जो थोड़ी-बहुत उलझन चल रही थी, वह आपकी समझदारी से दूर हो जाएगी। देखा-देखी में आकर कर्ज न लें। पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही किसी जगह पैसे लगाएं, तो आगे फायदा होगा। किसी भी मुश्किल समस्या को आज आप अपनी तेज सोच से चुटकी में हल कर देंगे।

कुंभ
आज आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे बेहतर सुधार आने लगेगा। किसी के साथ मिलकर किए गए काम से पैसे आने के अच्छे योग हैं। भावनाओं में बहकर फालतू चीजें न खरीदें। अगर बैंक से जुड़े किसी काम या कागजी कार्रवाई का इंतजार था, तो आज बात आगे बढ़ेगी। आपकी मीठी और शांत बातचीत से दफ्तर के छोटे-मोटे झगड़े या गलतफहमियां दूर हो जाएंगी।

धनु
पैसों के मामले में आज जल्दबाजी के बजाय धीरज रखना ही सबसे काम आएगा। आपकी मेहनत से धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगेगी। किसी को भी बिना लिखा-पढ़ी या कागजों के उधार पैसा बिल्कुल न दें। पहले किए गए किसी छोटे-मोटे निवेश से आज आपको फायदा मिल सकता है, जिससे आपका मन खुश रहेगा।

मीन
आज आर्थिक स्थिति में सुधार और नौकरी में बढ़ेगी साख। आज आपको कमाई के कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर-परिवार की किसी जरूरत पर कुछ पैसा खर्च हो सकता है, लेकिन यह आगे चलकर आपके काम ही आएगा। जल्दी पैसा कमाने वाले शॉर्टकट से दूर रहें और अपने पैसे को सुरक्षित जगह पर जमा करने की सोचें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : soneversha vani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

फॉर्मेट भी बदलेगा

एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे वैभव !

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की। कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार दो टी20 सीरीज गंवाने के बाद अब भारत ने अय्यर की कप्तानी में खाता खोला है। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में हीरो रहे और 3 पारियों में 151 रन बनाकर टॉप स्कोरर भी बने। उन्हें अंतिम मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। अब नजरें होंगी कि कब वैभव फिर से टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे।

दरअसल अब टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना है जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उसके बाद अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को आयोजित हो सकती है। मगर उससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे और तीन टी20 बांग्लादेश के साथ भी खेल सकती है जिसकी पुष्टि नहीं हुई है।

अगर बांग्लादेश सीरीज हुई तो अफगानिस्तान के खिलाफ मैचों की तारीखें आगे खिसक सकती हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। मगर सितंबर के अंत में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में वैभव सूर्यवंशी भारतीय स्क्वाड का हिस्सा हैं। यानी अगर अफगानिस्तान-बांग्लादेश सीरीज नहीं हुई तो वैभव सीधे एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे। वरना उससे पहले भी दिल्ली में उनका जलवा देखने को मिल सकता है।

बिंदियारानी का कमाल, ब्रॉन्ज किया अपने नाम

नई दिल्ली। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के नाम छठा पदक हो गया है। भारत को वेटलिफ्टिंग में पांचवां मेडल मिला है। 58 किलोग्राम वर्ग में बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर 199 किलोग्राम का कुल वजन उठाया और देश को मेडल दिलाया। इससे पहले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

58 किलोग्राम की प्रतियोगिता में बिंदियारानी देवी ने स्नैच में अपना बेस्ट अटेम्प्ट 86 किलोग्राम वजन उठाकर दिया था। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनका बेस्ट 113 किलोग्राम रहा। कुल मिलाकर 199 किलोग्राम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज जीता। वहीं 53 किलोग्राम के बाद 58 किलोग्राम में भी नाईजीरिया को गोल्ड मेडल मिला। राफियातू लावल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इससे पहले 27 जुलाई सोमवार को भारत को वेटलिफ्टिंग में ही 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने सिल्वर मेडल दिलाया था। भारत को अब तक मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में एकमात्र गोल मीराबाई चानू ने दिलाया था। उनको जोड़कर दो पुरुष और तीन महिला वेटलिफ्टर अभी तक इन खेलों में मेडल अपने नाम कर चुके हैं। जबकि एकमात्र मेडल वेटलिफ्टिंग के अलावा पैरा पॉवरलिफ्टिंग में आया था। कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय वेटलिफ्टर्स का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। भारत वेटलिफ्टिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक 134 मेडल जीते हैं और 46 गोल्ड इसमें शामिल हैं। 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मेडल (3 गोल्ड, 3 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) वेटलिफ्टिंग में ही मिले थे।

भालाफेंक में नीरज से टक्कर लेने को तैयार हैं पाकिस्तान के अरशद खान

ग्लास्गो। भालाफेंक में राष्ट्रमंडल खेलों और ओलंपिक के मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम स्विट्जरलैंड में खराब मौसम के कारण अच्छी तरह से अभ्यास नहीं कर पाए, लेकिन लंबे समय से उनके कोच रहे सलमान बट ने कहा कि वह पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउंड के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पाकिस्तान राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक एक भी पदक नहीं जीत पाया है और उसकी उम्मीद अरशद पर टिकी है। अरशद का हाल का प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा तथा वह इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में ल्यूसर्न सिल्वर मीट में नौवें स्थान पर रहे थे। वह परिस्थितियों से वाकिफ होने के लिए काफी पहले ग्लास्गो पहुंच गए थे और 30 जुलाई को होने वाले क्वालिफायर के लिए तैयार हैं।

बट ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'बारिश के कारण अरशद को स्विट्जरलैंड में खेली गई प्रतियोगिता से पहले ठीक से तैयारी करने का मौका नहीं मिला और उसे गीली सतह की स्थितियों से सामंजस्य बिठाने में संघर्ष करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अब वह ग्लास्गो की परिस्थितियों के अनुकूल हो रहा है। वह क्वालीफायर के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस प्रतियोगिता में फिर से अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

टी20 वर्ल्ड कप में 20 नहीं 24 टीमें लेंगी हिस्सा !

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा हाल ही में 2028 और 2030 टी20 वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के फॉर्मेट बदलने की जानकारी दी गई थी। अब नई रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है कि, आईसीसी ने अब टीमों की संख्या बढ़ाने का भी प्लान किया है। अभी तक 20 टीमें टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेती हैं। गौरतलब है कि 2024 में 16 से 20 तक संख्या बढ़ाई गई थी। अब यह संख्या 24 तक जा सकती है। द टेलीग्राफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी ने अपना विजन टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का रखा है। ऐसे में 2032 के संस्करण में 20 से 24 टीमों तक यह टूर्नामेंट बढ़ सकता है। हालांकि, अगले दो संस्करण 2028 और 2030 में 20 टीमें ही हिस्सा लेंगी।

क्यों लिया जा सकता है यह फैसला?

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप की सफलता के बाद गवर्निंग काउंसिल द्वारा अन्य देशों के लिए मौके बढ़ाने और दुनियाभर में क्रिकेट के नए बाजार को तैयार करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी का विजन है टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट करवाने का। इसलिए आईसीसी धीरे-धीरे टीमों की संख्या बढ़ाकर इस टूर्नामेंट की सफलता को आंकना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आईसीसी के मुताबिक टी20 फॉर्मेट क्रिकेट को दुनियाभर में आगे बढ़ाने का सबसे असरदार जरिया है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी क्रिकेट की वापसी हो रही है।

शर्मिला ने स्वर्ण जीत रचा इतिहास

- अजय बाबू-सर्वेश कुशारे ने झटके रजत
- शिल्पा ने कांस्य पदक अपने नाम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शर्मिला धनखड़ ने महिला शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ इतिहास रचा जबकि वेटलिफ्टिंग में ज्ञानेश्वरी यादव के बाद वल्लुरी अजय बाबू ने कॉमनवेल्थ गेम्स में सोमवार (28 जुलाई) को रजत पदक जीतकर भारत के अभियान को यादगार बनाया। सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। एथलेटिक्स में कुछ अन्य खिलाड़ियों ने फाइनल और मुक्केबाजों ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर देश के लिए उम्मीदें बढ़ा दीं। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों का चौथा दिन शानदार उपलब्धियों से भरा रहा, जहां दिन की सबसे बड़ी कहानी पैरा एथलेटिक्स से आई। 40 वर्षीय शर्मिला ने 9.81 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो लगाकर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पैरा एथलेटिक्स पदक के 20 साल के इंतजार को खत्म किया। इस स्पर्धा में एक और भारतीय खिलाड़ी शिल्पा शायला को विवाद के बाद कांस्य पदक प्रदान किया गया।

- **सर्वेश कुशारे ने रजत पदक जीता-** बिंद्यारानी ने स्नैच में 87 और क्लीन एंड जर्क में 112 समेत कुल 199 किलो वजन उठाया। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बनकर इन खेलों में इतिहास रच दिया। कुशारे ने 2.25 मीटर की ऊंचाई पार कर दूसरा स्थान हासिल किया। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने स्वर्ण पदक जीता। दोनों खिलाड़ी 2.25 मीटर के बाद 2.28 मीटर पार करने में असफल रहे, लेकिन काउंटबैक नियम के आधार पर बेकफोर्ड को विजेता घोषित किया गया।
- **तेजस्विन शंकर से आगे निकले कुशारे-** इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। अन्य भारतीय खिलाड़ी आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में भारत का एकमात्र पदक तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक के रूप में जीता था, लेकिन 31 वर्षीय कुशारे ने रजत पदक जीतकर उस उपलब्धि को पीछे छोड़ दिया।
- **श्रीशंकर ने फाइनल में जगह बनाई-** तेजस्विन ने भी सोमवार को स्पर्धा में हिस्सा लिया, लेकिन गुरुवार से शुरू होने वाली पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा की तैयारी को देखते हुए उन्होंने 2.05 मीटर के पहले प्रयास में असफल रहने के बाद हटने का फैसला किया। भारत के लंबी कूद के खिलाड़ी एम. श्रीशंकर ने क्वालीफाइंग स्तर पार करके राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में जगह बनाई।
- **श्रीशंकर का शानदार प्रदर्शन-** श्रीशंकर ने ग्रुप-ए में अपने पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की दूरी तय करके सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.38 मीटर है। फाइनल के लिए क्वालीफाइंग स्तर आठ मीटर या सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कम से कम 12 खिलाड़ी थे। 27 साल के श्रीशंकर ग्रुप-ए से सीधे क्वालीफाई करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे।

शिल्पा शायला चौथे स्थान पर रही

शिल्पा ने 7.26 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। शुरुआत में नाइजीरिया की यूचेरिया इयियाजी कांस्य पदक की स्थिति में थीं, लेकिन भारतीय दल की आपत्ति और आधिकारिक समीक्षा के बाद उनके एकमात्र वैध प्रयास को फाउल करार दिया गया। इसके बाद चौथे स्थान पर रहीं शिल्पा शायला को कांस्य पदक मिल गया। पदक में बदलाव की घोषणा के बाद भावुक शिल्पा ने शर्मिला के साथ जश्न मनाया। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक हासिल किए।

ज्ञानेश्वरी ने रजत पदक जीत

एफ57 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए होता है जिनके निचले अंगों में अक्षमता, अंगों की कमी या मांसपेशियों की ताकत में कमी होती है। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के रहने वाले 21 वर्षीय अजय बाबू ने स्नैच में 149 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 181 किग्रा वजन उठाकर कुल 330 किग्रा का भार दर्ज किया। उन्होंने दोनों वर्गों में राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड बनाया, लेकिन स्वर्ण पदक से वह मामूली अंतर से चूक गए।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का एलान

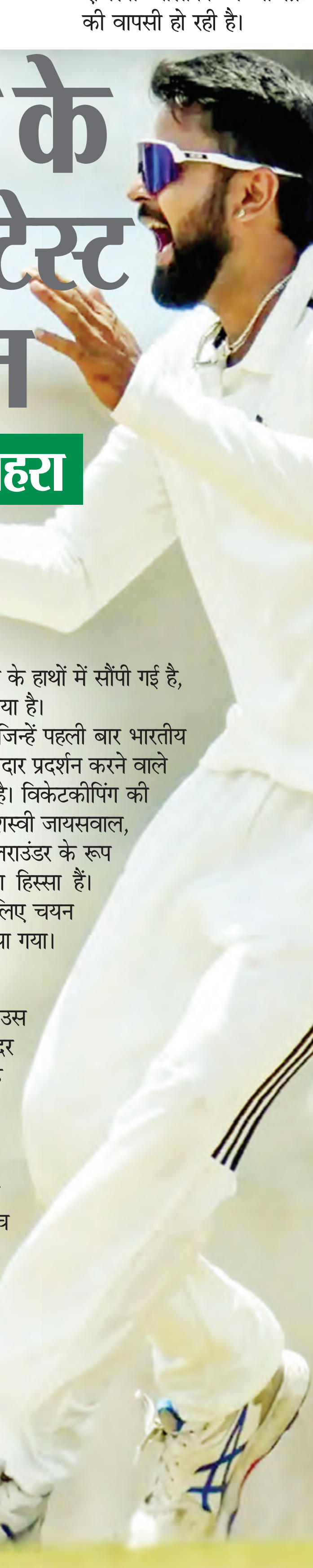

सारांश जैन टीम में नया चेहरा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होगी। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे चौंकाने वाला चयन सारांश जैन का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले इस ऑलराउंडर को पहली बार सीनियर टीम से बुलावा मिला है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभालेंगे। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को भी जगह मिली है। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार टीम का हिस्सा हैं। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया कि वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया।

इन खिलाड़ियों की हुई टेस्ट टीम में वापसी

भारत ने पिछला टेस्ट अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। उस टीम से तुलना करें तो नीतीश रेड्डी, हर्ष दुबे, वॉशिंगटन सुंदर मौजूदा टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा और बुमराह की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। हालांकि, बुमराह का खेलना अभी तय नहीं है। इसके अलावा सारांश नया चेहरा हैं। जडेजा ने पिछला टेस्ट पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा स्टेडियम में खेला था। वह काफी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में आया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

कप्तान: शुभमन गिल, **उपकप्तान:** केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस है, यानी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही खेल सकेंगे।

बुमराह-सुदर्शन का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगी।

इंडिया बनाम श्रीलंका: टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

इसके साथ ही बात की जाए शेड्यूल की तो पहला मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले में खेला जाएगा। फिर कोलंबो में होने वाले दूसरे टेस्ट का आगाज 23 अगस्त से हो जाएगा। ये सभी मुकाबले भारतीय समय के अनुसार 10 बजे शुरू होंगे।

वरिष्ठ खेल पत्रकार जसविंदर सिद्धू का निधन

सड़क हादसे में गंवाई जान; बाइक चालक ने मारी टक्कर

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ पत्रकार जसविंदर सिद्धू का रविवार 26 जुलाई की देर रात एक सड़क दुर्घटना के बाद निधन हो गया है। नेशनल हाईवे 9 पर उन्हें एक बाइक चालक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक चालक भी घायल हो गया। उसका भी इलाज जारी है। यह हादसा पूर्वी दिल्ली के एनएच-9 पर हुआ। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी और तत्काल प्रभाव से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जसविंदर सिद्धू के एक करीबी से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार देर रात करीब 12:15 बजे उन्हें इस हादसे की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि जब एक राहगीर का जसविंदर सिद्धू के फोन से करीबी के पास कॉल आया तो इस हादसे की खबर मिली। फिर जब उस व्यक्ति ने जसविंदर सिद्धू के नंबर पर कॉल किया तो उन्होंने रोते हुए और कराहते हुए खुद इस हादसे के बारे में बताया।

करीबी ने बताया कि हादसे के बाद फोन पर उनसे बात करते हुए जसविंदर सिद्धू ने रोते हुए कहा, 'रोशन यार बहुत चोट लग गई है तू जल्दी आजा। मैंने उनको कहा भैया आप चिंता मत करो मैं तुरंत पहुंच रहा हूं। मैंने इसके बाद दूसरे करीबी को कॉल किया और उनको बताया।

अटैक आने से हुआ निधन

करीबी ने बताया, 'मैंने उनको कहा भैया मैं आ गया हूं चिंता मत करना। उन्होंने मुझे रिस्पांस भी किया। फिर मैं डॉक्टर से उनका परिचय दिया और अपना भी परिचय दिया और इलाज के लिए तत्परता दिखाने की बात कही। डॉक्टर मुझसे उनके पिताजी का नाम घर का पता वगैरह पूछने लगे। मैंने बताया मुझे मालूम नहीं है। फिर डॉक्टर ने कहा कि देख लो पॉकेट में कुछ होगा आईडी वगैरह। फिर डॉक्टर ने आईडी वगैरह लिया और इलाज शुरू करवाया। इसी बीच उनको अटैक आ गया। डॉक्टर ने काफी कोशिश की। वह एक बार होश में भी आए। फिर उन्हें जीटीबी हॉस्पिटल लेकर ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।'

न्यूज बाइट्स

पास बाइक दुर्घटना, दो युवक गंभीर घायल

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज-शिवगंज पथ पर माधोखाप गांव के समीप सोमवार रात एक बाइक दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान कासमा थाना क्षेत्र के खैरा गांव निवासी 21 वर्षीय जिम्मेदार शर्मा और 19 वर्षीय जितेंद्र राम के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, दोनों युवक शिवगंज से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक जानवर के आ जाने से बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायलों को रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया।

एक शाम मोहम्मद रफी के नाम कार्यक्रम का होगा आयोजन

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिला मुख्यालय स्थित प्रतिष्ठित सांगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय के तत्वावधान में 31 जुलाई को महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी की 46वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 'एक शाम मोहम्मद रफी के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम ब्लॉक मोड़ स्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति भवन परिसर में संध्या समय आयोजित होगा। संस्था के प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि कार्यक्रम में जिले के दर्जनों गायक एवं संगीत प्रेमी भाग लेंगे और मोहम्मद रफी के अमर एवं सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को रफी साहब के संगीत से जोड़ना और उनकी सांगीतिक विरासत को सहेजना है। दानिका संगीत महाविद्यालय के निदेशक डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि संस्था पिछले लगभग एक दशक से देश के महान गायकों और संगीत साधकों की जयंती एवं पुण्यतिथि पर उनके सम्मान में विशेष सांगीतिक कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है।

दो साल पुराने बैट्री विवाद में उपभोक्ता को मिली राहत

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिले के नवीनगर प्रखंड के बड़वां गांव निवासी बबलू कुमार को दो वर्षों से चल रहे बैट्री विवाद में आखिरकार राहत मिल गई है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, औरंगाबाद में मंगलवार को दोनों पक्षों के बीच सुलह होने के बाद कंपनी ने खराब पड़ी दो बैटरियां बदलने पर सहमति जताई, जिसके बाद मामला समाप्त हो गया। जानकारी के अनुसार, बबलू कुमार ने 8 नवंबर 2023 को फौजियामा पावर सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड से यूपीएल कंपनी की चार बैटरियां खरीदी थीं। प्रत्येक बैट्री की कीमत 15,000 थी और कुल 60,000 का भुगतान किया गया था।

औरंगाबाद में सहयोग शिविर के 97% आवेदनों का हुआ निष्पादन

12,527 में से 12,135 आवेदनों का निपटारा, लंबित मामलों पर सख्ती

• 30 दिनों के भीतर सभी आवेदनों के निष्पादन का निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को पंचायत स्तर पर आयोजित किए जा रहे सहयोग शिविर की प्रगति एवं प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी ने आम जनता की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान पर जोर देते हुए सभी नोडल एवं सहयोगी पदाधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी आवेदनों का अधिकतम 30 दिनों के भीतर निष्पादन किया जाए। साथ ही 10 और 20 दिनों से लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने तथा 30 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों में संबंधित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण लेकर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि राजस्व एवं न्यायालय से जुड़े लंबित मामलों का संबंधित सहयोग शिविर की तिथि से पहले ही निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा प्रत्येक शिविर में लंबित एवं निष्पादित आवेदनों की सूची सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने तथा आवेदकों को उनके आवेदन की अद्यतन स्थिति लिखित रूप में उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया।

बैठक में बताया गया कि जिला प्रशासन के सतत अनुश्रवण और प्रभावी मॉनिटरिंग का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। अब तक सहयोग शिविरों के माध्यम से प्राप्त 12,527 आवेदनों में से 12,135 आवेदनों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया जा चुका है। इस प्रकार लगभग 97 प्रतिशत आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन कर जिला प्रशासन ने जन शिकायतों के समाधान की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि औरंगाबाद जिला प्रशासन आम नागरिकों को स्थानीय स्तर पर त्वरित, पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सहयोग शिविर इसी उद्देश्य को प्रभावी ढंग से पूरा करने का माध्यम बन रहे हैं।

राशन कार्ड निर्माण अभियान को मिली रफ्तार, लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त

• डीएम ने की समीक्षा 97.07% आवेदनों का सत्यापन पूरा, पात्र परिवारों तक खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पहुंचाने पर जोर

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार तक राशन कार्ड का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से औरंगाबाद जिला प्रशासन मिशन मोड में अभियान चला रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में राशन कार्ड निर्माण एवं आवेदन सत्यापन कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी प्रखंडों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र परिवारों को पारदर्शी तरीके से राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए अभियान को और गति दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों में प्रतिदिन आवेदन प्राप्त करने, उनका त्वरित सत्यापन करने तथा योग्य लाभुकों को शीघ्र राशन कार्ड उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखी जाए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि 26 जुलाई 2026 तक निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले जिले ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 48,241 आवेदनों के लक्ष्य के विरुद्ध 31,905 आवेदन प्राप्त कर जिले ने 103.34 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। वहीं 27 जुलाई को एक ही दिन में 2,283 नए आवेदन प्राप्त हुए, जबकि दैनिक लक्ष्य 1,737 आवेदन था। इस प्रकार जिले ने एक दिन में 131.46 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की। जिला प्रशासन के अनुसार, 27 जुलाई 2026 तक प्राप्त कुल 34,188 आवेदनों में से 33,185 का सत्यापन पूरा कर लिया गया है। जिले की सत्यापन दर 97.07 प्रतिशत पहुंच चुकी है, जबकि केवल 1,003 आवेदन सत्यापन के लिए लंबित हैं। अधिकारियों ने इसे सतत मॉनिटरिंग और प्रभावी प्रशासनिक कार्यप्रणाली का परिणाम बताया। जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों, जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं तथा पंचायत प्रतिनिधियों को राशन कार्ड निर्माण अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मॉर्निंग वॉक के दौरान युवक से चार लाख की सोने की चेन झपटी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद शहर में मंगलवार की सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक के गले से करीब चार लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन झपट ली। घटना नगर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-1 स्थित कथरुआ मोहल्ले की है। पीड़ित की शिकायत पर नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित रंजीत कुमार सिंह ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि मंगलवार सुबह वह अपने पालतू कुत्ते के साथ घर के बाहर टहल रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे एक मकान के पास दो युवक बाइक खड़ी कर बातचीत करते दिखाई दिए। उन्हें लगा कि दोनों निर्माण कार्य से जुड़े लोग हैं, इसलिए उन्होंने इस पर विशेष ध्यान नहीं दिया। रंजीत कुमार के अनुसार, जैसे ही वह आगे बढ़े, पीछे से आए एक युवक ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और पहले से बाइक लेकर खड़े अपने साथी के साथ जसोईया की ओर फरार हो गया।

उन्होंने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों तेजी से भाग निकले। पीड़ित ने बताया कि छीनी गई सोने की चेन उन्हें उनके भाई ने उपहार स्वरूप दी थी, जिसकी कीमत लगभग चार लाख रुपये है। घटना के तुरंत बाद उन्होंने नगर थानाध्यक्ष को मोबाइल फोन के माध्यम से सूचना दी। रंजीत कुमार का दावा है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हुई है, जिससे आरोपियों की पहचान करने में पुलिस को मदद मिल सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि चेन झपटने वाले युवक की पहचान सामने आने पर वह उसे पहचान सकते हैं। वहीं बाइक चला रहे दूसरे आरोपी का रंग सांवला, कद लगभग साढ़े पांच फीट था और उसने हेलमेट पहन रखा था, जिसके कारण उसका चेहरा स्पष्ट नहीं दिख सका। नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है तथा फरार बदमाशों की तलाश की जा रही है।

दो दिवसीय दौरे पर आज औरंगाबाद आएंगी प्रभारी मंत्री रमा निषाद

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार की पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री सह औरंगाबाद जिले की प्रभारी मंत्री रमा निषाद आज और कल को दो दिवसीय दौरे पर औरंगाबाद आएंगी। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी प्रशासनिक एवं सुरक्षा तैयारियां पूरी कर ली हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री आज औरंगाबाद पहुंचने के बाद सबसे पहले बारुण प्रखंड में आयोजित एक स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके बाद वह समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिले के प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगी। समीक्षा बैठक में राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति तथा योजनाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी देंगी। बैठक के उपरांत प्रभारी मंत्री का पटना के लिए प्रस्थान प्रस्तावित है।

अवैध शुल्क वसूली के विरोध में एबीवीपी का प्रदर्शन

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की औरंगाबाद इकाई ने मंगलवार को रामलखन सिंह यादव महाविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक अव्यवस्था, कथित भ्रष्टाचार और छात्रों से विभिन्न मदों में अवैध शुल्क वसूली के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में प्रदर्शन करते हुए प्राचार्य कार्यालय का घेराव किया और छात्र हित से जुड़े मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। आंदोलन का नेतृत्व परिषद की कार्यकर्ता अदिति सिंह ने किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने महाविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि इंटर्नशिप, नामांकन, मार्कशीट, माइग्रेशन, सीएलसी सहित विभिन्न कार्यों के नाम पर छात्रों से अवैध रूप से शुल्क वसूला जा रहा है।

पीएम श्री विद्यालय की चार छात्राओं का पीएनबी लाडली शिक्षा प्रोत्साहन योजना में चयन

• 14 अगस्त को मिलेगी 3-3 हजार की प्रोत्साहन राशि, आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्राओं को मिलेगा शिक्षा का संबल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय की चार मेधावी छात्राओं का चयन पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की लाडली शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत किया गया है। चयनित छात्राओं को आगामी 14 अगस्त को तीन-तीन हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने बताया कि चयनित छात्राओं में अनुप्रिया, लक्ष्मी, प्रिया सहित कुल चार छात्राएं शामिल हैं। इनका चयन पंजाब नेशनल बैंक की ओर से निर्धारित मानकों के अनुरूप किया गया है। उन्होंने बताया कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर एवं अनुसूचित जाति वर्ग की मेधावी छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है।

पीएनबी की मार्केटिंग अधिकारी श्रेया श्री ने बताया कि बैंक अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत शिक्षा के क्षेत्र में असमानता कम करने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रहा है। लाडली शिक्षा प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्राओं को आर्थिक सहयोग देकर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करना है। विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने इस पहल के लिए पंजाब नेशनल बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग की मेधावी छात्राओं के लिए यह योजना अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसी योजनाओं से छात्राओं का मनोबल बढ़ेगा और वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होंगी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी चयनित छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खतरनाक हथियार से हमला मामले में तीन अभियुक्त दोषी

औरंगाबाद(एसवीवी.सं.)। औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन कुमार ने सेशन ट्रायल संख्या 128/20 (बंदैया थाना कांड संख्या 17/20) में सुनवाई पूरी करते हुए तीन अभियुक्तों को दोषी करार दिया। हालांकि, मामले की परिस्थितियों एवं अभियुक्तों के आचरण को देखते हुए न्यायालय ने उन्हें परिवीक्षा (प्रोबेशन) का लाभ देते हुए रिहा कर दिया। लोक अभियोजक के अनुसार, मामला 7 अगस्त 2020 का है। बंदैया थाना क्षेत्र के सुगी बेला गांव निवासी रघुनंदन यादव ने अपने गोतिया शिवनंदन यादव, राजनंदन यादव एवं श्यामनंदन यादव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि आपसी विवाद के दौरान तीनों ने खतरनाक हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल करने का प्रयास किया था। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर तीनों अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 324 के तहत दोषी ठहराया। हालांकि, उन्हें कारावास की सजा देने के बजाय अदालत ने परिवीक्षा अधिनियम का लाभ प्रदान किया। न्यायालय ने तीनों दोषियों को कड़ी चेतावनी और फटकार लगाते हुए एक वर्ष तक शांति एवं सदाचार बनाए रखने का बंधपत्र (बॉन्ड) भरने का निर्देश दिया। निर्धारित शर्तों का पालन करने पर उन्हें जेल भेजने के बजाय रिहा कर दिया गया।

विद्यार्थियों में मतदान जागरूकता, क्विज व वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

जिले के बारूण प्रखंड स्थित मॉडल स्कूल सरस्वती विद्या निकेतन आदर्श विद्यालय, सुंदरगंज में निर्वाचन साक्षरता क्लब के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत क्विज एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र, निर्वाचन प्रक्रिया, मताधिकार तथा मतदाता के अधिकार एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से निर्वाचन आयोग, संविधान, ईवीएम, वीवीपैट, मतदान प्रक्रिया और लोकतंत्र से जुड़े प्रश्न पूछे गए। वहीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने मतदान के महत्व, युवा मतदाताओं की भूमिका और निष्पक्ष चुनाव जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। जूनियर रेड क्रॉस के जिला काउंसलर एवं सचिव निरंजय कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को जागरूक कर उन्हें समाज में मतदाता जागरूकता का संदेशवाहक बनाना है। क्विज एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में वर्ग नवम की छात्रा जिया कुमारी और आस्था कुमारी का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ. राकेश कुमार सिंह ने की। उन्होंने बताया कि निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से विद्यालय में आगे भी मतदाता जागरूकता से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

पैरामाउंट स्कूल में छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने किया वृक्षारोपण

• पेड़ जल संरक्षण और जीवन का आधार : मुख्य पार्षद अंजली कुमारी

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को पैरामाउंट स्कूल के कैंपस में विद्यार्थियों ने शिक्षकों और मुख्य पार्षद अंजली कुमारी के साथ मिलकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्र - छात्राओं ने उत्साह के साथ पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। मुख्य पार्षद ने कहा कि एक पौधा केवल पेड़ नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, शुद्ध पर्यावरण, जल संरक्षण और जीवन का आधार भी है। आज लगाया गया एक छोटा - सा पौधा भविष्य में प्रत्येक जीव जंतु को छाया, ऑक्सीजन और प्रकृति का अमूल्य उपहार देगा।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने संकल्प लिया कि केवल पौधे लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी जरूरी है ताकि वह एक सशक्त और हरित भविष्य का निर्माण कर सके। वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों और शिक्षकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता देखने को मिली।

जनता दरबार में शिकायतों के त्वरित निष्पादन पर डीएम ने दिया जोर

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार के दौरान प्राप्त आवेदनों एवं उनके निष्पादन की स्थिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित मामलों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में बताया गया कि बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के निर्देशानुसार सात निश्चय-3 के अंतर्गत 'सबका सम्मान–जीवन आसान' पहल के तहत राज्यभर में प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल तथा जिला स्तर पर जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कर प्रशासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाना है।

चारू मजूमदार का मना 54वां शहादत दिवस

भारत को डर का गणतंत्र बनाना चाहती है मोदी सरकार

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

भाकपा माले के संस्थापक महासचिव कॉमरेड चारू मजूमदार का 54वां शहादत दिवस मंगलवार को दाउदनगर के भखरूआं मोड़ स्थित माले कार्यालय पर मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। पार्टी के पूर्व जिला सचिव जनार्दन प्रसाद सिंह और प्रखंड सचिव सह राज्य कमिटी सदस्य चंद्रमा पासवान ने संयुक्त रूप से मजूमदार के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर केंद्रीय कमिटी का आह्वान पत्र चंद्रमा पासवान ने पढ़कर सुनाया। पूर्व जिला सचिव जनार्दन प्रसाद सिंह ने कहा कि आज देश एक विरोधाभासी दौर से गुजर रहा है। मोदी सरकार की अर्थव्यवस्था से लेकर विदेश नीति तक आम जनता के लिए विनाशकारी साबित हुई है। उन्होंने राम मंदिर और उज्जैन महाकाल मंदिर की जमीन से जुड़े घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक ने सरकार के भ्रष्ट चरित्र को बेनकाब कर दिया है। कहा कि भारत में फासीवाद अब अपने असली रूप में सामने आ रहा है। हमें इसके खिलाफ जनता के प्रतिरोध को और तेज करना होगा। मोदी सरकार भारत को डर का गणतंत्र बनाना चाहती है, लेकिन जनता डटकर मुकाबला कर रही है। कार्यक्रम में नगर सचिव सह जिला कमिटी सदस्य बिरजू चौधरी, जिला कमिटी सदस्य सह काराकाट सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह, दाउदनगर सांसद प्रतिनिधि राजकुमार भगत, सत्येंद्र नारायण सिंह, मीना सिंह, सुरेश सिंह यादव, फकीरचंद यादव, रामरूप राम, जगदीश ठठेरा, रामचंद्र चौहान, राजेश मेहता, जयनंदन राम प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

औरंगाबाद में चेहल्लुम की तैयारी पूरी, 23 से अधिक मोहल्लों से निकलेगा ताजिया जुलूस

• शांति समिति की बैठक में प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश, सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर, डीजे और हथियारों के प्रदर्शन पर रोक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से औरंगाबाद नगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर थानाध्यक्ष बबन बैठा ने की। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, अखाड़ा समितियों के पदाधिकारियों तथा दोनों समुदायों के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में चेहल्लुम के दौरान विधि-व्यवस्था, ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था तथा आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नगर थानाध्यक्ष ने विभिन्न मोहल्लों से निकलने वाले ताजिया जुलूसों की जानकारी लेते हुए सभी अखाड़ा समितियों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि चेहल्लुम को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह या विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक जुलूस समिति के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा तथा ताजिया केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाएगा। प्रशासन ने डीजे बजाने, हथियारों के प्रदर्शन तथा सोशल मीडिया पर भड़काऊ, अफवाह फैलाने या किसी धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाने वाली पोस्ट साझा करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया की लगातार निगरानी की जाएगी और अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा बड़ी संख्या में पुलिस बल, सादे लिबास में पुलिसकर्मी तथा महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। बिजली विभाग को जुलूस मार्ग पर जर्जर तारों की मरम्मत कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर निर्धारित समय के लिए बिजली आपूर्ति बंद रखने का निर्देश भी दिया गया है। बैठक में वार्ड पार्षद सिकंदर हयात, अल्ताफ कुरैशी, खुर्शीद आलम, टिक्का खान, मो. हसन, मो. बिलाल, मो. शकील, उमेश सिंह, के.के. सिंह, मनोर कुमार, सतीश कुमार सहित विभिन्न अखाड़ा समितियों के उस्ताद और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इन मोहल्लों में निकलेगा ताजिया जुलूस

प्रशासन के अनुसार 4 अगस्त को शहर के पठान टोली, नावाडीह रोड, मूसा खान चौक, धरनीधर रोड, नावाडीह गंज, शेख फारूखी, साहगंज कलामी, नावाडीह बिगहा, अजमेर नगर, छोटी तालाब, छोटी कबीर, पुरानी काजी, न्यू काजी, दर्जी मोहल्ला, जर्माखांप, गंज मोहल्ला, कुरैशी मोहल्ला, टिकरी, अंसार बाग, अलीनगर, आजाद नगर, इस्लाम टोली, तेली मोहल्ला सहित 23 से अधिक मोहल्लों से ताजिया जुलूस निकाला जाएगा। शाम को जुलूस विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए कर्बला पहुंचेगा, जहां देर रात पहलाम के साथ चेहल्लुम कार्यक्रम का समापन होगा।

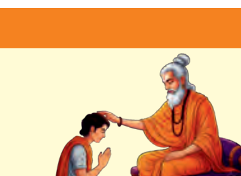

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

संदेश

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल शिक्षा प्रदान नहीं करते, बल्कि वे जीवन जीने की कला सिखाते हैं। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति, ज्ञान और आध्यात्मिक परंपरा का एक पावन पर्व है। महर्षि वेदव्यास की पावन स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व हमारी गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक है, जिसने भारत के ज्ञान, दर्शन और संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह दिवस हमें गुरुजनों के प्रति अपनी श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मैं बिहारवासियों एवं समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं मंगलकामनाएँ देता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि समस्त गुरुजनों का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे तथा हमारा समाज ज्ञान, सद्भाव, संस्कार और मानवता के पथ पर निरंतर अग्रसर होता रहे।

डॉ० प्रेम कुमार
अध्यक्ष, बिहार विधान सभा